@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 6 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 116 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मायावती ने रणधीर बेनीवाल को नेशनल कॉर्डिनेटर बनाया

सहारनपुर, 5 मार्च। जेजेपुरम निवासी रणधीर सिंह बेनीवाल को बहुजन समाज पार्टी में नेशनल कोर्डिनेटर की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार को नेशनल कॉर्डिनेटर पद से हटाते हुए रणधीर बेनीवाल पर भरोसा जताया है। इससे जनपद के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर है। रणधीर बेनीवाल नगर पालिका सहारनपुर में सभासद भी रहे हैं। उनकी पुत्रवधू पहले बोर्ड में पार्षद रही हैं। वह शुरू से ही बहुजन समाज पार्टी का झंडा थामे रहे। उन्हें 2014 में सहारनपुर जिला प्रभारी पद की जिम्मेदारी पार्टी ने दी थी। इसके बाद 2016 से 2018 तक वह सहारनपुर और मेरठ मंडल के भाईचारा कमेटी के मंडल प्रभारी रहे। जून 2018 से वह हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और चंडीगढ़ के प्रभारी हैं, जो लगातार इन राज्यों में पार्टी की मजबूती के लिए काम करते रहे। रणधीर बेनीवाल शांत स्वभाव के अनुशासित नेता माने जाते हैं। यही वजह है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने अपने भाई आनंद के बाद उन पर भरोसा जताते हुए नेशनल कॉर्डिनेटर पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उनको जिम्मेदारी दिए जाने से एक ओर जहां उनका परिवार गदगद है। वहीं जिला स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में भी खुशी की लहर है। जिलाध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद का कहना है कि सहारनपुर से नेशनल कॉर्डिनेटर होना सहारनपुरवासियों के लिए गौरव की बात है। निश्चित रूप से बेनीवाल बहनजी की उम्मीद पर खरा उतरकर पार्टी को मजबूती देंगे।

भगदड़ में जान बचाने वालों की आवाज नहीं सुनी जा रही: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 मार्च। राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से हुई मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के दौरान कुलियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की, लेकिन उनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। वे आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं। हम उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगे। किसी-किसी दिन खाने के भी पैसे नहीं होते। हम घर पर पैसे भेजें या खाना खाएं। हमारे कुली भाई ऐसी मुश्किलों में जीने को मजबूर हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के दौरान इन लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की, लेकिन इनकी आवाज़ नहीं सुनी जा रही। अपने यूट्यूब चैनल पर कुलियों से बातचीत का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां कुली भाइयों से मिला। उन्होंने मुझे बताया कि कैसे सभी ने मिलकर भगदड़ वाले दिन लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। राहुल गांधी ने कहा कि चाहे लोगों को भीड़ से निकालने की बात हो या घायलों को एंबुलेंस और प्रशासन तक पहुंचाना हो। मृतकों के शवों को बाहर निकालने के लिए शारीरिक क्षमता, ठेले का उपयोग करना हो या अपनी जेब से पैसा खर्च करना हो, उन्होंने हर तरह से यात्रियों की मदद की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मैं दिहाड़ी मजदूरी करने आने वाले इन भाइयों की संवेदना देखकर प्रभावित हूं। वे वित्तीय कठिनाइयों में जी रहे हैं, लेकिन उनमें जोश और सद्भावना की कमी नहीं है। उन्हें मदद की जरूरत है। उन्होंने अपनी मांगें बताई हैं। मैं निश्चित रूप से उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस नेता ने एक कुली के हवाले से कहा कि किसी-किसी दिन खाने के भी पैसे नहीं होते। हर घर पर पैसे भेजें या खाना खाएं। हमारे कुली भाई ऐसी ही कठिनाइयों में जीने को मजबूर हैं। मैं उनकी मांगों को सरकार के समक्ष रखूंगा और हम अधिकारों के लिए पूरी ताकत से लड़ेंगे। राहुल गांधी ने रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के दौरान लोगों की जान बचाने और राहत कार्य में मदद करने के लिए कुलियों का धन्यवाद किया।

पर्यावरण निधि के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई गंभीर चिंता

नई दिल्ली, 5 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तराखंड सरकार से कंपेन्सेटरी अफोरेस्टेशन फंड (सीएएमपीए) के गलत इस्तेमाल पर जवाब मांगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस फंड का उपयोग राज्य सरकार ने आईफोन और अन्य महंगे सामान खरीदने, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर, और कार्यालयों की मरम्मत जैसी गैर-स्वीकृत गतिविधियों के लिए किया है। कंपट्रोलर और ऑडिटर जनरल (सीएजी) की रिपोर्ट के अनुसार, सीएएमपीए फंड को वनों के संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए उपयोग में लाना था, लेकिन राज्य सरकार ने इसे गैर-स्वीकृत खर्चों पर खर्च किया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि फंड का उपयोग कोर्ट केस लड़ने और व्यक्तिगत खर्चों के लिए भी किया गया। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि 2019-2022 के बीच रु. 275.34 करोड़ का ब्याज जमा नहीं किया गया, जो कि सीएएमपीए फंड के तहत जमा किया जाना चाहिए था। हालांकि, राज्य सरकार ने इसे स्वीकार किया और जुलाई 2023 में रु. 150 करोड़ की राशि ब्याज के रूप में जमा करने का दावा किया। फिर भी एक बड़ी राशि का हिसाब नहीं दिया गया, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि सीएएमपीए फंड को वनों की हरियाली बढ़ाने के लिए ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति बी आर गवाई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मासिह की पीठ ने कहा, अगर राज्य सरकार से 19 मार्च तक संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है।

अबू आजमी को 100 प्रतिशत जेल भेजा जाएगा: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

कौमी संवाददाता

मुंबई, 5 मार्च। महाराष्ट्र विधानसभा में सपा विधायक अबू आजमी को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें 100 प्रतिशत जेल भेजा जाएगा। यह टिप्पणी सीएम फडणवीस ने विधान परिषद में की, जब उनसे विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने अबू आजमी के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल पूछा। बता दें कि, अबू आजमी को उनकी टिप्पणी के कारण विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था, जिसमें उन्होंने मुग़ल सम्राट औरंगजेब की सराहना की थी। सपा विधायक ने औरंगजेब के शासन के दौरान भारत की सीमा अफगानिस्तान और बर्मा (म्यांमार) तक पहुंचने का दावा किया था और कहा था कि उस समय भारत की जीडीपी 24 प्रतिशत थी। इसके साथ ही, उन्होंने औरंगजेब और मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे छत्रपति संभाजी महाराज के बीच संघर्ष को एक राजनीतिक संघर्ष बताया था। इस टिप्पणी के बाद, विधानसभा में अबू आजमी के खिलाफ जमकर विरोध हुआ और सत्ता पक्ष के सदस्यों ने उनकी निलंबन की मांग की। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भी कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के खिलाफ कोई भी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए और सरकार को इस तरह की टिप्पणियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। ठाकरे ने यह भी मांग की कि आजमी को विधानसभा से स्थायी रूप से निलंबित किया जाए। वहीं अबू आजमी ने अपनी विवादित टिप्पणी के बाद कहा कि उन्होंने यह बयान विधानसभा के बाहर दिया था, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया था ताकि सदन में कामकाजी माहौल बना रहे। हालांकि, उन्हें फिर भी निलंबित कर दिया गया। इस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो कोई भी छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज का अपमान करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे इस मुद्दे पर दोगला रवैया अपनाते हैं और जब एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने शिवाजी महाराज के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं, तो विपक्ष ने उस पर कोई आपत्ति नहीं उठाई थी। इसके अलावा, विधान परिषद में अभिनेता राहुल सोलापुरकर और पूर्व पत्रकार प्रशांत कोरातकर के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई, जो राष्ट्रीय प्रतीकों पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। पुलिस ने कोरातकर के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की है, जबकि सोलापुरकर पर भी शिवाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप है।

आपका मंगलसूत्र वाला बयान सच हो रहा है, महिलाएं गहने गिरवी रखने को मजबूर

नई दिल्ली, 5 मार्च। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि, आपका मंगलसूत्र वाला बयान सच साबित हो रहा है, क्योंकि देश में महिलाएं अपने गहने गिरवी रखने के लिए मजबूर हो रही हैं। बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा था कि, अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो कांग्रेस मंगलसूत्र छीन लेगी और लोगों के धन का फिर से बंटवारा करेगी। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच चार करोड़ महिलाओं ने अपना सोना गिरवी रखकर 4.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया। उन्होंने कहा कि 2024 में महिलाओं की तरफ से लिए गए कुल कर्ज में से 38 फीसदी गोल्ड लोन के जरिए लिए गए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि फरवरी 2025 में आरबीआई के आंकड़ों से पता चला कि एक साल में गोल्ड लोन में 71.3 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है। खरगे ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी जी, आपने मंगलसूत्र चोरी की बात कही थी। अब वह सच हो गई है। आपके राज में महिलाओं को अपने सोने के गहने गिरवी रखने पर मजबूर होना पड़ा है। पहले आपने नोटबंदी करके महिलाओं के स्त्री-धन को गायब कर दिया, अब महंगाई और घरेलू बचत में कमी के कारण उन्हें अपनी सबसे कीमती चीज यानी अपने आभूषण गिरवी रखने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

दिल्ली में नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लाएगी भाजपा सरकार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 5 मार्च। भाजपा के नेतृत्व में बनी नई दिल्ली सरकार राजधानी में नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लाने पर विचार कर रही है। इसमें दिल्ली में नए उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों-निवेशकों को विशेष राहत प्रदान की जा सकती है। पहले से चल रहे उद्योगों को सस्ती बिजली और सस्ता श्रम उपलब्ध कराने के उपाय करने के साथ-साथ दिल्ली की सभी 56 इंडस्ट्रियल एरिया को हर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाकर उद्यमियों को व्यापार हेतु अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य दिल्ली में रोजगार के अवसर बढ़ाना है। नए उद्योग स्थापित करने में उद्योगपतियों को अलग-अलग विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्रों सहित कई अलग-अलग विभागों से लाइसेंस लेने की आवश्यकता पड़ती है। नई रेखा गुप्ता सरकार उद्योगपतियों को किसी उद्योग से संबंधित सभी दस्तावेज एक ही विंडो पर उपलब्ध कराने के ढांचे पर विचार कर रही है। इससे उद्योगपतियों को समय से कामकाज शुरू करने में सुविधा मिलेगी और भ्रष्टाचार में कमी आएगी। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपने संकल्प पत्र में युवाओं को 50 हजार सरकारी नौकरियां दिलाने और 20 लाख स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का वादा किया था। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में युवाओं के द्वारा स्वरोजगार करने पर उन्हें विशेष आर्थिक और तकनीकी मदद देकर उन्हें एक सफल उद्यमी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। इसके माध्यम से भाजपा युवाओं से किया गया अपना सबसे बड़ा वादा निभाने का फॉर्मूला तैयार कर रही है। दिल्ली सरकार के सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े औद्योगिक सेंटर के रूप में तब्दील करने की योजना बनाई जा रही है। इसमें दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेले और एग्जिबिशन शो आयोजित कर बड़ी कंपनियों को दिल्ली में निवेश के लिए आमंत्रित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। कंपनियों को दिल्ली और आसपास के राज्यों के स्थानीय उत्पादों को इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। इससे दिल्ली के स्थानीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के उद्योगपतियों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शंघाई, न्यूयॉर्क और पेरिस की तर्ज पर विशेष बाजारों के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लेने के लिए सरकार दिल्ली के उद्योगपतियों-व्यापारियों से सलाह लेगी। इसी माह के अंत में पेश किए जाने वाले बजट में भी व्यापारियों की सलाह को केंद्र में रखकर नए प्रस्ताव पेश किए जा सकते हैं। व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली में विशेष योजनाओं को भी लागू किया जा सकता है।

'हमारी सरकार बनी तो 100% डोमिसाइल लागू करेंगे': तेजस्वी

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 5 मार्च। बिहार में राजनीतिक तापमान एक बार फिर बढ़ गया है। युवा राजद बिहार के बैनर तले पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में 'युवा चौपाल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने युवा नीति और रोजगार पर बड़े एलान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रदेश युवा अध्यक्ष राजेश यादव ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी युवा राजद बिहार शिवेंद्र कुमार तांती ने किया। कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि अगर राजद सरकार में आती है, तो प्रदेश की नौकरियों में 100त्न डोमिसाइल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। हम बिहार सरकार की नौकरियों में आवेदन शुल्क माफ करेंगे और एक महीने के अंदर युवा आयोग का गठन करेंगे। उन्होंने महिलाओं के लिए 'माई-बहन मान योजना' की भी घोषणा की, जिसके तहत बिहार की सभी माताओं और बहनों को ?2500 प्रतिमाह दिया जाएगा। साथ ही 200 यूनिट मुफ्त बिजली, दिव्यांग पेंशन और वृद्धा पेंशन को बढ़ाकर ?1500 किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार को अब एक थका हुआ मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार देश का सबसे युवा प्रदेश है, लेकिन इसे टायर्ड और रिटायर्ड मुख्यमंत्री चला रहे हैं। मुख्यमंत्री जी की हालत यह है कि उन्हें अपने मंत्रियों तक के नाम याद नहीं रहते, तो प्रदेश भगवान भरोसे चल रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है और बेरोजगारी में नंबर वन है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में बिहार की दो पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया और अगर उन्हें एक और मौका मिला, तो तीसरी पीढ़ी भी बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि 534 प्रखंडों में से 400 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है। उन्होंने कहा कि हर एक लाख छात्रों पर बिहार में सिर्फ सात कॉलेज हैं। मजबूरी में युवाओं को बाहर जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है। लेकिन जब हम सत्ता में आएंगे, तो शिक्षा और रोजगार के अवसर बिहार में ही उपलब्ध कराएंगे। तेजस्वी यादव ने सरकार को पेपर लीक, लाठीचार्ज और रोजगार संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि बिहार की युवा विरोधी सरकार लगातार परीक्षाओं में पेपर लीक करा रही है, बेरोजगार युवाओं पर लाठियां चला रही है और नौकरी के नाम पर सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब आरक्षण का दायरा 50त्न से बढ़ाकर 65त्न किया गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रद्द करवा दिया।

बंगलूरू में आरएसएस की सर्वोच्च बैठक

मुंबई, 5 मार्च। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जेपी नड्डा का कार्यकाल काफी समय पहले ही बीत चुका है और नए भाजपा अध्यक्ष के चुने जाने की प्रक्रिया चल रही है। चर्चा है कि बहुत जल्द भाजपा को एक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। इन्हीं चर्चाओं के बीच भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक (21-23 मार्च) को बंगलूरू में होना निश्चित किया गया है। इस बैठक में संघ के सर्वोच्च पदाधिकारी मोहन भागवत, दत्तात्रेय होसबोले और सभी सहयोगी संस्थाओं के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री सहित 1480 कार्यकर्ता शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा है कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की इस वर्ष की बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में संघ के पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा की जाती है। और अगले वर्ष के लिए नए लक्ष्य तय किए जाते हैं।

औरंगजेब पर टिप्पणी मसले में अबू आजमी विधानसभा से निलंबित

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 5 मार्च। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी पर बड़ी कार्रवाई की गई है। औरंगजेब से जुड़ी टिप्पणी मामले में उन्हें विधानसभा के मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया गया है। महाराष्ट्र के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन में उनके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। सदन ने प्रस्ताव को पारित कर दिया। निलंबन के बाद सपा विधायक ने कहा कि सदन चलता रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने अपना बयान वापस लेने की बात कही थी। मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा। फिर भी विवाद हो रहा है और सदन की कार्यवाही बाधित हो रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सदन चलता रहे और बजट सत्र के दौरान कुछ काम हो जाए। मैंने सदन में नहीं, बल्कि विधानसभा के बाहर दिया गया अपना बयान वापस लिया। फिर भी मुझे निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले अबू आसिम आजमी के मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ वाले बयान का मुद्दा मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों में छाया रहा था। सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' के सदस्यों ने आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने और उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की, जिसके बाद वह अपने बयान से पलट गए थे। मुंबई पुलिस ने अबू आजमी के खिलाफ मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ करने वाली टिप्पणी के मामले की जांच शुरू कर दी थी। लोकसभा में शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के की शिकायत पर पड़ोसी ठाणे में पुलिस ने कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के प्रयास के आरोप में आजमी के खिलाफ सोमवार को एफआईआर दर्ज की थी। इस बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर आजमी पर निशाना साधते हुए उन्हें देशद्रोही करार दिया था। आजमी ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा था, सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए...औरंगजेब क्रूर नहीं था। एक समाचार चैनल के साथ इंटरव्यू में सपा नेता ने कहा था, मैंने औरंगजेब के बारे में जितना पढ़ा है, उसने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया, उसका शासन बर्मा (वर्तमान म्यांमार) तक फैला हुआ था, उस समय देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि वह एक महान प्रशासक थे, उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे। इस बीच अबू ने अपनी टिप्पणी पर सफाई भी दी थी। उन्होंने लिखा, मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है। औरंगज़ेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है, जो इतिहासकरों और लेखकों ने कहा है। मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज या अन्य किसी भी महापुरषों के बारे में कोई अपमानजनक टिपण्णी नहीं की है, लेकिन फिर भी मेरी इस बात से कोई आहत हुआ है तो मैं अपने शब्द, अपना स्टेटमेंट वापस लेता हूं। इस बात को राजनितिक मुद्दा बनाया जा रहा है और इसकी वजह से महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र को बंद करना मैं समझता हूं कि यह महाराष्ट्र की जनता का नुक्सान करना है। यह ताजा विवाद मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज पर केंद्रित एक बॉलीवुड फिल्म छावा से पैदा हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेरकर ने किया है। इसमें संभाजी के जीवन, राज्याभिषेक और मुगल साम्राज्य, खासकर औरंगजेब के खिलाफ संघर्ष को दिखाया गया है। विकी कौशल ने फिल्म में संभाजी की भूमिका निभाई है, जबकि रश्मि मंदाना ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई है। फिल्म में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका निभाई है। अबू आजमी ने पहली बार औरंगजेब का समर्थन नहीं किया है, बल्कि पहले भी वह उनकी प्रशंसा करते रहे हैं। साल 2023 में उन्होंने ऐसा ही बयान दिया था, जिसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। उस समय में मुंबई के कोलाबा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

कमजोर शैक्षिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को पीएम कैसे बनाया गया ?: मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली, 5 मार्च। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री मणि शंकर अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शिक्षा को लेकर सवाल उठाए है। इस वीडियो में मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि राजीव गांधी को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में भी असफलता का सामना करना पड़ा, जबकि वहां पास होना आसान माना जाता है। इसके बाद वह इंपीरियल कॉलेज, लंदन गए, लेकिन वहां भी वह सफल नहीं हो सके। मणिशंकर अय्यर ने यह भी सवाल किया कि इतने कमजोर शैक्षिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को प्रधानमंत्री कैसे बनाया गया। हालांकि, राजीव गांधी की शैक्षिक कठिनाइयों ने उन्हें राजनीति में आने से नहीं रोका। 1984 में अपनी इंदिरा गांधी की हत्या के बाद वह भारत के प्रधानमंत्री बने थे। वहीं इस मामले पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, (अमित) मालवीय को चीजों को एडिट करने की आदत है। इसमें कितना सही है और कितना गलत, यह तो मणिशंकर ही बता सकते हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। प्रधानमंत्री के तौर पर राजीव गांधी कैसे थे? प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने किस तरह का काम किया? अगर राजीव गांधी का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा...बीजेपी वाले पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे और मैट्रिक पास हैं, लेकिन हम उन्हें उनकी पढ़ाई की वजह से नहीं देखते। हम उन्हें पीएम के तौर पर उनके काम की वजह से देखते हैं।

पाकिस्तान में हथियारबंद लोगों ने ग्वादर जिले में कई वाहनों को आग लगाकर फूंका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई वाहनों को आग लगाकर फूंक दिया। यह वारदात देररात अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ग्वादर जिले में पसनी और ओरमारा के बीच मकरान तटीय राजमार्ग-10 को अवरुद्ध करने के बाद रसोई गैस टैंकर सहित कई वाहनों में आग लगा दी गई। यह जिला बलूचिस्तान प्रांत के दक्षिण में है। इसकी सीमा दक्षिण में अरब सागर और पश्चिम में ईरान के सिस्तान से लगती है । डान अखबार के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि हथियारबंद लोगों के बड़े समूह ने सबसे पहले राजमार्ग के मकोला क्षेत्र में बैरिकेडिंग की। इसके बाद गुजरने वाले वाहनों को रोका। उन्होंने कराची से ईरान लौट रहे खाली एलपीजी टैंकरों सहित कई वाहनों को नियंत्रण लेने के बाद आग लगाकर फूंक दिया। एसएसपी (हाइवे पुलिस) हाफिज बलूच ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आग लगाकर फूंके गए वाहनों में छह एलपीजी टैंकर और एक हाइवे पुलिस का वाहन शामिल है। तीन एलपीजी टैंकर किसी काम के नहीं बचे हैं। बाकी का कुछ ढांचा सलामत है।

अमेरिका से निष्कासित दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर विमान काठमांडू पहुंचा

काठमांडू। अमेरिकी प्रशासन के अवैध आप्रवासियों के निष्कासन की नीति के तहत करीब दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर एक चार्टर्ड विमान आज सुबह 10 बजे काठमांडू के एयरपोर्ट पहुंचा। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर उतरे विमान से 25 नेपाली नागरिकों को लाया गया है। नेपाल इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के निदेशक ईश्वरी दत्त ने बताया कि काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास ने उन्हें यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि वापस आए सभी नेपाली नागरिक अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सुरक्षा प्रमुख नेपाल पुलिस के एसएसपी कृष्ण हरि पोखरेल ने बताया कि ग्रिफिन एयर का चार्टर्ड विमान जीआरपी 23 आज पहुंचा। उसमें 25 नेपाली नागरिक थे। इन सभी को इमिग्रेशन डिपार्टमेंट में लाया गया है। यह पहली बार है जब अमेरिका से निष्कासित नेपाली नागरिकों को चार्टर्ड विमान से नेपाल भेजा गया है। ट्रंप की वापसी के बाद से अब तक 50 से अधिक नेपाली नागरिकों को निष्कासित कर डिपोर्ट किया जा चुका है।

अमेरिका में स्वर्ण युग शुरू, कांग्रेस के संयुक्त सत्र में बोले ट्रंप

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय समयानुसार अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। दूसरे कार्यकाल के अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी जीत का जश्न मनाया। बोले स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। उन्होंने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों को भी गिनाया। इनमें अमेरिका की खाड़ी का नाम बदलना, ट्रांसजेंडर विचारधारा पर हमला करना, आप्रवासन पर नकेल कसना और सरकार में विविधता पहल को खत्म करना शामिल है।

द वाल स्ट्रीट जनरल की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू हुआ है। यह ऐसा कुछ होगा जो पहले कभी नहीं देखा गया है। इस दौरान रिपब्लिकन ने खड़े होकर जोरदार तालियां बजाईं। इस दौरान कुछ डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति के संबोधन में खलन डालने की कोशिश की। सार्जेंट ऑफ आर्म्स ने अल ग्रीन (डी. टेक्सास) को बाहर निकाल दिया। कुछ डेमोक्रेटिक सांसद उनका भाषण शुरू होने से पहले ही बाहर चले गए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से बिडेन-युग के कानून को रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप ने अपने शुरुआती भाषण में आव्रजन उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस से बच्चों में लिंग-संबंधी सर्जरी पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने और अपराधीकरण करने वाला विधेयक पारित करने का आह्वान किया।

नई दिल्ली 'रायसीना डायलॉग 2025' में नेपाल की विदेशमंत्री आरजू राणा होंगी शामिल

काठमांडू। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'रायसीना डायलॉग 2025' में नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा करेंगी। वह 16 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगी। इसका आयोजन भारतीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जर्बर रिसर्च फाउंडेशन कर रहा है। 17- 19 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया के कई देशों का प्रतिनिधित्व होगा।नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू ने आज बताया कि भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर सहित अन्य मंत्रियों से मुलाकात के लिए भी समय मांगा गया है। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास इसके लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने मंगलवार को भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात कर उनकी नई दिल्ली यात्रा की औपचारिक जानकारी दी है। विदेशमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद डॉ. आरजू का यह तीसरा भारत दौरा होगा। मंत्री बनने के साथ ही सितंबर 2024 में भारत पहुंचीं डॉ. आरजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेशमंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भेंट की थी। इसके बाद दिसंबर में भी वह भारत की यात्रा पर रहीं। फरवरी 2025 में मस्कट में इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात जयशंकर से हुई थी। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने वह भारत के प्रधानमंत्री को नेपाल में मई महीने में होने वाले सागरमाथा संवाद के लिए सरकार की तरफ से निमंत्रण देंगी। पहले इस कार्यक्रम में उप प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री विष्णु पौडेल का नाम भेजा गया था।

कनाडा, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका पर टैरिफ लगाते हैं, इन देशों पर लगेगा रेसिप्रोकल टैरिफः ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए एक बार फिर रेसिप्रोकल टैरिफ की बात की। उन्होंने कहा कि अब 'हाई टैरिफ' के बदले 'रेसिप्रकोल टैरिफ' लगाया जाएगा। अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कई बड़े ऐलान किए।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका पर उच्च टैरिफ लगाते हैं। उन्होंने घोषणा की कि 2 अप्रैल से इन देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाए जाएंगे, यानी जो देश अमेरिका पर टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उन देशों पर उतना ही टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा कि यह कदम अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 'निष्पक्षता और संतुलन' प्रदान करने के लिए उठाया जा रहा है।अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, 'हम पहले 1 अप्रैल से यह लागू करना चाहते थे, लेकिन 'अप्रैल फूल' के कारण इसे अब 2 अप्रैल से लागू करेंगे।' उन्होंने इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फिर से 'अमीर और महान' बनाने के लिए जरूरी कदम बताया। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ, चीन,

ब्राजील, भारत और अन्य देशों ने दशकों से अमेरिका पर अधिक टैरिफ लगाए हैं, और अब वह समय आ गया है जब अमेरिका इन देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया, 'जो देश हमसे शुल्क वसूलते हैं, हम भी उनसे वही शुल्क वसूलेंगे। भारत हमसे 100 प्रतिशत टैरिफ वसूलता है, और यह अमेरिका के लिए उचित नहीं है। यह कभी नहीं था।' उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिकी किसानों, निर्माताओं और श्रमिकों की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है, जो लंबे समय से असंतुलित व्यापार नीतियों से प्रभावित हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह बदलाव अमेरिका को पहले रखने के लिए किया जा रहा है, और अब समय आ गया है कि अमेरिका उन देशों के खिलाफ कदम उठाए जो दशकों से अमेरिका के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इससे पहले ट्रंप ने बुधवार को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए डेमोक्रेट्स की आलोचना की, जो उनकी टिप्पणियों की सराहना करने से इनकार कर रहे थे। ट्रंप ने इसे 'बहुत दुखद' बताया और कहा, 'मैं अपने सामने डेमोक्रेट्स को देखता हूं, और मुझे एहसास होता है कि मैं उन्हें खुश करने या उन्हें खड़ा करने, मुस्कुराने या ताली बजाने के लिए कुछ भी नहीं कह सकता। मैं कुछ भी नहीं कर सकता।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने बिमस्टेक सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात का समय मांगा

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में होने वाले बिमस्टेक शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अलग से बैठक करने के लिए मुलाकात का समय मांगा है। भारत में नेपाल के राजदूत डा. शंकर शर्मा ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात करके दोनों शीर्ष नेताओं की साइडलाइन मुलाकात के लिए समय देने का आग्रह किया है। इस बारे में राजदूत डॉ. शर्मा ने कहा कि बहु क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बिमस्टेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ओली और प्रधानमंत्री मोदी के बीच साइडलाइन मुलाकात के लिए आग्रह किया गया है। इसी वर्ष 2-4 अप्रैल को थाईलैंड की राजधानी में बैंकाक में बिमस्टेक का शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें भारत और नेपाल के अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, भूटान और थाईलैंड के सरकार प्रमुखों की उपस्थिति रहने वाली है। यहीं पर पहली बार भारतीय

प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश के सरकार प्रमुख मोहम्मद युनुस एक साथ एक मंच पर होंगे। वैसे ओली और मोदी के बीच सितंबर में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान साइडलाइन मुलाकात हुई थी। नेपाल के प्रधानमंत्री के अनेक प्रयासों के बावजूद भारत की तरफ से अब तक उन्हें भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण नहीं मिल पाया है।

अफगानिस्तान : 6000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की।÷ उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था। अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता। इस बीच, दक्षिणी

अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

अमेरिकी विमानवाहक पोत की दक्षिण कोरिया में एंट्री, किम की बहन ने दी वाशिंगटन को धमकी

एजेंसी

सोला। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन ने दक्षिण कोरिया में हाल ही में अमेरिकी विमानवाहक पोत के आगमन की निंदा की। उन्होंने इसे प्योंगयांग को 'धमकाने और दबाव डालने' का प्रयास बताया।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किम यो-जोंग ने यह निंदा उस समय की जब निमित्ज श्रेणी का अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन रविवार को दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में एक प्रमुख नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, किम यो-जोंग ने अमेरिका पर कोरियाई प्रायद्वीप में 'लगातार' अपनी सामरिक संपत्तियां तैनात करने का आरोप लगाया। उन्होंने यूएसएस कार्ल विंसन के दक्षिण कोरिया में प्रवेश की निंदा करते हुए इसे उत्तर कोरिया के खिलाफ वाशिंगटन की 'सबसे शत्रुतापूर्ण और टकरावपूर्ण इच्छा' बताया। किम ने अपने देश के लिए उसके आधिकारिक नाम 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' (डीपीआरके) का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'जैसा कि क्षेत्रीय सैन्य स्थिति से पता चलता है। अमेरिका और उसके सहयोगी डीपीआरके को हथियारों के बल पर धमकाने, दबाव डालने और उसे कमजोर करने की अपनी खतरनाक योजना को एक और अधिक लापरवाह तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं।' किम ने यह भी कहा कि अमेरिका की शत्रुतापूर्ण नीति उत्तर कोरिया के लिए 'परमाणु युद्ध से बचाव की क्षमता को अनिश्चितकाल तक बढ़ाने' के लिए 'पूर्ण कारण' प्रदान करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका अपने सैन्य प्रदर्शन को जारी रखता है, तो उनका देश 'रणनीतिक निवारक क्षमता का इस्तेमाल करके अपने रिकॉर्ड को नवीनीकरण करने के लिए मजबूर होगा।

किम ने यह भी कहा कि अमेरिका की शत्रुतापूर्ण नीति उत्तर कोरिया के लिए परमाणु युद्ध निवारक क्षमता को अनिश्चित काल तक बढ़ाने के लिए पर्याप्त औचित्य प्रस्तुत करती है। उन्होंने चेतावनी दी, डीपीआरके रणनीतिक स्तर पर दुश्मन की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली कार्रवाइयों को बढ़ाने के विकल्प की सावधानीपूर्वक जांच करने की योजना बना रहा है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने किम के नवीनतम बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह उत्तर कोरिया की ओर से मित्र राष्ट्रों के रक्षात्मक अभ्यासों के खिलाफ दी जाने वाली सामान्य धमकी है, जिसमें लापरवाही से दोष को विरोधी पक्ष पर डाला गया है।

ट्रंप की बात पर जेलेंस्की की सहमति, यूक्रेन ने रूस से युद्ध खत्म करने का किया अनुरोध

एजेंसी

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शांति समझौते का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन की शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं। कोई भी कभी न खत्म होने वाला युद्ध नहीं चाहता है। यूक्रेन जितनी जल्दी हो सके, शांति के लिए वार्ता करने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन के लोगों से ज्यादा कोई शांति नहीं चाहता है। मेरी टीम और मैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मजबूत नेतृत्व में एक स्थायी शांति की दिशा में काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध को समाप्त करने के लिए यूक्रेन तेजी से काम करने के लिए तैयार है। शुरुआती चरणों में कैदियों की रिहाई और मिसाइलों, लंबी दूरी के ड्रोन आदि से ऊर्जा और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे पर एयर स्ट्राइक पर रोक तथा समुद्र में

तत्काल संघर्षविराम शामिल हो सकते हैं, बशर्ते रूस भी ऐसा करे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, इसके बाद हम बहुत जल्दी अगले चरणों पर काम करना चाहते हैं और अमेरिका के साथ मिलकर एक मजबूत अंतिम समझौते पर सहमति बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका ने यूक्रेन की संप्रभुता और स्वतंत्रता बनाए रखने में जितना सहयोग किया है, उसे यूक्रेन बहुत महत्व देता है और हम उस समय को याद करते हैं जब राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन को जैवलिन मिसाइलें प्रदान की थीं। इसके लिए हम उनके आभारी हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार को वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में उनकी और ट्रंप की बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। यह अफसोस की बात है कि यह इस तरह हुआ, लेकिन अब समय आ गया है कि चीजों को सही किया जाए। हम चाहते हैं कि भविष्य में सहयोग और संवाद रचनात्मक तरीके से हो। उन्होंने कहा कि खनिज और सुरक्षा पर समझौते के बारे में यूक्रेन किसी भी समय और किसी भी सुविधाजनक प्रारूप में हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ÷हम इस समझौते को अधिक सुरक्षा और ठोस सुरक्षा गारंटी की दिशा में एक कदम के रूप में देखते हैं। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि यह प्रभावी रूप से काम करेगा।

बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में आज राजधानी ढाका समेत कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.7 दर्ज की गई। भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों- मणिपुर, असम, मेघालय एवं नगालैंड और पड़ोसी देश म्यांमार के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, राजधानी ढाका और देश के कुछ स्थानों में सुबह 11:36 बजे लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। भूकंप अवलोकन एवं अनुसंधान केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप मध्यम तीव्रता का था। बांग्ला भाषा के अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार, मौसम विज्ञान विभाग के भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के प्रभारी अधिकारी रुबैयत कबीर ने कहा कि भूकंप से नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। इसके साथ ही पिछले 10 दिन में देश के अलग-अलग हिस्सों में चार बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। विभाग की गणना के मुताबिक

2024 में देश और आसपास के इलाकों में 53 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञानियों का मानना है कि छोटे या मध्यम भूकंपों की संख्या में वृद्धि बड़े भूकंप का संकेत हैं।

यूरोप की सुरक्षा का सवाल - ईयू चीफ ने पेश किया 'रीआर्म प्लान'

एजेंसी

ब्रुसेल्स, । यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोप के रक्षा उद्योग को मजबूत करने और सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक योजना पेश की। उन्होंने कहा, हम फिर से हथियारों के युग में हैं, और यूरोप अपने रक्षा खर्च को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए तैयार है। डेर लेयेन ने कहा कि 'रीआर्म यूरोप प्लान', नाटो के साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हुए यूरोप के लिए करीब 800 बिलियन यूरो जुटा सकता है। वॉन डेर लेयेन ने अपनी योजना ऐसे समय में पश की जब वाशिंगटन ने यूक्रेन के लिए सैन्य मदद रोकने का फैसला किया। इससे कुछ दिनों पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच ओवल ऑफिस में सार्वजनिक रूप

से तीखी बहस हो गई। ब्रुसेल्स में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वॉन डेर लेयेन ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय परिषद से पहले नेताओं को एक पत्र लिखा है जिसमें रीआर्म यूरोप प्लान की रूपरेखा दी गई है। इसमें यूरोपीय संघ के सदस्य देशों को रक्षा क्षमताओं पर व्यय को शीघ्रतापूर्वक और महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में मदद करने के लिए उपलब्ध सभी वित्तीय साधनों का उपयोग करने के बारे में प्रस्तावों का एक सेट शामिल है। डेर लेयेन ने कहा, हम पुनः शस्त्रीकरण के युग में हैं और यूरोप अपने रक्षा व्यय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए तैयार है। न केवल यूक्रेन को समर्थन देने और कार्रवाई करने की मौजूदा जरूरत को पूरा करने के लिए, बल्कि अपनी यूरोपीय सुरक्षा के लिए और अधिक जिम्मेदारी लेने की दीर्घकालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए भी। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि इस रीआर्म यूरोप प्लान का पहला भाग राष्ट्रीय स्तर पर रक्षा में सार्वजनिक निधि के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, दूसरा प्रस्ताव एक नया साधन होगा। यह रक्षा निवेश के लिए सदस्य देशों को 150 बिलियन यूरो का ऋण प्रदान करेगा। यह मूल रूप से बेहतर खर्च करने और साथ मिलकर खर्च करने के बारे में है। यह सदस्य देशों की मांग को एक साथ लाने और एक साथ खरीद करने में मदद करेगा।

फिलिपींस : वायुसेना का लड़ाकू विमान लापता, तलाश जारी

एजेंसी

मनीला । फिलिपींस की वायु सेना (पीएएफ) ने कहा कि एफए-50 लड़ाकू विमान की तलाश जारी है। यह प्लेन सामरिक नाइट ऑपरेशन के दौरान मंगलवार आधी रात के बाद लापता हो गया। पीएएफ ने एक बयान में कहा,'टारगेट एरिया में पहुंचने से कुछ मिनट पहले एयरक्राफ्ट का मिशन में शामिल बाकी विमानों से संपर्क टूट गया।'

अन्य विमानों ने लापता प्लेन से दोबारा संपर्क स्थापित करने का तब तक प्रयास किया जब तक कि वे मध्य फिलीपींस के सेबू प्रांत के मैकटन में वापस नहीं आ गए। बयान में कहा गया, वायुसेना लापता फाइटर जेट का पता लगाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए व्यापक एवं गहन खोज अभियान चला रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएएफ ने कहा कि उसकी प्राथमिक चिंता जेट के चालक दल की सुरक्षित वापसी है। उन्होंने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही उन्हें और विमान को खोज लेंगे।वायुसेना की प्रवक्ता कर्नल कोनसुएलो कैस्टिलो ने कहा कि यह एफए-50एस स्क्वाड्रन से जुड़ी 'पहली बड़ी घटना' है। इसने पहले भी विवादित दक्षिण चीन सागर में अभ्यास में भाग लिया था। पिछले दशक में फिलीपींस ने दक्षिण कोरिया से एक दर्जन से अधिक ऐसे लड़ाकू विमान खरीदे हैं। कैस्टिलो ने कहा कि विमान एक तय टारगेय एरिया की तरफ उड़ रहा था। उन्होंने कहा, यह हमारे जमीनी सैनिकों के समर्थन में एक सामरिक नाइट ऑपरेशन के दौरान लापता हो गया। कैस्टिलो ने मिशन के विवरण या उसके स्थान के बारे में और अधिक जानकारी देने से परहेज किया, सिवाय इसके कि लड़ाकू विमान ने मैकटन-बेनिटो एबूएन एयर बेस से उड़ान भरी थी, जो देश के दूसरे सबसे बड़े शहर सेबू के हवाई अड्डे के साथ एक रनवे साझा करता है। प्रवक्ता ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि हम विमान और चालक दल दोनों को बचा लेंगे। हमें उम्मीद है कि वे सुरक्षित हैं।' एफए-50 विवादित दक्षिण चीन सागर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संयुक्त हवाई गश्त में शामिल रहे हैं, जहां चट्टानों और जल पर क्षेत्रीय दावों को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव कायम है।

दक्षिण कोरिया मार्शल लॉ विवाद, तीन और सैन्य कमांडर निलंबित

एजेंसी

सोल । अल्पकालिक मार्शल लॉ में कथित भूमिका के संबंध में तीन और सैन्य कमांडरों को निलंबित कर दिया गया। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि निलंबित अधिकारियों में एक स्पेशल फोर्स यूनिट के प्रमुख भी शामिल हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डिफेंस मिनिस्ट्री इन्वेस्टिगेशन हेडक्वार्टर के प्रमुख मेजर जनरल पार्क ह्योन-सू, फर्स्ट स्पेशल फोर्स एयरबोर्न ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल ली सांग-ह्यून और सेना विशेष युद्ध कमान के 707वें स्पेशल मिशन ग्रप के प्रमुख कर्नल किम ह्योन-ताए को कर्तव्यों से निलंबित किया गया।

ऑस्ट्रेलिया यूक्रेन में शांति सेना भेजने के लिए तैयार : प्रधानमंत्री अल्बानीज

एजेंसी

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बहुराष्ट्रीय शांति सेना के हिस्से के रूप में यूक्रेन में सैनिक भेजन के प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार है। यह बयान ऐसे समय में आया जब यूरोपीय देश किसी भी शांति समझौते को लागू करने के लिए इच्छुक लोगों का गठबंधन बनाने पर विचार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने जोर देकर कहा कि अभी कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है, न ही ऑस्ट्रेलिया से सैनिकों की मदद के लिए कहा गया। उन्होंने कहा, हमसे कुछ भी नहीं मांगा गया है। प्रस्तावों पर चर्चा की जा रही है। अगर कोई अनुरोध किया जाता है, तो हम उस पर विचार करेंगे।

सिडनी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा, ऑस्ट्रेलिया यूक्रेन की मदद के लिए तैयार है। हमने 1.5 बिलियन डॉलर का योगदान दिया है, जिसमें 1.3 बिलियन डॉलर

सीधे सैन्य सहायता के लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा, इस समय संभावित शांति स्थापना मिशन के बारे में चर्चा चल रही है, मेरी सरकार के दृष्टिकोण से, हम आगे बढ़ने वाले किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से शांति स्थापना के कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अल्बानीज ने कहा, हम यूक्रेन में शांति देखना चाहते हैं, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि व्लादिमीर पुतिन और उनके साम्राज्यवादी डिजाइनों को पुरस्कृत या प्रोत्साहित न किया जाए।

यूरोपीय नेता यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते को लागू करने और कीव की मदद करने के लिए इच्छुक लोगों के गठबंधन बनाने और यूक्रेन में सेना भेजने पर विचार कर रहे हैं। रूस कह चुका है कि वह जमीन पर यूरोपीय सैनिकों की मौजूदगी का विरोध करेगा। पिछले सप्ताह वाशिंगटन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच टकराव के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन के बीच दरार बढ़ने के बाद यह यूरोपीय नेता इस संबंध में गंभीरता से सोच रहे हैं।

इस बीच कई अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अब यूक्रेन को सभी सहायता तब तक रोक दी है, जब तक कि रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए ज़ेलेंस्की की प्रतिबद्धता निर्धारित नहीं हो जाती। सिडनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका द्वारा सैन्य सहायता रोकने के बारे में पूछे जाने पर जब एंथनी अल्बानीस से सवाल पूछा गया तो उन्होंने यूक्रेन के प्रति ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। उन्होंने अमेरिका को ऑस्ट्रेलिया का एक महत्वपूर्ण सहयोगी बताया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गडकरी ने हाइड्रो संचालित हैवी ट्रकों को हरी झंडी दिखाई

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में व्यावसायिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने हरित अभियान के अनुरूप हाइड्रोजन से चलने वाले भारी-भरकम ट्रकों का पहला ट्रायल शुरू किया है। इस ट्रायल को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ भी मौजूद थे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में एक ऐतिहासिक विकास में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नई दिल्ली में टाटा मोटर्स के लॉन्च किए गए हाइड्रोजन-संचालित भारी-शुल्क वाले ट्रकों के पहले परीक्षणों को हरी झंडी दिखाई। नितिन गडकरी ने इन ट्रकों के ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा, हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है, जिसमें उत्सर्जन को कम करके

और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाकर भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल भारी-भरकम ट्रकिंग में सतत गतिशीलता में बदलाव को गति प्रदान करेगी, जो हमें एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य के करीब ले जाएगी। जोशी ने कहा, भारत के सतत और शून्य-कार्बन भविष्य में बदलाव के लिए हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण ईंधन है। इस परीक्षण की शुरुआत भारत के परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने में हरित हाइड्रोजन की क्षमता को प्रदर्शित करने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का हिस्सा है, जो वैश्विक जलवायु लक्ष्यों में योगदान करते हुए नवाचार को बढ़ावा देने और भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक टाटा मोटर्स के हाइड्रोजन से चलने वाले हैवी ड्यूटी ट्रकों का परीक्षण चरण 24 महीने तक चलेगा। इसमें अलग-अलग कॉन्फिगरेशन और पेलोड क्षमता वाले 16 उन्नत हाइड्रोजन-संचालित वाहनों की तैनाती शामिल है। नए युग के हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन और ईंधन सेल तकनीकों से लैस इन ट्रकों का परीक्षण भारत के सबसे प्रमुख मालवाहक मार्गों पर किया जाएगा, जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। इन ट्रकों की परिचालन सीमा 300-500 किमी है।

दिल्ली विस अध्यक्ष ने बिरला से की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली।दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। श्री बिरला ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा, दिल्ली विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दिल्ली आवास पर भेंट की।विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ ही उन्हें कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। आशा है कि प्रदेश की विधायी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में आप पूर्ण सामर्थ्य से अपनी भूमिका निभाएंगे।

ट्रांजिट कैंप में पानी सप्लाई के लिए बनी टंकी फटी, दो घायल

नई दिल्ली। आनंद पर्वत इलाके में सोमवार तड़के ट्रांजिट कैंप में पानी सप्लाई के लिए बनी टंकी अचानक फट गई। हादसे के बाद हजारों लीटर पानी ऊंचाई से झुग्गियों पर गिर गया। घटना में एक झुग्गी में मौजूद मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। तुरंत जाहिदा बेगम (55) और इसके बेटे निजामुल शेख (32) को आरएमएल अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में निजामुलकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीडीए की टेक्निकल टीम ने घटना स्थल का दौरान किया है। बताया जा रहा है कि झुग्गियों में पानी सप्लाई के लिए स्टील की पांच हजार लीटर की एक टंकी बनी हुई थी। पानी के प्रेशर की वजह से वह गिर गई। मध्य जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 5.21 बजे ट्रांजिट कैंप में पानी की टंकी फटने की सूचना मिली थी। तुरंत पुलिस के अलावा दमकल की दो गाड़िया मौके पर पहुंच गईं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जांच के दौरान पता चला कि करीब 30 मीटर ऊंची टंकी अचानक गिर गई। टंकी का सारा पानी जाहिदा की झुग्गी पर गिरा और उसकी छत ढह गई। इसकी वजह से जाहिदा व उसके बेटे के सिर में चोट लगी। दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है। अधिकारियों का कहना है कि पानी की टंकी कैसे फटी इसकी पड़ताल की जा रही है। इस बात का भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसके निर्माण में कोई लापरवाही तो नहीं बरती गई।

ऑफिस से 6.5 लाख रुपये चुराकर भागा था नौकर, गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के नारायणा थाना पुलिस ने ऑफिस से 6.5 लाख रुपये चुराकर भागे नौकर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गोलू उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है। आरोपित नारायणा का रहने वाला

सुप्रीम कोर्ट का तेलंगाना सरकार, विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय को नोटिस

एजेंसी
नई दिल्ली ।उच्चतम न्यायालय ने दलबदल कर सत्ताधारी कांग्रेस में शामिल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला करने में देरी के मामले में तेलंगाना सरकार और विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय को नोटिस जारी कर 25 मार्च से पहले अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की पीठ ने यह आदेश पारित करते हुए सवाल किया कि क्या विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने तक यह जारी रहना चाहिए। क्या लोकतंत्र में यह स्थिति विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने तक जारी रहनी चाहिए। पीठ ने पीठ ने सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए तीन बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने के मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय के नवंबर 2024 के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करते हुए पूछा, 'अयोग्यता याचिका पर फैसला करने के लिए उचित अवधि कार्यकाल समाप्त होने के बाद होनी चाहिए।' पीठ ने आगे पूछा, 'लोकतांत्रिक सिद्धांतों का

क्या हुआ' जबकि दूसरी याचिका बाकी सात विधायकों के भी दलबदल से संबंधित थी।

पीठ ने प्रतिवादियों में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी से पूछा कि वह अदालत को बताएं कि विधानसभा अध्यक्ष को मामले पर फैसला करने के लिए समय सीमा क्या है। फिर अदालत मामले पर फैसला नहीं करेगी। पीठ ने कहा, 'हर मामले में ऑपरेशन सफल और मरीज की मौत नहीं हो सकती। मैं किसी चीज का जिक्र नहीं कर रहा हूं।'

वरिष्ठ अधिवक्ता सी ए सुंदरम याचिकाकर्ताओं के लिए पेश हुए। उन्होंने कुछ प्रतिवादियों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी के बारे में कहा कि उन्होंने ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि वे जवाब दाखिल नहीं करने जा रहे हैं। श्री सुंदरम ने पीठ के समक्ष कहा, ?तीन तथ्य स्वीकार किए जाते हैं कि अयोग्यता आवेदन मार्च और अप्रैल 2023 में दायर किए गए थे, जहां तक ??रिट याचिका के अन्य विषय का सवाल है, इसे जून-जुलाई 2024 में दायर किया गया था। एक साल से अधिक समय बीत चुका है, और कुछ नहीं हुआ है।' इस पर पीठ ने कहा कि उन्हें (प्रतिवादियों) मामले में जवाब दाखिल करने दें। वरिष्ठ अधिवक्ता सुंदरम ने प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह दिए जाने का विरोध किया और जोर देकर कहा कि वे मामले में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह देरी करने का एक और तरीका है। पीठ ने कहा कि सिंघवी और रोहतगी ने कहा कि मामले में कोई औपचारिक नोटिस नहीं था, इसलिए प्रतिवादी जवाब दाखिल नहीं कर सकते। इस पर पीठ ने कहा, ›इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपत्ति अति तकनीकी है। हालांकि, हम नहीं चाहते कि बाद में कोई आपत्ति उठाई जाए कि याचिकाओं पर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना फैसला किया गया। पीठ ने याद दिलाया कि पिछली सुनवाई में उसने रोहतगी से पूछा था कि क्या विधानसभा अध्यक्ष वो समयसीमा बताएंगे, जिसके भीतर मामले पर फैसला किया जाएगा ताकि अदालत कोई आदेश पारित करने से बच सके। पीठ ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार, विधानसभा अध्यक्ष के अधिकारी, तेलंगाना विधानसभा सचिव, चुनाव आयोग और दलबदलू विधायकों से अगली सुनवाई की तारीख 25 मार्च से पहले जवाब मांगा।

महिला सम्मान योजना को लेकर भाजपा से सवाल पूछने की बजाया 10 साल के भ्रष्टाचार पर जवाब दें 'आप' नेताः सचदेवा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा के पांच दिन के सत्र के दौरान सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्लीवालों के खून पसीने की कमाई को बर्बाद करने का काम किया है।

श्री यादव ने कहा कि दोनों दलों के टकराव के कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई और विधानसभा के पटल पर शराब घोटाले और स्वास्थ्य संबंधी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट रखने के बाद भी भाजपा सरकार आप सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ अभी तक कोई निर्णायक कदम नहीं उठा सकी है। उन्होंने कहा कि अधिकतर समय दोनों पार्टियों की नूरा कूश्ती में निकल गया। दिल्ली की जनता के हित और विकास के लिए कोई भी निर्णय लेने में दिल्ली सरकार पूरी तरह नाकाम साबित रही है।

सत्ता के नशे में चूर भगवंत मान, किसानों को धमका रहे हैं : कांग्रेस

एजेंसी
नई दिल्ली।कांग्रेस ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सत्ता के नशे में चूर होने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं लेकिन आम आदमी पार्टी किसान विरोधी है, इसलिए [illegible] बयान को उद्धृत करते हुए आज कहा, किसान-रेल और सड़क रोककर नुकसान कर रहे हैं। पंजाब धरने वाला स्टेट बनता जा रहा है। मेरी नरमाई को कमजोरी न समझी जाए। मैं एक्शन ले सकता हूं।- ये [illegible]

NAME CHANGE
I, RAKESH YADAV S/o RAM SUMER YADAV residing at 220, Pocket -5, Jain Sweet, Sector -2, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed the name of my minor Son SHORYA YADAV alias SHOURYA YADAV aged 12 years and he shall hereafter be known as SHOURYA YADAV.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAGHVIRI W/o LATE PHOOL SINGH R/o H.No.-43, Near Animal Hospital, Village Aterna, Aterna (44), Sonipat Haryana - 131023 declare that name of mine has been wrongly written as RAGHBIRO DEVI in my Husband PPO No. 6680/1/2/NDMC. The actual name of mine is RAGHVIRI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, CHANDER KUMAR S/O KASHI SINGH R/O B-40, DOUBLE STOREY, MOTIA KHAN, PAHAR GANJ, DELHI - 110055, I have changed my name from CHANDRA KUMAR TO CHANDER KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SONALI MISHRA alias SONALI SHARMA D/o CHANDRA SHEKHAR MISHRA W/o AMIT KUMAR residing at D-289, Inder Enclave Phase-2, Near Murti Devi Public School, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Sultanpuri C Block, Delhi – 110086 have changed my name and shall hereafter be known as SONALI MISHRA.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHIVANAND GUPTA S/O MOTI CHAND R/O 697, GROUND FLOOR BABA FARID PURI, PATEL NAGAR WEST CENTRAL DELHI-110008 declare that name of mine has been wrongly written as SHIVA NAND in my minor son namely ROHIT aged 17 year in his 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is SHIVANAND GUPTA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SALVEEN KAUR D/o URPREET KAUR, residing at C-72, Jail Road, Fateh Nagar, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi - 110018, declare that name of mine has been wrongly written as SAVLEEN in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine is SAVLEEN KAUR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAM TIWARI S/O ANMOL TIWARI R/O C-81, Plot-52, First Floor, Ganesh Nagar, Paudi Gurudwara, Tilak Nagar, PO Tilak Nagar, Dist. West Delhi, Delhi-110018 declare that the name of mine, my father, and my mother have been wrongly written as RAM, ANMOL, and MALTI in my 10th-class educational documents. The actual names of mine, my father, and my mother are RAM TIWARI, ANMOL TIWARI, and MALTI TIWARI, respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, G kannan S/O Gandhi R/O G-11/11-12 First Floor, Sector 15 Rohini, Near bala ji mandir, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi-110089,declare that name of mine has been wrongly written as Gandhi Kannan in my Pan card no AKLPG2746A.The actual name of mine is G kannan,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KAMLESH KUMAR S/o B R PRASAD residing at Flat 100, C & D Block, Near Haiderpur Metro, SFS DDA Flats, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed the name of my minor Daughter RUHI REHANSHI alias TRISHI aged 16 years and She shall hereafter be known as RUHI REHANSHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I KRISHNA KANT S/O SURESH PRASAD YADAV R/O QTR. NO-2155, Lodhi Road Complex, Near Jawahar Lal Nehru Stadium, New Delhi-110003 and Permanent R/O Shankarpur Gaon ITC Factory Road, Kalapather Road Near Jagdamba Asthan Shankarpur Tehsil Monghyr Bihar-811202 declare that the name of my minor daughter has been wrongly written as JAY SHRUTI in my minor daughter namely JAI SHRUTI aged 10 years in her school record. The actual name of my minor daughter is JAI SHRUTI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I No.4481260P Hav Pargat singh is husband of Inderjeet kaur presently residing at VPO Sultan wind Teh Amritsar Distt Amritsar State Punjab Pin 143001 have changed my wife name from Inderjit kaur to Inderjeet kaur for all future purposes. This is for my service documents.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री करण सिंह पुत्र श्री रामफल सिंह, भारत नगर, गाँव खोड़ा परगना लोनी तहसील जिला गाजियाबाद में स्थित खसरा संख्या 17 में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट संख्या 53 ए के मालिक हैं, जिसे श्री शिव नंदन सिंह पुत्र श्री रुस्तम सिंह ने श्री करण सिंह पुत्र श्री के पक्ष में निष्पादित किया है। रामफल सिंह द्वारा खसरा संख्या 17, दस्तावेज संख्या 6461 खंड संख्या 13892 एसआरओ-II गाजियाबाद में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले पी प्लॉट संख्या 53 ए के संबंध में। खसरा संख्या 17, दस्तावेज संख्या 6461 खंड संख्या 13892 एसआरओ-II गाजियाबाद में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले पी प्लॉट संख्या 53 ए के संबंध में श्री करण सिंह पुत्र श्री रामफल सिंह के पक्ष में श्री शिव नंदन सिंह पुत्र श्री रुस्तम सिंह द्वारा निष्पादित बिक्री विलेख दिनांक 25/05/2019 का अंतिम पृष्ठ गायब है। 10/10/2021 को खो गया, जिसकी विधिवत पुलिस स्टेशन पी.एस. को रिपोर्ट की गई। अपराध शाखा, दिल्ली एलआर संख्या 2633849/2025 पुलिस शिकायत दिनांक 03/03/2025 के अनुसार यदि किसी को यह मिलता है तो वह इसे नीचे हस्ताक्षरकर्ता को वापस कर सकता है और यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है तो यह उसके अपने जोखिम पर होगा। मेरा मुवक्किल अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को गिरवी रखने का इरादा रखता है। यदि किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या किसी के पास संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है तो वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 5/3/2025
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ankit Yadav** is purchasing Plot No. 891, area measuring 65 Sq. Yds. out of Khasra No. 1058 min. Situated at Sanjay Colony, Village Arthla, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad from Mr. Indra Kumar Chawla who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 11.02.2008 and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Ltd. (Formerly known as Shriram Housing Finance Ltd.)** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 10 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Sh. Pratap Singh Gautam & Smt. Neeraj** who are the owner of **Land area measuring 100 sq. yds. out of Khata No. 00071, Khasra No. 293min. situated in village Ilhabans Pargana & Tehsil Dadri Distt. Gautam Budh Nagar U.P.** vide Sale Deed dated 04.07.2022 registered as Doc No. 4362 and intend to get the financial assistance from **Piramal Capital & Housing Finance Limited.** That Original Sale Deed dated 26.10.2015 is lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

LOST AND FOUND
It is notified for the information that my B.Sc. Degree and Marksheet from Jawaharlal Nehru University, Delhi. Certification Examination B.Sc. Dec 1999 (Roll No. NDA/97/203) of year 1999 issued by Jawaharlal Nehru University has been lost and not traceable. Name of the candidate RAVI ZACHARIAH, Full Address: 254, OFFICERS ENCLAVE, DK PART-II, OPPOSITE APS, DHAULA KUAN, VANDEMATARAM MARG, NEW DELHI-110010, if anyone find it, please contact me Mob No -9414880079.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mr. Sandeep Sehgal and Mrs. Anita Sharma** are in possession of Flat no. G-1 (Front Side), covered area 960 Sq. Ft and Flat no. G-2, covered area 660.69 Sq. Ft., both on Ground Floor without roof right "said flat", Total covered area 1620.69 Sq. Ft., Plot no. A-42, situated at Sector - 12, Residential Colony Ramprastha, Hadbast Village Maha Rajpur, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad. He is in Possesion through Regd. GPA dated 09.11.2021 as Doc. No. 5094 executed by Mr. Jitesh Khanna in favour of Mr. Sandeep Sehgal in respect of Flat no. G-1, on Ground Floor (Front Side) without roof right, covered area 960 Sq. Ft. through and Gift Deed dated 10.12.2024 as Doc. No. 14618 executed by Mr. Parmod Kumar in favour of Mrs. Anita Sharma in respect of Said Plot. **Mr. Sandeep Sehgal and Mrs. Anita Sharma** intends to transfer the ownership of above-mentioned flats by way of Sale Deed to **Pradeep Kumar Jain.** Subsequently, **Pradeep Kumar Jain** is in the process of mortgaging the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants)
at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि **श्री दिनेश गुप्ता** प्लाट नं. 114, मु. 137, किला नं. 2,3,4,9 क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, वाका मौजा सीही (तिरखा कॉलोनी) तहसील बल्लभगढ़ जिला फरीदाबाद हरियाणा में स्थित विक्रय विलेख के माध्यम से दिनांक 29.08.2023 दस्तावेज़ संख्या 4233 के रूप में श्रीमती रामवती द्वारा श्री दिनेश गुप्ता के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित किया गया।
श्री दिनेश गुप्ता उक्त **हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड** को गिरवी रखने की प्रक्रिया में हैं। इस लेनदेन के संबंध में कोई भी आपत्ति या चिंता इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से 07 दिनों की अवधि के भीतर उठाई जानी चाहिए। इस 07 दिन की अवधि के पूरा होने के बाद प्रस्तुत की गई कोई भी आपत्ति उक्त संपत्ति या हमारे ग्राहक के हितों के संबंध में बाध्यकारी नहीं मानी जाएगी। यदि कोई आपत्ति उठाना चाहता है, तो कृपया निर्धारित 07-दिवसीय अवधि के भीतर कार्यालय संख्या में
लॉ वेरिटासः नॉर्थ (एडवोकेट्स एंड लीगल कंसल्टेंट्स) से संपर्क करें कार्यालय क्रमांक 11, पहली मंजिल, इमारत नं ए-44/ए, सेक्टर-16, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301; लैंडलाइन + 910120- 3101683; ई-मेल: accounts@lvnorth.in

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती खुशबू पत्नी श्री अशोक कुमार 31.78 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या X/3105 की मालिक हैं। यानी खसरा नंबर 243 में से 38 वर्ग गज, गली नंबर 4 रघुबरपुरा नंबर 2 गांधी नगर दिल्ली-110031 की आबादी में ग्राम सीलमपुर के क्षेत्र में स्थित है। गिफ्ट डीड दिनांक 28.01.2019 के आधार पर, दस्तावेज़ संख्या के रूप में। 631 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 1740 में पृष्ठ संख्या 54-63 एसआर- IV-बी विवेक विहार पर, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण डीसीबी बैंक लिमिटेड, शाखा- करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I AAS MOHAMMADSAIFI S/O MOHAMMAD ISHAQ R/O A-11 GALI NO-2 CHAND BAGH DELHI-110094 HAVE CHANGED NAME TO AAS MOHAMMAD.

NAME CHANGE
I, ARCHANA Wife of No. 14648433H Rank-HAV Name-MANOJ KUMAR YADAV Presently residing at VILL-BIRANA, PO-AMARA, TEH-SAKALDIHA, DIST-CHANDAULI, UTTAR PRADESH-232105 have changed my name from ARCHANA to ARCHANA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MUKESH GUPTA, S/O RAM GOPAL GUPTA, R/O E145, KALKA JI, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO MUKESH KUMAR GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Lokendar Sharma S/O Santosh Kumar Sharma R/O 19/16-A, Krishna VIhar, Pala Sahibabad,Aligarh Uttar Pradesh-202001 have changed my name to Lokendra Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Akanksha Bansal D/O Chandra Kant Thakur W/O Nishit Bansal R/O 111-B, Pocket-4, Mayur Vihar Phase-1, Metro Station, East Delhi-110091 have changed my name to Akanksha Thakur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAHADEVI M BOMBRI Mother of No. 2616126N Rank-NK Name-LAXMIKANT MALLIKARJUN BOMBRI Presently residing at URUBINHATTI, URABINAHATTI, PACHHAPUR, BELGAUM, KARNATAKA-591122, have changed my name from MAHADEVI M BOMBRI to MAHADEVI MALLIKARJUN BOMBRI for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SARA BEGAM Mother of Rank-SUB Name-MOHAMMAD SHAFI MALIK residing at VILL-MANTRIGAM, PO-MANTRIGAM, TEHSIL & DIST-BANDIPORE, JAMMU AND KASHMIR-193502, have changed my name from SARA BEGAM to SARA BAGUM for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as G S Rekhi alias Gursharan Singh Rekhi S/O: Avtar Singh Rekhi,R/O House NO -M-22, Ground Floor, Rajouri Garden, Tagore Garden, , West Delhi, Delhi-110027,have changed my name and shall hereafter be known as Gursharan Singh Rekhi .

NAME CHANGE
I, SIDHARTH THERAJA S/O YASH PAL THAREJA R/O B-102,1ST FLOOR, BESTECH PARK VIEW SPA NEXT, SECTOR-67, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO SIDHARTH GAUTAM THERAJA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, BRAHM DEO SINGH Father of No. JC-391723Y Rank-NB SUB Name-SAROJ KUMAR Presently residing at VILL-JITWADEEH, PO-ATIMI, TEH+DIST-BUXAR, BIHAR-802129, have changed my name from BRAHM DEO SINGH to BRAHAM DEV SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHAILI S/o DAYANAND VERMA R/o Prashant Vihar, Agraula, Ghaziabad, Loni, Uttar Pradesh -201102 have changed my name and shall hereafter be known as VIVEK.

NAME CHANGE
I, Rakesh Yadav S/o Ram Sumer Yadav residing at 220,Pocket -5 ,Jain Sweet, Sector -2 ,Rohini ,North West Delhi,Delhi 110085 have changed the name of my minor Son Shorya Yadav alias Shourya Yadav aged 12 years and he shall hereafter be known as Shourya Yadav.

PUBLIC NOTICE
THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENT SMT. RAJ KUMARI C/O SH. RAJLI, R/O HOUSE NO. 274-A, BLOCK-L-EXTENSION MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059 HEREBY DISINHERIT HER SON (SH. PAPPU SINGH) & DAUGHTER-IN-LAW (SMT. NEHA) FROM ALL HER PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF HER DAUGHTER-IN-LAW'S BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIOR. THE SAID PERSON WOULD THEREFORE, BE NO LONGER SON AND DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENT. THE SAID PERSON (SON) WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENT AFTER THE DEATH OF MY CLIENT. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY QUARREL, CRIMINAL/CIVIL CASE, OR OTHER ACTS OF THEM OR FOR ANY DEBTS INCURRED BY THEM.
JAI SINGH YADAV Advocate
Ch. No. 628, Lawyer's Chamber Block Dwarka Court Complex, New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती कुसम लता पत्नी स्व0 श्याम सुंदर निवासी 341, डीडीए फ्लैट, संजय एन्क्लेव, जहांगीर पुरी, एन0एसमंडी उत्तर पश्चिमी, नई दिल्ली 110033 ने अपनी पुत्री पुजा उर्फ गायत्री और दूसरी पुत्री प्रेम लता पत्नी श्री कुलदीप गुप्ता को अपनी चल व अचल सम्पति से उनके द्वारा गलत व्यवहार के कारण, उसकी अन्य गलत गतिविधियों, गलत चालचलन के कारण व् मेरे मुवक्किल के नियंत्रण के बाहर होने के कारण, अपनी सारी चल व् अचल सम्पति से बेदखल कर रही हूं मेरा मुवक्किल किसी भी प्रकार की हानि या लेने देन का कोई भी जिम्मेदार नहीं होगा।
Verkha Verma Advocate
Ch. No 559, Dwarka Court Complex, Sector 10, New Delhi 110075

NAME CHANGE
I NASEEMA BAGUM W/o Saeed ahmad R/o B-66 Gali no-1 Bhagirathi Vihar delhi-110094 Have changed my name to Fatima Begum

NAME CHANGE
I, No-15420774K Rank-HAV Name-NEERAJ KUMAR NEMA residing at H. No-58/1, NEAR SHARDA CYCLE MART, STATION GANJ, NARSINGHPUR, MADHYA PRADESH-487001, have change my father's name from NARESH CHAND NEMA to NARESH CHANDRA NEMA for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SIMRIN CHADHA W/o MANKARAN SINGH R/o HOUSE NO-42, OLD NO-550, LANE NO. W-23, SAINIK FARM, SOUTH DELHI, DELHI-110062, have changed my name from SIMRIN CHADHA to SIMRIN KAUR SACHDEVA for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I SUJAL KUMAR S/O NARESH KUMAR R/O A-42-A, GROUND FLOOR, GURU GOVIND SINGH KUNJ TAGORE GARDEN EXTN. NEAR CENTRAL SCHOOL TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027, declare that name of mine has been wrongly written as SUJAL KUMAR MADIA in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is SUJAL KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I RIYA PAL D/O LOKESH KUMAR R/O 123/6, 1000E, LOHIA GALI NO-4, EAST BABARPUR SHAHDARA, S O: DISTRICT EAST DELHI, DELHI-110032, declare that name of my mother and father has been wrongly written as SHOBHA PAL and LOKESH PAL in 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother and father are SHOBHA RANI and LOKESH KUMAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JC-442332Y, Rank-NB/SUB Name-MUTHUKKANI M Father of SRIVIDYA Presently residing at 2/180, WEST STREET, KARUPPANOOTHU (VILLAGE), NORTH ACHAMPATTI (PO), SANKARANKOVIL (TALUK), TIRUNELVELI (DISTRICT), TAMIL NADU-627951 have changed my minor daughter's name from SRIVIDYA to SRIVIDYA M for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MATHAVAN Son of JC-442332Y, Rank-NB/SUB Name-MUTHUKKANI M Presently residing at 2/180, WEST STREET, KARUPPANOOTHU (VILLAGE), NORTH ACHAMPATTI (PO), SANKARANKOVIL (TALUK), TIRUNELVELI (DISTRICT), TAMIL NADU-627951, have changed my name from MATHAVAN to MATHAVAN M for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ELIZEPETH RANI Wife of JC-442332Y, Rank-NB/SUB Name- MUTHUKKANI M Presently residing at 2/180, WEST STREET, KARUPPANOOTHU (VILLAGE), NORTH ACHAMPATTI (PO), SANKARANKOVIL (TALUK), TIRUNELVELI (DISTRICT), TAMIL NADU-627951 have changed my name from ELIZEPETH RANI to ELIZABETHRANI M for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक उर्फ नोनू पुत्र श्री जय करन निवासी मकान नंबर 15, गली नंबर 15, सेवा धाम रोड, कृष्णा विहार, फेस II, लोनी, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 244/2018, U/S 392/397/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना भजन पुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ नोनू,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ नोनू,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 244/2018, U/S 392/397/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना भजन पुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ नोनू,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.04.2025** को **सुबह 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री अतुल अहलावत
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
कमरा नं. 31
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2539/NE/2025 (Court Matter)

विकसित भारत युवा संसद के लिए 9 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

गुरुग्राम। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार व जिला उपायुक्त अजय कुमार के निर्देशानुसार युवाओं के पास विकसित भारत युवा संसद में प्रतिभागिता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में योगदान देने का सुनहरा अवसर है। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी नवीन गुलिया ने बताया कि गुरुग्राम नोडल जिला के तहत गुरुग्राम, रेवाड़ी व फरीदाबाद के 18 से 25 आयु वर्ग के युवा माय भारत पोर्टल पर जाकर विकसित भारत युवा संसद जिला गुरुग्राम इवेंट के तहत विकसित भारत के उनके लिए मायने विषय पर एक मिनट का वीडियो अपलोड कर सकते हैं। नवीन गुलिया ने बताया कि आवेदन के उपरांत जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी के द्वारा चयनित 150 प्रतिभागियों को जिला स्तर की विकसित भारत युवा संसद में प्रतिभागिता करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। जिला स्तर से चयनित 10 युवा राज्य स्तर युवा संसद के लिए भेजे जाएंगे व राज्य स्तर से तीन चयनित युवा राष्ट्रीय स्तर की विकसित भारत युवा संसद में मंच पर अपने विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि माय भारत पोर्टल के जरिए अपना वीडियो अपलोड करने की अंतिम तिथि 9 मार्च है। जिला स्तरीय युवा संसद का विषय एक देश एक चुनाव विकसित भारत के लिए मार्ग प्रशस्त करना रहेगा। कार्यक्रम से संबंधित अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए नेहरू युवा केंद्र के जिला कार्यालय अथवा के.आर मंगलम विश्वविद्यालय गुरुग्राम में संपर्क कर सकते हैं।

क्षेत्र की किसी भी गौशाला में किसी भी तरह की कमी नहीं रहने दी जाएगी: जिला प्रमुख राकेश यादव

कनीना। कनीना के निकटवर्ती ग्राम धनुंदा में स्थित श्री बाबा दयाल गौशाला में बनी चारदीवारी का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी व महेंद्रगढ़ के जिला प्रमुख डा. राकेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके एएसए एस बोर्ड के पूर्व मेंबर देवेंद्र यादव, अजीत पार्षद, गौशाला प्रधान पूर्ण सिंह तंवर, समाजसेवी सरपंच बलवान सिंह आर्य, कनीना ब्लॉक समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश यादव, सुरेश सरपंच झाड़ली, नरेंद्र शास्त्री, सुखबीर, छतरोली गांव के सरपंच बलवंत सिंह आर्य, राजेंद्र नंबरदार, घनश्याम सिंह, कृष्णा पंडित, ठाकुर नरेंद्र सिंह, हरचंदा, सुनील कुमार व झाड़ली गांव के सरपंच के अलावा अन्य क्षेत्र के लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए डा. राकेश ने कहा क्षेत्र में विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हम पुरजोर कोशिश कर रहे हैं और क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग से विकास कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा 1 वर्ष पहले में इस गौशाला में आया था तब क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा बाबा दयाल गौशाला की चारदीवारी बनाने के लिए मुझसे मांग की गई थी। जिसको मैंने बिना देरी किए पूरा करने का कार्य किया है और आज मेरे ही द्वारा इसका उद्घाटन किया जा रहा है जो मुझे बड़ी खुशी हो रही है, क्योंकि गौ माता की सेवा ही भगवान की सच्ची सेवा है।

हकेंवि में रक्तदान शिविर आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा सक्षम भारती फाउंडेशन के सहयोग से रक्तदान शिवर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। प्रो. सुनील कुमार ने रक्त दान शिविर की सराहना करते हुए कहा इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व का बोध कराती हैं। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक एवं शिविर के समन्वयक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह शिविर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार तो है ही साथ ही इसके माध्यम से किसी जरूरतमंद की जान की को भी बचा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव व डॉ. हिना यादव ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर में 94 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। सक्षम भारती फाउंडेशन के अधिकारियों ने कहा कि विश्वविद्यालय में रक्तदान के लिए विद्यार्थियों के उत्साह को देखते हुए हम भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन करते रहेंगे।

अधिकारों के प्रति सजग हों महिलाएं : सांसद रेखा शर्मा

हिसार। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं द्वारा अपने जीवन से संबंधित स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पर आधारित है। समाज पर मुसीबत आने पर नारी अपने रूप को बदलती है और हर परिस्थिति में डटकर खड़ी होती है।राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा एचएयू के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का आयोजन एचएयू के आईसी सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, जम्भ शक्ति ट्रस्ट एवं नारी नारायणी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 101 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने की, जबकि संयोजन की भूमिका नारी नारायणी फाउंडेशन की अध्यक्षा पूनम नागपाल और जम्भ शक्ति ट्रस्ट के चेयरमैन विकास गोदारा ने निभाई।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर एडीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

गरीबों की छत पर लगेंगे 2 किलो वाट तक के सोलर सिस्टम

एजेंसी

नारनौल । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से गरीब लोगों का आर्थिक उत्थान होगा। यह सरकार की फ्लैगशिप योजना है। ऐसे में अधिकारी अधिक से अधिक नागरिकों को इस योजना में आवेदन करने के लिए प्रेरित करें। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने आज लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक में दिए।

एडीसी ने कहा कि इस योजना से गरीबों को न केवल बिजली के बिल में राहत मिलेगी बल्कि अगर वे बिजली का कम इस्तेमाल करेंगे तो उनकी कमाई भी होगी।

एडीसी ने बताया कि हरियाणा एवं केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना निशुल्क सौर ऊर्जा का एक बेहतरीन अवसर है। इस योजना से न केवल बिजली की बचत होगी बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यावरण का संरक्षण होगा। एडीसी ने बताया कि इस योजना से हर महीने सौर ऊर्जा से 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। इस योजना में गरीब परिवारों के लिए लगभग 100 फीसदी सब्सिडी के साथ सौर पैनल पूरी तरह

से मुफ्त में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2 किलो वाट का सोलर सिस्टम लगवाने पर लगभग 1.20 लाख से लेकर 1.30 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। यह राशि पहले जमा करवानी होगी । सोलर सिस्टम लगने के बाद सरकार की ओर से उसी खाते में सब्सिडी डाल दी जाएगी। इस योजना के लिए बैंक लोन भी उपलब्ध है। इस मौके पर मौजूद वेंडर्स से भी उन्होंने सुझाव मांगे।

एडीसी ने बताया कि योजना के तहत पंजीकरण करवाने के लिए ऑफिसियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 155555 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए लाभार्थी के पास कानूनी रूप से अपना मकान और उपयुक्त छत होनी चाहिए। साथ ही बिजली का वैध कनेक्शन होना चाहिए। इसके अलावा लाभार्थी को इससे पहले किसी सरकारी सौर सब्सिडी का लाभ नहीं लिया हुआ होना चाहिए।

एडीसी ने बताया कि 1.80 लाख रुपए से नीचे की वार्षिक आय के लाभार्थियों को 2 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर 60 हजार रुपए तक की सब्सिडी केंद्र सरकार की ओर से तथा 50 हजार की अतिरिक्त सब्सिडी हरियाणा सरकार की ओर से दी जाएगी।

इसके अलावा एडीसी ने बताया कि 1.80 लाख से तीन लाख तक की वार्षिक आय के लाभार्थियों को 2 किलो वाट तक के सोलर सिस्टम पर 60 हजार की सब्सिडी केंद्र सरकार की ओर से दी जाएगी जबकि 20 हजार रुपए की सब्सिडी हरियाणा सरकार की ओर से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 3 लाख से अधिक आय वाले उपभोक्ताओं को 2 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम के लिए 78000 तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह योजना ग्रामीण तथा शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए है। इस बैठक में बिजली निगम के एसई जोगिंदर हुड्डा तथा डीडीपीओ हरि प्रकाश बंसल के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रधान पद के प्रत्याशी वोटिंग प्रतिशत देखकर जीत हार के कयास लगाने किए शुरू

एजेंसी

नारनौल। अटेली नगर पालिका चुनाव के बाद अब प्रधान पद के प्रत्याशी वोटिंग परसेंटेज देखकर जीत हार का समीकरण लगा रहे हैं। विभिन्न वार्डों से खड़े उम्मीदवार भी इसी गणित में उलझे हुए हैं। वहीं दूसरी ओर प्रशासन ईवीएम की सुरक्षा व अन्य इंतजाम में लगा हुआ है। प्रधान पद के चारों प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत तय मान रहे हैं। इनके यहां लोगों का भी आना-जाना लगा हुआ है। अटेली नगर पालिका में दो मार्च को चुनाव थे। चुनाव के बाद अब आगामी 12 मार्च को मतों की गणना होगी। अटेली में प्रधान पद के लिए चार प्रत्याशी मुख्य रूप से मुकाबले में थे। चुनाव समाप्त होने के बाद यहां पर मुख्य मुकाबला संजय गोयल व भूपेश गुप्ता में माना जा रहा है। कस्बा वासियों के अनुसार इन दोनों में ही जीत हार होगी। वहीं दोनों में कांटे की टक्कर मानी जा रही है। इसके अलावा कई वार्डों में भी कांटे की टक्कर बनी हुई है। जिसके चलते सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत का गणित लगा रहे हैं। अटेली-कनीना नगर पालिका चुनाव मतदान के बाद सभी ईवीएम को स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दिया गया। एसपी पूजा वशिष्ठ ने आज अटेली स्ट्रॉन्ग रूम का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने स्ट्रॉन्ग रूम का दौरा का सुरक्षा व्यवस्था जांची और ड्यूटी पर तैनात जवानों को आवश्यक निर्देश दिए। उनके द्वारा बाहरी और भीतरी सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में जिला पुलिस बल के आईआरबी की टीम को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा को लेकर विशेष सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम को कैमरों से लैस किया गया है। एसपी ने बताया कि स्ट्रॉन्ग रूम्स की सुरक्षा के लिए संबंधित डीएसपी को नियुक्त किया गया है। इनकी सहायता के लिए निरीक्षकों की तैनाती की गई है। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए संबंधित थाना प्रबंधक को गश्त के निर्देश दिए गए हैं।

स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में जिला पुलिस बल के आईआरबी की टीम को तैनात किया गया है।

नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपी ने कसी कमर

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने दूसरे दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने परीक्षाओं को नकल रहित और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से महेंद्रगढ़ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आज दूसरी दिन भी औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो।

पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वारों, परीक्षा कक्षों और आसपास के क्षेत्रों का भी गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों और पर्यवेक्षकों से भी बातचीत की और उन्हें परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस प्रशासन परीक्षाओं को नकल रहित और शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे बिना किसी अनुचित साधन का उपयोग किए परीक्षाओं में भाग लें और अपनी मेहनत और योग्यता पर विश्वास रखें। पुलिस अधीक्षक ने

यह भी कहा कि यदि किसी भी परीक्षा केंद्र पर नकल या किसी अन्य प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक के इस औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी हो गई है।

परीक्षा केंद्रों पर पुलिस का कड़ा पहरा:

हरियाणा बोर्ड की परीक्षाओं की निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए महेंद्रगढ़ जिले में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर पुलिस का कड़ा पहरा लगाया है। यह कदम छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने और उन्हें एक समान अवसर प्रदान करने के लिए उठाया गया है। जिले में प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस कर्मी परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए डीएसपी, एसएचओ और पेट्रोलिंग पार्टी परीक्षा के दौरान लगातार गश्त कर रही हैं। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध है।

छात्रों और अभिभावकों से अपील:

महेंद्रगढ़ पुलिस प्रशासन की छात्रों व अभिभावकों से अपील है कि छात्र परीक्षाओं में ईमानदारी से भाग लें और अभिभावक छात्रों को नकल न करने के लिए प्रोत्साहित करें।

किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

गुरुग्राम जिला में 8 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

एजेंसी

- दोनों पक्षों के आपसी राजीनामे से होगा मामलों का निपटारा

गुरुग्राम। अदालत में लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 8 मार्च को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

वादकारी लोक अदालत में सुलह समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 8 मार्च को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई प्रकरण न्यायालय में लंबित है तो वह लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है।

जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने बोर्ड की परीक्षाओं के मद्देनजर जारी किए आदेश

एजेंसी

नूंह। जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-16(1) और 17(11) के तहत विभिन्न अधिकारियों के हरियाणा शिक्षा बोर्ड, भिवानी की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश अनुसार सभी अधिकारी ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में 29 मार्च तक आयोजित होने वाली परीक्षाओं के लिए निम्नलिखित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान तैनात रहेंगे। फिरोजपुर झिरका-1 (बी-1) राजकीय सीनियर सैंकड़ी स्कूल व फिरोजपुर झिरका-8 राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के लिए दिवेक यादव को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। फिरोजपुर-झिरका-10 भारतीय विद्या निकेतन हाई स्कूल, फिरोजपुर-झिरका-11 जैन पब्लिक सीनियर सैंकड़ी स्कूल के लिए बलविंदर सिंह, नायब तहसीलदार फिरोजपुर-झिरका, वली मौहम्मद जेई पब्लिक हैल्थ, करहेड़ा सैनी शिक्षा निकेतन सीनियर सैंकड़ी स्कूल के लिए कृषि विभाग के एसडीईओ फिरोजपुर-झिरका सतबीर सिंह, मांडीखेड़ा राजकीय सीनियर सैंकड़ी के लिए सुनील कुमार बीएओ फिरोजपुर-झिरका के डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी एसडीएम फिरोजपुर-झिरका लक्ष्मी नारायण, डीएसपी अजायब सिंह तथा एसएचओ पुलिस स्टेशन फिरोजपुर-झिरका को नियुक्त किया है। नूंह-1 व नूंह-2 (बी-1 व 2) चौधरी मौहम्मद यासीन मेव डिग्री सीनियर सैंकड़ी स्कूल नूंह के लिए कार्यकारी अभियंता मेवात जल को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। नूंह -3 राजकीय कन्या सीनियर सैंकड़ी स्कूल पीछे हिंदु सीनियर सैंकड़ी स्कूल नूंह के लिए ईओ एमसी नूंह अरुण नंदल, नूंह-4 (बी-1) हिंदु सीनियर सैंकड़ी स्कूल , नूंह-5 (बी-2) हिंदु सीनियर सैंकड़ी स्कूल नूंह के लिए एमसी नूंह के कार्यकारी अभियंता सुमित, नूंह-7 ग्रीन फिल्ड हाई स्कूल नजदीक रेस्ट हाउस, नूंह राजकीय सीनियर सैंकड़ी स्कूल खेड़ा के लिए जनस्वास्थ्य कार्यकारी अभियंता प्रदीप सिंह, नूंह-13 माउंटेन अरावली पब्लिक स्कूल नजदीक बीएसएनएल कार्यालय के लिए कार्यकारी अभियंता पंचायती राज योगेश शर्मा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है, तथा नोडल अधिकारी सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत, सहायक पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, एसएचओ पुलिस स्टेशन सीटी नूंह को नियुक्त किया गया है।

लोगों की शिकायतों का 15 दिन में करें निपटारा: सीपी विकास अरोड़ा

पुलिस आयुक्त ने ली डीसीपी, एसीपी, एसएचओ व चौकी प्रभारियों अहम बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने जिला के सभी डीसीपी, एसीपी, एसएचओ व चौकी प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने नए कानूनों के तहत पुलिस कार्यशैली को अधिक प्रभावी, तीव्र व सटीक बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने यह भी कहा कि प्रत्येक शिकायतकर्ता को शिकायत प्राप्ति रसीद जरूर दी जाए। 15 दिनों में शिकायतों का निपटारा किया जाए। बिना वजह शिकायत या केस को लंबित रखा गया तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। थानों में की गई पुलिस कार्यवाही का ऑडिट करने के भी उन्होंने आदेश दिए। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत से अधिक पुलिस कर्मचारी गवाही के लिए व जेल से 71 प्रतिशत अपराधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश हो रहे हैं। भविष्य में इसे बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि समय की बचत हो। सीपी ने तय समय के बाद डीजे बजाने वालों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा

ने मुख्य अपराधों, लम्बित केसों व जिले में होने वाली मुख्य घटनाओं के संबंध में चर्चा करते हुए वाहन चोरी व सेंधमारी की घटनाओं की रोकथाम के लिए सफल/प्रभावी कार्यवाही करने के सख्त आदेश दिए। उन्होंने नए कानूनों के अनुसार पुलिस कार्यवाही में आने वाली परेशानियों के बारे में जानकारी ली। उनका निवारण किया गया। आरोपियों व पुलिस कर्मचारियों की न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली गवाहियों की भी समीक्षा की। इसको भविष्य में प्रभावी तरीके से संचालित करने के आदेश दिए। पुलिस में झूठी शिकायत करने वालों व पुलिस को झूठी सूचना देने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम तथा आम जन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी ज्यादा रखें।

पुलिस आयुक्त ने महिलाओं व बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों का मूल्यांकन करके सख्त आदेश दिए कि इन अपराधों में त्वरित कार्यवाही करें। किसी भी कारण से महिला व बच्चों से सम्बंधित अपराधों को शिकायतों/केसों को लम्बित ना रखें। बैठक में जानकारी दी गई कि पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के चलते गत वर्ष की तुलना में स्नेचिंग की वारदातों में 36 प्रतिशत की कमी, लूट की वारदातों में 40 प्रतिशत की कमी, बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में 60 प्रतिशत की कमी, वाहन चोरी में 5 प्रतिशत की कमी, सेंधमारी की वारदातों में 2 प्रतिशत की कमी घातक दुर्घटनाओं में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

हरियाणा में बदली जाएंगी बिजली की पुरानी व कम लोड वाली तारें

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा है कि प्रदेश भर में बिजली आपूर्ति करने वाली पुरानी तारों तथा कम लोड वाली तारों को बदला जाएगा। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। चंडीगढ़ में प्री बजट बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विज ने कहा कि अब लगातार लोगों के घरों में लोड बढ़ रहा है जबकि पुरानी तारों की लोड लेने की कैपेसिटी कम है और जहां भी तारों की लोड लेने की कैपेसिटी कम है, उन तारों को बदला जाएगा।

इसी प्रकार से राज्य में जितने भी पुराने ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं उनको बदलने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं क्योंकि कम पावर के ट्रांसफार्मर बार-बार खराब होते हैं और इससे बिजली बाधित होती है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। विज ने बताया कि उन्हें प्री-बजट बैठक में यमुनानगर में शुरू होने जा रहे 800 मैगावाट थर्मल प्लांट योजना को मुद्दा उठाया है। इस परियोजनाओं के लिए फंड हमेशा उपलब्ध रहने चाहिए ताकि परियोजना लगातार चलती रहे। परिवहन विभाग के संबंध में विज ने बताया कि एनसीआर से वापस मंगवाई गई बसें काफी पुरानी हो चुकी हैं और ऐसी पुरानी बसों को बदला जाएगा। इसी तरह से कई स्थानों पर बस अड्डों की हालत ठीक नहीं है, उन्हें भी ठीक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से गुरुग्राम का बस स्टैंड एक मैदान की तरह है और वहां से बसें चलाई जा रही हैं, वहां पर केवल शेड लगे हुए हैं।

भिवानी में स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना से युवा एथलीटों को मिलेंगी आधुनिक खेल सुविधाएं : किरण चौधरी

भिवानी जिला खिलाड़ियों का हब: राज्यसभा सांसद किरण चौधरी

एजेंसी

भिवानी। राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी ने भिवानी में चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय से संबद्ध एक खेल महाविद्यालय की स्थापना के केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया को एक और पत्र लिखकर आग्रह किया है कि भिवानी में एक खेल महाविद्यालय की स्थापना की जाए। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय खेल मंत्री को बताया को बताया कि हरियाणा में विशेष रूप से भिवानी में एक खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि यदि इस स्तर पर विश्वविद्यालय संभव नहीं है, तो भिवानी में एक खेल महाविद्यालय की स्थापना की।जाए जो चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय से विधिवत संबद्ध हो। राज्यसभा सांसद ने बताया कि हरियाणा ने खेलों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कुश्ती, मुक्केबाजी, कबड्डी, हॉकी और एथलेटिक्स में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन तैयार किए हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। हमारे पास बेहतरीन खेल प्रतिभाएं हैं जिन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है, इसलिए यह जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।।राज्य में वर्तमान में केवल एक प्रमुख खेल संस्थान राई (सोनीपत) में है। भिवानी में स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना से युवा एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण, शिक्षा और आधुनिक खेल सुविधाएं प्रदान करके इस अंतर को पाटने में

PUBLIC NOTICE

It is general information that I, VICKUNJ BAREJJA S/o CHANDER PARKASH BAREJA, R/o House No. 204, Sector-19, Near Rama Krishna Mandir, Faridabad-121002, Haryana declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIKUNJ BAREJA and CHANDER PRAKASH BAREJA in my 10th and 12th Class Educational documents. The actual name of mine and my father are VICKUNJ BAREJJA and CHANDER PARKASH BAREJA, which may be amended accordingly.

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल देंगे विद्यार्थियों को डिग्रियां: अभय चौटाला

एजेंसी

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव चौ. अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ओढां स्थित माता हरकी देवी कॉलेज में दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे एवं विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करेंगे। उसके बाद वे सिरसा स्थित जेसीडी विद्यापीठ में पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में बनाए जाने वाले संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे। वे डबवाली रोड स्थित अपने आवास पर मीडिया से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सिरसा में चलने वाले विभिन्न कॉलेजों की जानकारी दी तो उन्होंने स्वयं इन कॉलेजों में आने और वहां चलाए जा रहे विभिन्न महत्वपूर्ण कोर्सिज के सिलसिले में जानकारी लेने में रुचि दिखाते हुए उनका न्योता स्वीकार किया था। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल व पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को जब जब भी शासन में आने का अवसर मिला, तब तब उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम किए। ग्रामीणांचल की बेटियों को उच्च शिक्षा मिले, इसके लिए उन्होंने ओढां में माता हरकी देवी कॉलेज की स्थापना की। इसी तर्ज पर उन्होंने सिरसा में जेसीडी विद्यापीठ की स्थापना की जिसमें प्रदेशभर के हजारों विद्यार्थी विभिन्न कोर्सिज में भाग लेकर अपना भविष्य स्वर्णिम बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश सरकार ने सभी विधायकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं जिसमें उनकी पार्टी के विधायकों की ओर से सुझाव दिए गए हैं कि राजनीतिक व्यवस्था से ऊपर उठकर सभी विधायकों को विकास के लिए दी जाने वाली पांच करोड़ की राशि को बढ़ाकर दस करोड़ किया जाए तथा पंजाब के विधायकों को मिल रही बेहतर सुविधाएं भी जनहित में हरियाणा के विधायकों को मिलनी चाहिए। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि ओलावृष्टि के मुआवजे के लिए सरकार का पोर्टल 24 घंटे खुला रहना चाहिए।

न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। ऑफिस स्पेस मैनेज करने वाली कंपनी न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस के शेयरों ने कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। कंपनी के शेयर 234 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 46.80 रुपये यानी 20 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 187.20 रुपये के भाव पर हुई। हालांकि, लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर टूट कर 177.90 रुपये के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। इस खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 196.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस रिकवरी के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 37.45 रुपये यानी 16 प्रतिशत का नुकसान हो गया।न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस का 31.70 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

नई दिल्ली। ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर दबाव बना हुआ है। इसकी वजह से आज क्रूड ऑयल 3 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 70.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 68 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 67.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बताया जा रहा है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है।

दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के बारे में चेताया

नयी दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए उन्नत समाधान और नीतियों को लागू करके दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि जालसाज दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के लिए विभिन्न हथकंडे अपना रहे हैं। ऐसे मामले देखे गए हैं जहाँ बदमाश धोखाधड़ी, ठगी या पहचान के ज़रिए नागरिकों को बल्क एसएमएस भेजने के लिए सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड या एसएमएस हेडर जैसे अन्य दूरसंचार पहचानकर्ता हासिल कर लेते हैं। यह भी देखा गया है कि कुछ लोग अपने नाम पर सिम कार्ड खरीदते हैं और उन्हें इस्तेमाल करने के लिए दूसरों को दे देते हैं। कई बार जिस व्यक्ति को सिम दिया जाता है, वह इसका दुरुपयोग करके साइबर धोखाधड़ी करता है, जिससे मूल उपयोगकर्ता भी अपराधी बन जाता है। यह भी देखा गया है कि कुछ मामलों में फर्जी दस्तावेजों, धोखाधड़ी, ठगी या पहचान के आधार पर सिम कार्ड खरीदे जा रहे हैं। यह दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत अपराध है। कई बार यह पाया गया है कि बिक्री केन्द्र ऐसी खरीद को सुगम बनाने में शामिल रहा है, जो अपराध को बढ़ावा देने के समान है। ऐसे मामले देखे गए हैं, जहां बदमाश कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) जैसे दूरसंचार पहचानकर्ताओं को संशोधित करते हैं, जिन्हें आमतौर पर मोबाइल ऐप जैसे विभिन्न माध्यमों से फोन नंबर के रूप में संदर्भित किया जाता है। अन्य दूरसंचार पहचानकर्ता जो किसी उपयोगकर्ता या डिवाइस को विशिष्ट रूप से परिभाषित करते हैं, जैसे आईपी एड्रेस, आईएमईआई (मोबाइल हैंडसेट पहचानकर्ता), एसएमएस हेडर को भी धोखाधड़ी संदेश भेजने के लिए छेड़छाड़ की जाती है।

सुजलॉन ने जिंदल रिन्यूएबल्स के साथ अपने सबसे बड़े सीएंडआई ऑर्डर को 204.75 मेगावाट तक बढ़ाया

कोलकाता। सुजलॉन ने जिंदल रिन्यूएबल्स की सहायक कंपनी जिंदल ग्रीन विंड 1 प्राइवेट लिमिटेड से 204.75 मेगावाट का तीसरा ऑर्डर प्राप्त किया है, जिससे भारत में कम कार्बन स्टील क्रांति को और गति मिलेगी। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी अब सुजलॉन का सबसे बड़ा वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) ऑर्डर बन गई है, जिसकी कुल क्षमता 907.20 मेगावाट तक पहुंच गई है। इससे पहले सुजलॉन ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जिंदल स्टील के संयंत्रों को बिजली आपूर्ति के लिए दो ऑर्डर प्राप्त किए थे, जिनकी कुल क्षमता 702.45 मेगावाट थी। वर्तमान में, सीएंडआई ग्राहक सुजलॉन की कुल ऑर्डर बुक का 59 प्रतिशत हिस्सा हैं, जिससे कंपनी का ऑर्डर बुक अब रिकॉर्ड 5.9 गीगावाट तक पहुंच गया है, जो कंपनी के इतिहास में सबसे अधिक है। इस नए ऑर्डर के तहत सुजलॉन 65 अत्याधुनिक एस144 विंड टर्बाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) की आपूर्ति करेगा, जिनमें हाइब्रिड लैटिस टावर्स (एचएलटी) होंगे और प्रत्येक की क्षमता 3.15 मेगावाट होगी।

टैरिफ वॉर की आशंका से सहमा शेयर बाजार, लगातार 10वें दिन निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। टैरिफ वॉर तेज होने की आशंका के कारण घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर गिरावट के साथ बंद हुआ?। निफ्टी ने आज लगातार 10वें कारोबारी दिन लाल निशान में अपने कारोबार का अंत किया। सेंसेक्स आज 73 हजार अंक के स्तर से नीचे फिसल कर बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के विपरीत स्मॉल और मिडकैप शेयरों में खरीदारी होती रही। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से दिन भर शेयर बाजार की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस तथा एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही।

इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी, ऑटोमोबाइल, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही।

इंडेक्स शेयरों में बिकवाली होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण बाजार की कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 384.97 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 384.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 96 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,086 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,217 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,740 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 129 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में आज 2,639 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,573 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,066 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बेलराइज इंडस्ट्रीज को 2,150 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 2,150 करोड़ रुपये जुटाने की है। बेलराइज इंडस्ट्रीज ने 19 नवंबर, 2024 को सेबी के पास अपना आईपीओ लाने के लिए कागजात दाखिल किए थे। पूंजी बाजार नियामक के मुताबिक बेलराइज इंडस्ट्रीज को आईपीओ के जरिए 2,150 करोड़ रुपये जुटाने के लिए मंजूरी मिल गई है। कंपनी का 5 प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 2,150 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू है, जिसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का प्रस्ताव नहीं है। कंपनी के मुताबिक वह इश्यू से प्राप्त धनराशि के एक हिस?से का उपयोग कर्ज के भुगतान के लिए 1,618 करोड़ रुपये करने का इरादा रखती है। पुणे स्थित ऑटोमोटिव कंपोनेंट कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों और कृषि वाहनों के लिए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रणालियों और अन्य इंजीनियरिंग समाधानों की विविध रेंज पेश करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में मेटल चेसिस सिस्टम, पॉलीमर कंपोनेंट, सस्पेंशन सिस्टम, बॉडी-इन-व्हाइट कंपोनेंट और एग्जॉस्ट सिस्टम आदि शामिल है। कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में बजाज ऑटो लिमिटेड, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, जगुआर लैंड रोवर लिमिटेड और रॉयल एनफील्ड मोटर्स लिमिटेड जैसे प्रमुख बहुराष्ट्रीय ओईएम शामिल हैं।

सरकार नियामकीय बोझ कम करने, देश को निर्यात अनुकूल बनाने के लिए उठा रही कदमः वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार नियामकीय बोझ को कम करने के साथ राज-काज के स्तर पर भरोसा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ भारत को निर्यात अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कदम उठा रही है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार विश्वास आधारित शासन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है।

वित्त मंत्री ने 'नियामक, निवेश और कारोबार में आसानी (ईओडीबी) सुधार' विषय पर बजट के बाद वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार विनियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा 100 से ज्यादा प्रावधानों को अपराधमुक्त करने के लिए जन विश्वास विधेयक 2.0 पेश करने की तैयारी में है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बजट घोषणाओं के माध्यम से हम भारत को एक निर्बाध और निर्यात-अनुकूल अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में कई कदम उठा रहे हैं, जहां व्यवसाय नवाचार और विस्तार पर काम करने के लिए स्वतंत्र हैं, न कि कागजी कार्रवाई और दंड पर। बजट के बाद वेबिनार को संबोधित

करते हुए उन्होंने कहा कि अनावश्यक नियामकीय बाधाओं से मुक्त एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र घरेलू और विदेशी दोनों निवेश को आकर्षित करेगा, आर्थिक वृद्धि को गति देगा और भारत को एक भरोसेमंद वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकास के इंजन के रूप में एमएसएमई', 'विनिर्माण, निर्यात और परमाणु ऊर्जा मिशन' और 'विनियामक, निवेश और व्यापार करने में आसानी सुधार पर आयोजित बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित किया। इन वेबिनार में विभिन्न सरकारी विभागों, नियामकों, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया, ताकि बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रयासों को सरेखित किया जा सके।

स्टॉक मार्केट की गिरावट से अछूता रहा प्राइमरी मार्केट, जनवरी-फरवरी में हुआ रिकॉर्ड फंड कलेक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार के लिए मौजूदा साल के पहले 2 महीने अच्छे नहीं रहे हैं। इन दोनों महीनों के दौरान शेयर बाजार को बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, प्राइमरी मार्केट यानी आईपीओ मार्केट के लिहाज से साल 2025 की शुरुआत शानदार रही है। जनवरी और फरवरी के दौरान प्राइमरी मार्केट में रिकॉर्ड फंड कलेक्शन हुआ। इस दौरान मेनबोर्ड सेगमेंट की 9 बडी कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 15,723 करोड़ रुपये जुटाए। जनवरी और फरवरी के दौरान एसएमई सेगमेंट की 40 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 1,804 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल 2024 में इसी अवधि में यानी जनवरी और फरवरी के दौरान मेनबोर्ड की 16 बड़ी कंपनियां ने आईपीओ के जरिए 10,763 करोड़ रुपये इकट्ठा किए थे। एसएमई सेगमेंट की 34 कंपनियों ने 1,140 करोड़ रुपये जुटाए थे। अगर साल 2023 की बात की जाए, तो शुरुआती दो महीने में मेनबोर्ड सेगमेंट की किसी भी कंपनी का आईपीओ लॉन्च नहीं हुआ था। दूसरी ओर, एसएमई सेगमेंट की 21

कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 340 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

माना जा रहा है कि इस साल सेकेंडरी मार्केट में गिरावट आने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सेकेंडरी मार्केट की तुलना में प्राइमरी मार्केट में अधिक दिलचस्पी दिखाई है, जिसकी वजह से जनवरी और फरवरी के महीने के दौरान प्राइमरी मार्केट में रिकॉर्ड फंड कलेक्शन हुआ है। जनवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने प्राइमरी मार्केट में 44.90 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जबकि फरवरी के महीने में प्राइमरी मार्केट में उनका निवेश 82.5 करोड डॉलर का रहा है। प्राइमरी मार्केट की विपरीत अगर सेकेंडरी मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों के कारोबारी आंकड़ों पर नजर डालें, तो जनवरी में एफआईआई ने सेकेंडरी मार्केट में 9 अरब डॉलर की बिकवाली की। इसी तरह फरवरी में उन्होंने करीब चार अरब डॉलर के शेयर बेच डाले।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में आज 720 रुपये से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में आज मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक

राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रिकांत पिट्टी 2025-26 के लिए सीआईआई-दिल्ली के चेयरमैन नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। ईजमाईट्रिप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी को 2025-26 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) दिल्ली राज्य का चेयरमैन बनाया गया है। देश के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म में से एक ईजमाईट्रिप ने बताया कि सीआईआई के इतिहास में पहली बार किसी यूनिकॉर्न कंपनी के सह-संस्थापक को सीआईआई दिल्ली राज्य का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सीआईआई दिल्ली के चेयरमैन के तौर पर रिकांत कारोबार विकास, डिजिटल बदलाव और उद्योग-सरकार सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।रिकांत पिट्टी ने कहा, ''मेरा लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को वैश्विक व्यापार और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें प्रौद्योगिकी, स्थिरता और उद्योग सहयोग का लाभ उठाकर नए अवसरों को खोलना है। मैं नीति-निर्माताओं और व्यापार जगत के लोगों के साथ मिलकर काम करने के

लिए उत्सुक हूं, ताकि एक ऐसा भविष्य बनाया जा सके जो गतिशील, समावेशी और विकास और परिवर्तन से प्रेरित हो।''

श्रीनाथ पेपर ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। पेपर प्रोडक्ट सप्लाई करने वाली कंपनी श्रीनाथ पेपर के शेयरों ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 44 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 8.80 रुपये यानी 20 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 35.20 रुपये के भाव पर हुई।

आईपीओ निवेशकों को उस समय और झटका लगा, जब लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली के दबाव में ये शेयर टूट कर 33.44 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। श्रीनाथ पेपर का 23.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 फरवरी के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ रिटेल इन्वेस्टर्स के दम पर ओवरऑल 1.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.18 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 53.10 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की बढ़ी हुई जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 1.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 4.38 करोड़ रुपये और 2023-24 में 4.39 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 9 महीने यानी अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 2.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस अवधि में कंपनी 78.62 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में एएमसीएच में क्षमता विस्तार की आधारशिला रखी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) परिसर के भीतर विकसित होने वाले 37 बिस्तरों वाले रोगी देखभाल केबिन सुविधा ब्लॉक की आधारशिला रखी। ये चार मंजिला सुविधा केंद्र 8.89 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया जाएगा। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि रोगियों के लिए उन्नत चिकित्सा देखभाल के साथ एएमसीएच परिसर के भीतर विकसित होने वाले 37 बिस्तरों वाले ये केबिन चार मंजिलों में मौजूद होंगे। इसके लागत में ऑयल इंडिया लिमिटेड अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में भागीदार होगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में जबरदस्त

बदलाव आया है, जिसने इसे समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए प्रभावी बना दिया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य भारत, देश के स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य को किफायती, सुलभ और विश्वस्तरीय रूप में बदल रहा है। विकसित भारत की शुरुआत स्वस्थ भारत से होती है। हम देश के हर नागरिक के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता महत्वपूर्ण है।

ईकार्ट ने आइकिया से की साझेदारी

कोलकाता। ईकार्ट ने अपने भोजन डिलीवरी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आइकिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि इस सहयोग के तहत आइकिया की वेबसाइट से ऑर्डर किए गए उत्पाद ग्राहकों के दरवाजे तक आसानी से पहुंचाए जाएंगे।ईकार्ट उत्तर भारत में आइकिया के सात हजार से अधिक फर्नीचर, होम डेकोर और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की डिलीवरी को सुव्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके तहत बड़े आकार के पार्सल की कुशल सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। ईकार्ट की मजबूत लॉजिस्टिक्स क्षमताएं आइकिया को 24 घंटे के भीतर अधिकांश ऑर्डर पूरे करने में सक्षम बनाएंगी, जिससे परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी। ईकार्ट अपनी अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स सेवाओं के जरिए 99 प्रतिशत से अधिक प्री-पेड शिपमेंट सफलता दर के साथ उद्योग में नई ऊंचाइयां छू रहा है, जिससे ग्राहक संतुष्टि में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। आइकिया इंडिया के हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में लॉन्च किए गए फुलफिलमेंट हब के जरिए ईकार्ट डिलीवरी की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अलावा, रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा ग्राहकों को उनके ऑर्डर पर बेहतर दृश्यता प्रदान करेगी, जिससे एक निर्बाध डिलीवरी अनुभव सुनिश्चित होगा। ईकार्ट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मणि भूषण ने कहा, यह साझेदारी हमारी आपूर्ति श्रृंखला समाधानों की क्षमता को दर्शाती है।

2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती हैः केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वर्ष 2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 02 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार और लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है। वहीं वैश्विक स्तर की बात करें तो यह सर्कुलर अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक उत्पादन कर सकती है। भूपेंद्र यादव जयपुर में चल रहे भारत और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्कुलर अर्थव्यवस्था 250 साल पहले हुई औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार में सबसे बड़े परिवर्तनों को सामने लाएगी और उत्पादन तथा उपभोग के अब तक चले आ रहे पारंपरिक मॉडल टेक, मेक, वेस्ट में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत वर्ष 2026 में विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के आयोजन के लिए उम्मीदवार है। उन्होंने कहा कि हर साल, विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का आयोजन किया जाता है और इस वर्ष, 2025 में इसका आयोजन ब्राजील के साओ पाउलो में किया जा रहा है।

भारत ने विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026 की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। 2030 और उससे आगे की ओर देखते हुए, इस फोरम को वास्तविक परिवर्तन लाना चाहिए। यादव ने कहा कि भारत प्लास्टिक अपशिष्ट चुनौतियों और उनके संबंधित पारिस्थितिक

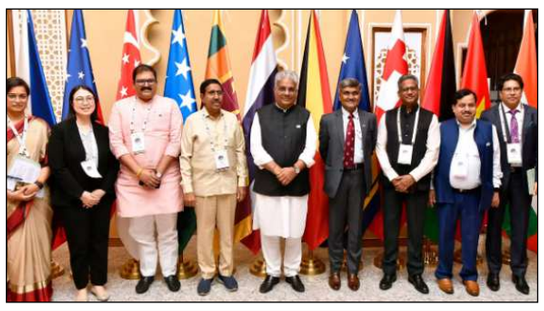

प्रभावों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम (2016) के जरिए नगरपालिका, औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को लक्षित करते हुए महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। भारत ने 2022 में अधिसूचना के माध्यम से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की कुछ श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इसके साथ ही मिशन 'लाइफ' पहल के साथ जुड़ते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओएफईसीसी) ने ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को बढ़ावा देते हुए पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए इको-मार्क नियम लागू किए है। केंद्रीय मंत्री यादव ने बताया कि 10 अपशिष्ट श्रेणियों के लिए सर्कुलर इकोनॉमी एक्शन प्लान को अंतिम रूप दिया गया है, जिसके लिए विनियामक और कार्यान्वयन रूपरेखा पर काम चल रहा है। यादव ने कहा कि देश में एक मजबूत रीसाइक्लिंग उ?द्योग तेजी से विकसित हो रहा है जो अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एल्युमिनियम फॉयल या बटर पेपर... किसमें खाना पैक करना है ज्यादा सेफ जानिए

खाना पैक करने या गर्म करने के लिए अक्सर लोग एल्युमिनियम फॉयल और बटर पेपर का इस्तेमाल करते हैं. दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान है. लेकिन दोनों में से कौन सा ज्यादा सेफ है चलिए जानते हैं.

हम में से ज्यादातर लोग खाने को पैक करने या स्टोर करने के लिए एल्युमिनियम फॉयल और बटर पेपर का इस्तेमाल करते हैं. खासतौर पर टिफिन पैक करने, बेकिंग करने या फूड स्टोरेज के लिए ये दोनों ही चीजें बेहद काम आती हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इनमें से कौन ज्यादा सेफ और हेल्दी ऑप्शन है? क्या एल्युमिनियम फॉयल का अधिक इस्तेमाल सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है? या फिर बटर पेपर ज्यादा बेहतर ऑप्शन है?

आजकल हेल्थ और फूड सेफ्टी को लेकर लोग पहले से ज्यादा सतर्क हो गए हैं. ऐसे में ये जानना जरूरी हो जाता है कि रोजाना इस्तेमाल किए जाने वाले फूड पैकिंग मटेरियल्स हमारे हेल्थ पर क्या असर डालते हैं. तो आइए जानते हैं कि एल्युमिनियम फॉयल और बटर पेपर में से कौन-सा ऑप्शन ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद है.

एल्युमिनियम फॉयल के फायदों और नुकसान

एल्युमिनियम फॉयल के फायदे- ये फूड को लंबे समय तक गर्म रखता है. इसमें लपेटा गया खाना जल्दी खराब नहीं होता. साथ ही ये ज्यादा तापमान सहन कर सकता है, इसलिए इसे बेकिंग और ग्रिलिंग में भी इस्तेमाल किया जाता है.

एल्युमिनियम फॉयल के नुकसान- ज्यादा गर्म खाने या एसिडिक फूड (जैसे टमाटर, नींबू, इमली आदि) को इसमें लपेटने से एल्युमिनियम के कण खाने में मिल सकते हैं. रिसर्च के मुताबिक, शरीर में ज्यादा एल्युमिनियम जाने से न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (जैसे अल्जाइमर) और हड्डियों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. माइक्रोवेव में एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि ये चिनगारी पैदा कर सकता है.

बटर पेपर कितना सेफ और हेल्दी?

बटर पेपर के फायदे- ये पूरी तरह से नॉन-स्टिकी होता है, जिससे खाना इससे चिपकता नहीं. ये तेल और नमी को सोखने में मदद करता है, जिससे खाना ज्यादा ताजा रहता है. साथ ही बेकिंग और फूड रैपिंग के लिए ये एक सेफ ऑप्शन माना जाता है. ये केमिकल-फ्री होता है और खाने में किसी भी तरह की हार्मफुल मेटल नहीं छोड़ता.

बटर पेपर के नुकसान- ये एल्युमिनियम फॉयल जितनी अच्छी इंसुलेशन नहीं देता, इसलिए खाना ज्यादा देर तक गर्म नहीं रहता. साथ ही बहुत ज्यादा तापमान सहन नहीं कर सकता, खासकर अगर ये वैक्स-कोटेड हो.

कौन-सा ऑप्शन बेहतर है?

अगर आपको खाना ज्यादा देर तक गर्म रखना है, तो एल्युमिनियम फॉयल एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है, लेकिन इसे एसिडिक और बहुत गर्म फूड के साथ इस्तेमाल करने से बचें. वहीं, अगर आप ज्यादा हेल्दी और सेफ ऑप्शन चाहते हैं, तो बटर पेपर बेहतर रहेगा, खासतौर पर बेकिंग और फूड रैपिंग के लिए. रोजाना के खाने के लिए बटर पेपर ज्यादा हेल्दी चॉइस है, जबकि एल्युमिनियम फॉयल को लिमिट में इस्तेमाल करना चाहिए.

विपक्षी इंडिया गठबंधन देश के लोगों को कैसे निराश कर रहा है

इंडिया ब्लॉक से लोकसभा चुनाव और उसके बाद के राज्य विधानसभा चुनाव परिणामों से उचित सबक लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसके बजाय, इंडिया ब्लॉक के घटक उन राज्यों में सार्वजनिक रूप से झगड़े में लगे रहे, जहां लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद उनका प्रदर्शन खराब रहा।

लोकतांत्रिक अधिकार कार्यकर्ता जगदीप एस. छोकर ने समाचार पोर्टल द वायर में अपने हालिया लेख में दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद वर्तमान चरण में भारतीय राजनीति की स्थिति पर अपने चार निष्कर्षों का उल्लेख किया है। उनके चार निष्कर्ष हैं- पहला, भाजपा भारत में विपक्ष-मुक्त राजनीतिक परिदृश्य को लगभग प्राप्त कर रही है; दूसरा, ऐसा लगता है कि यह विपक्षी दलों को खत्म करके और संस्थागत कब्जे से हासिल किया गया है; तीसरा, विपक्षी दलों ने देश और उसके लोगों को निराश किया है; और चौथा, भारत के लोगों ने देश को निराश किया है।हालांकि, श्री छोकर के निष्कर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासन के विश्लेषण पर आधारित है, लेकिन वे अपने अंतिम निष्कर्ष बिंदु पर सही नहीं थे कि भारत के लोगों ने भाजपा को सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में चुनकर देश को विफल कर दिया है। उनका बिंदु बी आर अंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद की टिप्पणियों पर आधारित था, जिन्होंने संविधान के लिए काम करने वाले लोगों को चुनने वाले लोगों के महत्व को रेखांकित किया था। चूंकि भारत के मतदाताओं ने उस पार्टी को शासन करने के लिए चुना है जो संविधान को कमजोर कर रही है, इसलिए उन्होंने देश को विफल कर दिया है। श्री छोकर 2025 में भारतीय राजनीति का आकलन करने में बहुत अधिक निराशावाद दिखा रहे हैं।वास्तव में भारत के लोगों ने देश को विफल नहीं किया है। वे अभी भी सतर्क और चुस्त हैं, लेकिन विफलता ज्यादातर विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सही एजेंडे और संगठनात्मक क्षमता के साथ लोगों तक पहुंचने में असमर्थता के कारण है। भारतीय जनता ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत न देकर और भाजपा और संघ परिवार के चौतरफा प्रचार और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में केंद्र की स्वायत्त संस्थाओं के पूर्ण दुरूपयोग के बावजूद उसकी लोकसभा सीटों की संख्या को पहले के 303 से घटाकर 240 पर लाकर अपने सतर्क रवैये का परिचय दिया है। यह देश के जीवंत लोकतंत्र और सतर्क मतदाताओं का प्रदर्शन था।दिल्ली विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को हराकर भाजपा की जीत निश्चित रूप से विपक्षी इंडिया ब्लॉक के लिए एक झटका है, लेकिन इसका मतलब आप का अंत या इंडिया ब्लॉक के लिए अंतिम तिनका नहीं है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चैनलों के कुछ टिप्पणीकार पेश कर रहे हैं। जिन लोगों ने दिल्ली के मतदाताओं के मूड का अध्ययन किया है, वे जानते हैं कि 2025 के चुनावों में, भाजपा को हराकर सत्ता बरकरार रखना आप के लिए बहुत कठिन होगा, क्योंकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी के दो कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता विरोधी लहर थी। अंतिम निर्णायक बात यह रही कि मतदान से चार दिन पहले 1 फरवरी को घोषित 2025-26 के केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी छूट दी गयी और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की गयी।इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियों आप और कांग्रेस के वोटों को मिलाकर आप-कांग्रेस गठबंधन को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले और सीटों के मामले में, अगर गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक के खाते में 14 और सीटें आतीं। इसका मतलब है कि अगर आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक कुल 70 सीटों में से 36 सीटें जीतकर मामूली जीत हासिल कर सकता था।इसके अलावा, आप ने दलितों, गरीबों और मुसलमानों के अपने आधार को बरकरार रखा, जैसा कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है। यह फैसला मतदान के दिन आप से भाजपा की ओर बड़े पैमाने पर मध्यम वर्ग के झुकाव का नतीजा था, जबकि गरीब कमोबेश आप और कांग्रेस के साथ खड़े थे। इसलिए, इस विचार से घबराने की कोई बात नहीं है कि भाजपा का रथ अजेय बनकर उभरा है।इंडिया ब्लॉक से लोकसभा चुनाव और उसके बाद के राज्य विधानसभा चुनाव परिणामों से उचित सबक लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसके बजाय, इंडिया ब्लॉक के घटक उन राज्यों में सार्वजनिक रूप से झगड़े में लगे रहे, जहां लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद उनका प्रदर्शन खराब रहा। महाराष्ट्र में, अभी भी इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के बीच मतभेद जारी हैं। एनडीए की चुनौती का सामना करने के लिए मजबूत नेतृत्व के तहत इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने और मतभेदों को दूर करने का गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता थी।भाजपा का अगला फोकस बिहार है, जहां साल के अंत तक राज्य विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह की शुरुआत में भागलपुर का दौरा किया और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में पूरे जोर-शोर से चुनाव अभियान की शुरुआत की। भाजपा और आरएसएस दोनों ही पूरी तरह से तैयारी कर रहे हैं ताकि समय से पहले चुनाव की चुनौती का सामना करने की तैयारी पूरी की जा सके।इंडिया ब्लॉक के मोर्चे पर क्या स्थिति है? पिछले साल 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए करीब नौ महीने हो चुके हैं, लेकिन इंडिया ब्लॉक की कोई बैठक नहीं हुई है। अब कोई नहीं जानता कि यह ब्लॉक की तरह काम कर भी रहा है या नहीं। इंडिया ब्लॉक के नेता के तौर पर कांग्रेस को 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद बैठक बुलानी थी, लेकिन पार्टी अब तक इस मुद्दे पर चुप है। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव जैसे अन्य नेताओं ने नये नेता के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक के तत्काल कायाकल्प की मांग की है, लेकिन कांग्रेस इस पर चुप है, हालांकि पार्टी यह आभास देती है कि 99 सीटों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के कारण उसे विपक्ष का नेता बने रहने का अधिकार है।लेकिन फिर दो ही स्थितियां हो सकती हैं - या तो कांग्रेस सक्रिय घटक के रूप में नेतृत्व करेगी या फिर शीर्ष पर अन्य वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी के साथ इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व का पुनर्गठन किया जायेगा। पिछले कुछ महीनों में इंडिया ब्लॉक ने बहुत समय बर्बाद किया है। बिहार को इंडिया ब्लॉक का पूरा ध्यान आकर्षित करना है और यह सुनिश्चित करने के लिए, कांग्रेस, आरजेडी और वाम दलों के शीर्ष स्तर पर तत्काल घनिष्ठ समन्वय जरूरी है। अगर एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव जीतता है, तो भाजपा को असम और बंगाल में 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों के लिए बड़ी गति मिलेगी। भाजपा के लिए, %अंग बंग कलिंग' जीतना पवित्र मिशन है। ओडिशा पहले से ही इसके साथ है और बिहार भी जेडी(यू) के सहयोग से अब भाजपा के पाले में है। पार्टी आरएसएस की पूरी मदद से असम और बंगाल में अपनी स्थिति में काफी सुधार करना चाहती है।

संपादकीय

लगी आग की ज़द में रक्षा खडसे

महाराष्ट्र के जलगांव में केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो हुआ वह दुर्भाग्यजनक तो है, लेकिन उसने प्रसिद्ध शायर राहत इंदौरी साहब के एक लोकप्रिय शेर की याद करा दी जिसमें वे कहते हैं-

%लगेगी आग तो आएंगे घर कई ज़द में,यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।देश भर में, खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों में कानून-व्यवस्था एक बड़ी समस्या बनी हुई है, लेकिन पिछले 11 वर्षों से देश को साम्प्रदायिकता और नफरत फैलाने में ऐसा व्यस्त कर दिया गया है कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के साथ इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर किसी का ध्यान नहीं है; या यों कहें कि जाने नहीं दिया जा रहा। रक्षा खडसे की बेटी अपनी कुछ सहेलियों के साथ शुक्रवार को जलगांव जिले के कोठली गांव में महाशिवरात्रि के अवसर आयोजित होने वाले धार्मिक मेले में घूमने गयी थी, जिसे %संत मुक्ताई यात्रा% कहा जाता है। वहां कुछ मनचलों ने उनके साथ धक्का-मुक्की और छेड़खानी की। यहां तक कि उनके वीडियो भी बनाये, जबकि उनके साथ यूनिफॉर्म में सुरक्षाकर्मी भी थे। उनके साथ भी धक्का-मुक्की हुई। रक्षा खडसे ने रविवार को स्वयं थाने जाकर इसकी रिपोर्ट लिखाई तब कहीं जाकर पुलिस हरकत में आई और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया।यह घटना छोटी लग सकती है लेकिन राहत इंदौरी ने जो इशारा अपने शेर में कर रखा है, वही इस घटना में छिपा हुआ संदेश है। केन्द्र सहित जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, उनमें अपराधों का ग्राफ बेतरह ऊपर जाने की तस्दीक स्वयं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो अपने अधिकृत आंकड़ों में करता है। इनमें जघन्य अपराधों के साथ महिलाओं के उत्पीड़न, दुष्कर्म, उनकी हत्याओं जैसे जुर्म शामिल हैं। इसकी ओर जब ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो स्थिति सुधारने की बजाये उनका बचाव किया जाता है या फिर उन राज्यों में होने वाले किसी अपराध की ओर उंगली उठा दी जाती है जहां गैर भाजपायी सरकार है। या कह दिया जाता है कि ऐसा भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिये किया जा रहा है। यह रूझान भी देखने को मिलता है कि ऐसे अपराधों में हिन्दू-मुस्लिम का एंगल ढूंढा जाता है या फिर यह देखा जाता है कि इसमें कौन भाजपा समर्थक है और कौन गैर-भाजपायी। यदि अपराधी भाजपा से सम्बन्ध रखता है तो उस पर अपराध दर्ज नहीं होगा। उल्टे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही लेने के देने पड़ जाते हैं।इस मामले में सब कुछ अलग है। यहां भाजपा की डबल इंजिन सरकार है। पीड़िता का सम्बन्ध भाजपा से ही है। उल्लेखनीय है कि रक्षा भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बहू हैं। यानी जिसके साथ छेड़छाड़ हुई है वह उनकी पोती है। साथ में महाराष्ट्र सरकार के मुहैया कराये सुरक्षा कर्मचारी भी थे। ऐसे में यदि उसके साथ अपराध होता है तो समझ सकते हैं कि कानून-व्यवस्था का क्या हाल है।

भाजपा वालों के लिये अधिक दिक्कत यह है कि जिसे पकड़ा गया है व जिनकी तलाश है, उनमें उस जमात के लोग नहीं निकले जिनके होने की ख्वाहिश हर भाजपायी, उसके प्रवक्ता, आईटी सेल, और ट्रोल आर्मी करते हैं। अब उनके पास ऐसा कुछ नहीं रह गया कि वे भाजपा का बचाव कर सकें या इस पर किसी समुदाय विशेष, दल अथवा सरकार को घेरा जा सके। घृणा फैलाने या विष-वमन करने की उनकी रही-सह गुंजाइश पर खुद रक्षा खडसे ने यह बयान देकर पान फेर दिया कि, जब मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं है तो आ आदमी के साथ क्या होता होगा? एकनाथ खडसे ने त अपनी सरकार को ही यह कहकर घेर लिया कि, महारा में अपराध बढ़े हैं और अपराधियों को पुलिस का ड नहीं रहा। वैसे मुख्यमंत्री देवेन्द्र इसे एक राजनीतिक द से जुड़े लोगों की करतूत बता रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यह वही महाराष्ट्र है जिसमें पालघ में दो साधुओं की हत्या के बाद भाजपा ने तत्काली उद्धव ठाकरे सरकार को हिन्दू विरोधी करार दिया थ भाजपा द्वारा अपराधों के राजनीतिकरण और दोहरे रवै की बानगी देश तभी से देख रहा है जब से नरेन्द्र मो सरकार केन्द्रीय सत्ता में आई है। हिन्दू वोटों क ध्रुवीकरण के लिये भाजपा ने देश को अपराधों व दुनिया में धकेल दिया है। ऐसा कहना गलत नहीं हो कि इसका नेतृत्व स्वयं मोदी एवं केन्द्रीय गृह मं अमित शाह करते हैं। कथित बुलडोज़र न्याय वाला उत्त प्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अव्वल है।

धार्मिक अल्पसंख्यकों की माली हालत में सुधार कैसे हो

दलितों के लिए आरक्षण का भी बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। सन् 1980 में और फिर 1985 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इस बीच अल्पसंख्यक आर्थिक बदहाली के दलदल में और धंसते गए। इसका कारण यह था कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई प्रावधान नहीं है। कुछ राज्यों ने ओबीसी कोटे के अंदर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया मगर इसका हिन्दू राष्ट्रवादी ताकतों ने जमकर विरोध किया।

जो लोग न्याय और बराबरी के आदर्शों में यकीन रखते हैं उनके लिए अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, की माली हालत गंभीर चिंता का विषय है। भारत में इस्लाम सातवीं सदी में अरब व्यापारियों के साथ मलाबार तट के रास्ते आया। तब से बड़ी संख्या में हिन्दुओं ने इस्लाम अपनाया है मगर इनमें से ज्यादातर लोग वे थे जो हिन्दू धर्म में जातिगत दमन के शिकार थे और आर्थिक रूप से वंचित थे। जिसे हम मुगलकाल कहते हैं उसमें मुस्लिम बादशाह दिल्ली और आगरा से राज भले ही करते थे मगर उनके राज से समाज के ढांचे पर कोई खास असर नहीं पड़ा। अधिकांश ज़मींदार हिन्दू थे और वे अत्याचार करने के मामले में गरीब मुसलमानों ओर गरीब हिन्दुओं के बीच कोई भेदभाव नहीं करते थे।

सन् 1857 के विद्रोह के बाद मुसलमान अंग्रेजों के निशाने पर आ गए। कारण यह कि इस विद्रोह के नेता बहादुरशाह ज़फर थे। मुस्लिम समुदाय को अंग्रेजों के गुस्से का सामना करना पड़ा। स्वाधीनता के बाद मुसलमानों के बारे में मिथक और उनके प्रति पूर्वाग्रह मज़बूत होते गए और वे साम्प्रदायिक ताकतों के सबसे बड़े शिकार बन गए. जहां अन्य समुदाय आगे बढ़े और उनके सदस्यों ने शिक्षा और रोजगार हासिल किए वहीं कई कारणों से मुसलमान पीछे छूट गए। इन कारणों में उनके खिलाफ दुष्प्रचार और उनकी आर्थिक बदहाली शामिल थे।

हमारे संविधान ने यह स्वीकार किया कि दलित और आदिवासी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हैं और इसलिए उन्हें आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। इस आरक्षण ने इन समुदायों को कुछ हद तक लाभांवित किया। जहां तक ओबीसी का प्रश्न है उन्हें 1990 से राष्ट्रीय स्तर पर 27 फीसदी आरक्षण मिलना शुरू हुआ। लेकिन कई राज्यों ने इसके पहले से ही अपने स्तर पर उन्हें आरक्षण देना शुरू कर दिया था। ओबीसी को आरक्षण का यूथ फॉर इक्वालिटी जैसे कई संगठनों ने कड़ा विरोध किया था।दलितों के लिए आरक्षण का भी बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। सन् 1980 में और फिर 1985 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इस बीच अल्पसंख्यक आर्थिक बदहाली के दलदल में और धंसते गए। इसका कारण यह था कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई प्रावधान नहीं है। कुछ राज्यों ने ओबीसी कोटे के अंदर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया मगर इसका हिन्दू राष्ट्रवादी ताकतों ने जमकर विरोध किया। मुस्लिम समुदाय की आर्थिक स्थिति के खराब होने के कई कारण हैं। उनके खिलाफ हिंसा होती रही है और हिंसा के डर से वे अपने मोहल्लों में सिमट गए हैं। वे ऐसे इलाकों में रहना पसंद करने लगे हैं जहां उनके आसपास मुसलमान ही रहते हों। उन्हें नौकरियां मुश्किल से मिलती हैं और उनमें शिक्षा का स्तर भी कम है। इस सब के बावजूद जब भी मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात होती है तो हिन्दुत्व की राजनीति के पैरोकार जोर-जोर से चीखने लगते हैं। वे इसे मुसलमानों का तुष्टिकरण% बताते हैं।भारत सरकार ने गोपाल सिंह समिति, रंगनाथ मिश्र आयोग और सच्चर समिति नियुक्त कर मुसलमानों की माली हालत का जायजा लेने का प्रयास किया। इन सभी समितियों और आयोगों की रिपोर्ट में यह बताया गया कि मुसलमानों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है और पिछले कुछ दशकों में उसमें गिरावट आई है।सच्चर कमेटी ने सन 2006 में अपनी रिपोर्ट सरकार के सामने रखी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि इस असहाय समुदाय की मदद के लिए सरकार कदम उठाएगी। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा, %अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए घटक योजना को फिर से मजबूती देनी होगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अल्पसंख्यक और विशेषकर मुस्लिम अल्पसंख्यक विकास के फल का स्वाद अन्य समुदायों की तरह चख सकें, हमें नवोन्मेषी योजनाएं बनानी होंगी। संसाधनों पर उनका सबसे पहले दावा होना चाहिए। केन्द्र की कई और जिम्मेदारियां भी हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप पूरा किया जाएगा।भाजपा ने मुसलमानों की मदद करने की बात को हिन्दुओं को लूटने से जोड़ दिया। नरेन्द्र मोदी ने कहा-वे अब पता लगाएंगे कि हमारी माताओं-बहनों के पास कितना सोना है. वे उसे तौलेंगे, उसकी कीमत का अंदाजा लगाएंगे और फिर वो उसे बांट देंगे और वे उसे किन लोगों को देंगे यह डाक्टर मनमोहन सिंह की सरकार पहले ही साफ कर चुकी है। वह कह चुकी है कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है।इस पृष्ठभूमि में यूएस-इंडिया पॉलिसी इंस्टीट्यूट एवं सेंटर फॉर डेव्हलपमेंट पॉलिसी एंड प्रेक्टिस की हालिया रपट स्वागतयोग्य है। इस रपट का शीर्षक है -%रिथिंकिंग एफिरमेटिव एक्शन फॉर मुस्लिम्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया% और इसे हिलाल अहमद, मोहम्मद संजीर आलम एवं नज़ीमा परवीन ने तैयार किया है। यह रिपोर्ट मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे से हटकर बात करती है। रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि मुसलमानों में अलग-अलग आर्थिक स्थिति वाले लोग हैं। कुछ लोग धनी हैं और उन्हें आरक्षण की बिलकुल जरूरत नहीं है। अन्यों के मामले में रिपोर्ट उनके धर्म की बजाय उनकी जाति पर ध्यान देने की बात कहती है। रिपोर्ट कहती है कि यह देखा जाना चाहिए कि वे लोग पारंपरिक रूप से कौन सा व्यवसाय करते आ रहे हैं। उनकी रोज़ी-रोटी कैसे चलती है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण पर लगाई गई 50 प्रतिशत की उच्चतम सीमा को हटाने की मांग की जा रही है। इसके बाद मुसलमानों को ओबीसी और दलित कोटे में जगह दी जा सकती है। रपट में सीएसडीएस-लोकनीति द्वारा संकलित आंकड़ों का उपयोग किया गया है। रिपोर्ट के लेखक कहते हैं कि मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात करना सांड को लाल कपड़ा दिखाना जैसा है इसलिए उन्हें उनके धर्म की बजाय उनके पेशे के आधार पर ओबीसी या एससी कोटे में जगह दी जानी चाहिए। पसमांदा मुसलमान सबसे वंचित हैं और उन्हें दलितों की श्रेणी में रखा जा सकता है। कई ईसाई समुदायों की भी स्थिति यही है। उन्हें भी अपनी रोज़ी-रोटी चलाने के लिए सरकार की मदद की जरूरत है।

रपट में यह भी बताया गया है कि धीरे-धीरे भारतीय राज्य एक खैराती संस्था बन गया है जो सरकार क योजनाओं की जद में आने वालों को लाभार्थी कहता है।रपट के लेखक कहते हैं कि ओबीसी का तार्किक और धर्म से ऊपर उठकर उपवर्गीकरण किया जाना चाहिए। वर्तमान में चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू किया जाना जरूरी है। हमें सकारात्मक कदम उठाने होंगे। अगर किन्हीं दो उम्मीदवारों की अर्हताएं और अनुभव समान हैं तो उनमें से जो जाति या लिंग के कारण हाशियाकृत हो उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुस्लिम समुदाय में बड़ी संख्या में शिल्पकार हैं। उन्हें बेहतर तकनीकी उपलब्ध करवाई जानी चाहिए।यह रपट व्यापक है और वर्तमान हालात को ध्यान में रखती है। हमारी सत्ताधारी पार्टी अल्पसंख्यकों को करीब-करीब दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है। मगर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या वर्तमान सरकार अपनी संकीर्ण संप्रदायवादी सोच से ऊपर उठकर इस रपट को लागू करेगी।कैसे हो

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

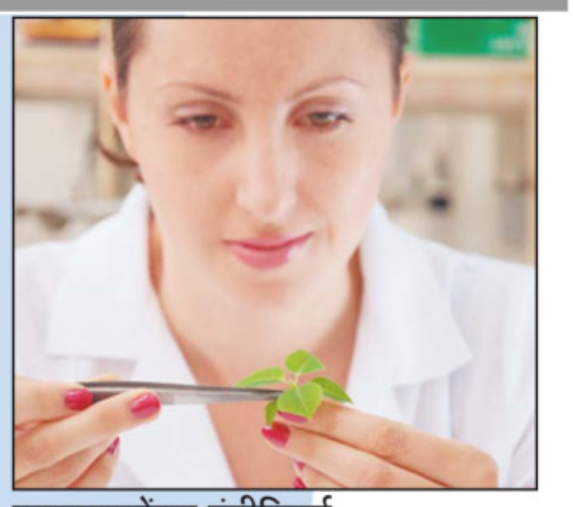

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑपशन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, ट्रैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

ग्लैमरस लुक के लिए

ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान रखना पड़ता है। समय से सोने, जागने, स्नान, ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यतित्व सामान्य से खास बन जाता है...

खूबसूरत दिखने की चाह हर स्त्री में होती हैं। आज की हर स्त्री अपने को खूबसूरत, अधिक से अधिक आकर्षक और ग्लैमरस दिखाना चाहती है। फैशन की होड़ में शामिल हर स्त्री अन्य सभी स्त्रियों को पीछे छोड़कर स्वयं आगे निकल जाना चाहती है। वह कुछ इस तरह सजना-संवरना चाहती है ताकि वही महफिल की शान बन सके। उसे जो देखे, वह देखता ही रह जाए। उसकी सुन्दरता की दाद दिये बिना वह न रह सके। यह भी सच है कि ग्लैमरस लड़कियां या किशोरियां ही आकर्षक भी लगती हैं।

ग्लैमर क्या है? इसके विषय में मतैक्य नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से इसे परिभाषित करते हैं। इसको लेकर सबकी अपनी अपनी और अलग-अलग सोच हैं। कभी साधारण नैन नक्शवाली सांवली सलोनी लड़कियां भी ग्लैमरस लगती हैं तो अति सुंदर और विशिष्ट अंगों वाली लड़कियां ग्लैमरस नहीं लगती। फैशनेबल, अंग दिखाऊ और उत्तेजक वस्त्रों को पहनकर कोई भी लड़की ग्लैमरस नहीं दिख सकती। अक्सर सामान्य लिबास में सजी अति साधारण लड़की भी अपने अन्य पूरक गुणों के आधार पर खास दिखाई देने लगती है और वह सबका मन मोह लेती है। ग्लैमरस दिखने या दिखाने के लिए देख, काल और अवसर के अनुसार परिधान धारण करना तथा उसी के अनुरूप मेकअप करना आवश्यक होता है। श्रृंगार में ज्वेलरी का अपना विशेष महत्व है इसलिए परिधान के अनुसार ही इसका चुनाव करना चाहिए। सादगी से किये गये श्रृंगार में रंगों का बड़ा ही महत्व होता है। साथ ही सलीके से पहना गया हो तो रौनक और बढ़ जाती है। एक लड़की के बालों का रबड़ बैंड टूटकर गिर गया। जब उसे मालूम हुआ तो उसने अपने रूमाल को स्टाइल से बालों में बांध लिया। वह चर्चा का विषय बन गई और काफी दिनों तक लड़कियां में बालों में रूमाल बांधने का स्टाइल चालू रहा। नमिता एक

महत्वाकांक्षी लड़की है और एक कंपनी में काम करती है। उसे अपने रेशम से मुलायम और लहराते बालों पर बहुत नाज है और वह उन्हें सलीके से बांधे रखती है। उसे कंपनी के काम से दिन में कई जगह जाना पड़ता है। एक दिन वह किसी कंपनी में गई थी। वहां अचानक उसके बाल पता नहीं कैसे खुल गए। उसे सूझ नहीं रहा था कि अपने खुले बालों को कैसे संभाले। एकाएक उसके मन में एक युक्ति कौंधी और उसने फौरन अपनी ओढ़नी के एक छोर से बालों को बांध लिया और फिर स्टाइल से ओढ़नी ओढ़ ली। फिर क्या, मजबूरी में उसके द्वारा अपनाया गया यह स्टाइल औरों के लिए फैशन बन गया।

स्टाइल केवल परिधान या मेकअप में ही नहीं बल्कि बोलने के अंदाज, भाव भंगिमा, हंसने बोलने का तरीका, विनम्र स्वभाव, मीठी वाणी, परोपकार की भावना व सही समय पर की गई सही प्रतिक्रिया में भी होती है और ये आपको अति विशिष्ट बना देते हैं। ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यक्तित्व सामान्य से खास बन जाता है।

ग्लैमर एक अदा है जिसे विभिन्न गुणों और अंदाज से मूर्त रूप दिया जा सकता है। ग्लैमरस दिखने के लिए सस्ते या महंगे परिधान या ज्वेलरी के चकाचौंध की जरूरत नहीं होती। अगर आपका अपना स्टाइल है तो आपको ग्लैमरस बनने से कोई नहीं रोक सकता। आपकी सादगी और मोहक अंदाज आपको ग्लैमरस बना सकते हैं।

ऐगलैस केक

सामग्री : दही 1 कप, मैदा डेढ़ कप, चीनी 1 कप, मीठा सोडा आधा छोटा चम्मच, बेकिंग पाऊडर 1 छोटा चम्मच, रिफाइंड ऑयल आधा कप, वनिला एसैंस 8-10 बूंदें।

विधि : दही में चीनी डालें। मैदे में बेकिंग पाऊडर डाल कर उसे कम से कम तीन बार छानें। अब दही चीनी के मिश्रण में मीठा सोडा डाल कर थोड़ा फैंटे। बुलबुले उठने पर इसमें रिफाइंड ऑयल डालें फिर इसमें 1-1 चम्मच मैदा डाल कर मिश्रण को हिलाते जाएं। अंत में वनिला एसैंस डाल कर पुन: मिला लें। केक टिन में रिफाइंड ऑयल लगा कर उस पर थोड़ा मैदा डालें। फिर सारा मिश्रण इसमें डाल दें। अब अवन को 250 डिग्री सैंटीग्रेड पर 10 मिनट तक गर्म करें फिर केक टिन इसमें रखें और 150 डिग्री सैंटीग्रेड तापमान 30 मिनट के लिए बेक करें।

घर में ही बनायें फेसपैक

आज बाजार में विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध हैं जिन्हें अपनाकर महिलाएं जल्द से जल्द अपना सौंदर्य निखारना चाहती हैं मगर से सौंदर्य प्रसाधन कुछ समय तक ही चेहरे को ताजगी प्रदान करते हैं। कुछ समय बीतने के बाद इनका प्रभाव खत्म हो जाता है व चेहरे को इन सौंदर्य प्रसाधनों की जल्द आवश्यकता महसूस होने लगती है, फिर धीरे-धीरे यह एक आदत-सी बन जाती है। धनी महिलाओं के लिए तो यह सब उपयुक्त होता है मगर मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं के लिए इनका खर्च वहन करना मुश्किल हो जाता है।

त्वचा पर स्थायी निखार लाने हेतु घर पर ही फेसपैक बनाएं तो कम खर्च में ही आप लाभान्वित हो सकेंगी।

- चिरौंजी को कच्चे दूध में पीस लें। इस पेस्ट को त्वचा पर नियमित लगाने से त्वचा मुलायम हो जाएगी।
- चेहरे को साफ करने के लिए पके केले को फेंट कर चेहरे पर मलें। इससे मृत कोशिकाएं बाहर आ जाएंगी व चेहरा साफ हो जाएगा।
- खीरे का रस, गुलाबजल और ग्लिसरीन को मिलाकर लेप बनाएं। इसे चेहरे पर लगा कर सूखने दें। सूखने के पश्चात पुन: फिर लगाएं व ताजे पानी से चेहरा धो लें। चेहरे पर कांति आएगी।
- बेसन व दही को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर नियमित रूप से लगाएं। सूखने पर साफ पानी से साफ करें।
- चन्दन की लकड़ी को पत्थर पर घिस लें। इसनें गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर आधे घंटे तक लगाएं। फिर ताजे पानी से धो लें। चेहरे पर अद्‌भुत निखार आएगा।
- टमाटर व नींबू के रस को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर नियमित रूप से प्रयोग करें। यह लेप भी आधे घंटे तक लगा रहने दें। इसके पश्चात् पानी से साफ करें।
- रोजाना सोने से पहले जैतून के तेल में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर मलें। चेहरे का रंग साफ होगा।
- एक चम्मच नींबू के रस में, दो चम्मच शहद मिलाकर गुनगुना करें। इसे एक घंटे तक चेहरे पर लगाने से पश्चात् चेहरा धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो मा मी मू था फा ढा भे)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2009

■	5	22	■	■	■	■	■	■
9	■	■	30	■	16	11	■	6	10
18	■	■	■	11	■	■	12	■	■
■	16	■	■	10 9	■	■	3 7	■	■
■	■	10 7	■	■	10	■	■	■	■
■	11 16	■	■	■	3 3	■	■	29	11
11	■	■	4 18	■	■	8 17	■	■	■
13	■	■	■	11 9	■	■	16 13	■	■
■	■	8	■	■	24	■	■	■	■
■	■	17	■	■	■	14	■	■	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 24	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2008 का हल

■	14 24	■	■	■	■	■	■	■
13	6	7	29	■	11	29	■	18	4
22	8	9	5	7	2	5	10	7	3
■	15	8	7	17 23	9	8	3 7	2	1
■	■	17 10	9	8	20	7	4	9	■
■	19 11	5	8	6	11 9	9	2	11	17
3	2	1	16 13	9	7	14 4	1	5	8
19	9	4	6	3 4	2	1	11 3	2	9
■	■	8	5	3	6	3	2	1	■
■	■	3	2	1	■	4	1	3	■

लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2009

1		2	3	■	4		5	■	6
	■	7		8		■	9		
■	10	■	■		■	11		■	
12		13	■	14	15	■	■	16	■
	■	17	18	■	19		■	20	
21		■	22	23		■	24		■
	■	25			■	26		■	27
■	28		■	29		■	30		
31	■	32	33		■	34	■	■	
35		■		■	36				

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, खीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2008

बे	व	फा	■	ब	■	प्रे	म	रे	ग
खु	■	य	ल	गा	र	■	ह्म	■	ब
दी	वा	र	■	व	■	आ	न	बा	न
■	दा	■	श्व	त	रं	ज	■	जी	■
स	■	श्र	क्ति	■	ग	■	जं	ग	ली
हे	मा	■	मा	या	■	सा	ग	र	■
ली	■	शा	न	■	का	ज	ल	■	स
■	स	र	■	जु	नू	न	■	फू	ल
शा	न	दा	र	■	न	■	शू	■	मा
■	म	■	वि	द्या	■	ब	ल	वा	न

सूडोकु -2009

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2008 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 2009

1		■	2		■	3		■	4	5
	■	6		■	7		■	8		
■	9		■	10		■	11			■
12		■	13		■	14			■	15
	■	16		■	17			■	18	
■	19		■	20			■	21		■
22		■	23			■	24		■	25
	■	26			■	27		■	28	
■	29			■	30		■	31		■
32			■	33		■	34		■	35
36		■	37		■	38		■	39	

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2008 का हल

ल	ब	■	ब	स	■	धा	जा	■	ह	रा
व	ह	म	■	ब	म	■	ना	ला	■	ह
■	न	म	न	■	जा	न	■	र	मा	■
ना	■	ता	क	त	■	शा	न	■	ता	त
क	मी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न
■	न	ख	■	वा	च	क	■	ल	क्ष	■
स	■	र	वा	■	ना	म	क	■	मा	दा
खा	द	■	त	र	■	र	ह	न	■	म
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■
दा	■	र	स	■	या	र	■	र	च	ना
स	दा	■	च	शु	■	न	भ	■	रा	ल

छत्तीसगढ़ के चर्चित सेक्स सीडी कांड मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कोर्ट ने किया बरी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित सेक्स सीडी कांड मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सीबीआई की विशेष अदालत ने आज सभी धाराएं हटाते हुए उन्हें बरी कर दिया। शाम सीबीआई की विशेष अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई आधार नहीं है?। अदालत ने उनके खिलाफ मुकदमे को खारिज कर दिया है। फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है- 'सत्यमेव जयते'। इससे पहले, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बचाव में जबलपुर हाईकोर्ट के सीनियर वकील मनीष दत्त ने कोर्ट में दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया है। भूपेश ने किसी भी प्रकार को कोई सीडी नहीं बनाई है और न ही सीडी बांटी। आगे कहा कि भघेल ने किसी तरह का कोई अपराध नहीं किया है। छत्तीसगढ़ में सेक्स सीडी कांड का मामला अक्टूबर 2017 में आया था। इसके बाद रायपुर के सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने दिल्ली से पत्रकार विनोद वर्मा को गिरफ्तार किया था।

सिंगरौली जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह सशक्त पंचायत नेत्री पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिला पंचायत की उपाध्यक्ष अर्चना सिंह को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सशक्त पंचायत नेत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन ललन सिंह ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पंचायती राज राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल तथा युवा कार्यक्रम और खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे भी उपस्थित रही। जनसम्मपर्क अधिकारी जकिया रूही ने शाम उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सिंगरौली जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह के क्रांतिकारी प्रयासों से सिंगरौली जिले में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सड़क अधोसंरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। जिला पंचायत की उपाध्यक्ष और जिला शिक्षा समिति की अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिले के ग्रामीण इलाकों में मेधावी छात्राओं को आर्थिक सहायता, लाइब्रेरी की उपलब्धता, मोटिवेशनल व्याख्यान, ऑनलाइन क्लासेज और करियर काउंसलिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई, जिसके परिणामस्वरूप जिले में महिला शिक्षा का प्रतिशत 44 फीसदी से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है।

मणिकर्णिका चक्रपुष्करिणी तीर्थ से संकल्प लेकर नागा संत पंचक्रोशी यात्रा पर निकले

वाराणसी। प्रयागराज महाकुंभ से महाशिवरात्रि के पूर्व काशी आए सैकड़ों नागा संत पंचक्रोशी परिक्रमा पथ पर रवाना हुए। श्रीपंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के लगभग 300 संत शिवाला स्थित अखाड़े से निकल गंगा तट पर पहुंचे। यहां से नावों पर सवार होकर हर-हर गंगे, हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए संत मोक्षतीर्थ मणिकर्णिका के चक्रपुष्करिणी तीर्थ पर पहुंचे। यहां परम्परानुसार नागा संतों ने पंचक्रोशी यात्रा का संकल्प लिया। इसके बाद बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन कर नाव से अस्सीघाट पर पहुंचे। यहां से पैदल कड़ी सुरक्षा के बीच पंचक्रोशी परिक्रमा पथ के पहले पड़ाव कंदवा स्थित कर्मदेश्वर महादेव मंदिर के लिए चल पड़े। संत पूरे पॉच दिन तक पंचक्रोशी यात्रा करेंगे। अखाड़े के थानापति विवेक भारती के अनुसार नागा संत एक दिन में लगभग 15 किमी की दूरी पैदल तय करेंगे। गुरूवार को सुबह कर्दमेश्वर महादेव की आराधना कर अगले पड़ाव भीमचंडी के लिए निकलेंगे। यहां पूरी रात आराधना के बाद अगले दिन रामेश्वर, पांचों पंडवा, अंतिम पड़ाव कपिलधारा पहुंचेंगे। यहां से नाव में सवार होकर पुन- मणिकर्णिका पहुंचकर संकल्प पूरा करेंगे। संत के अनुसार परिक्रमा करने से हमें अपने आराध्यदेव के स्थल पर जाने का अवसर मिलता है। इससे आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव भी होता है।

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में गांधीनगर में यूसीसी समिति की बैठक

गांधीनगर/अहमदाबाद। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में गांधीनगर में यूसीसी समिति की बैठक हुई। यूसीसी समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना देसाई ने गुजरात के निवासियों से यूसीसी के संबंध में सुझाव भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू होने से पहले गुजरात के निवासियों, सरकारी एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों, सामाजिक समूहों और समुदायों, धार्मिक संगठनों और राजनीतिक दलों सहित गुजरात स्थित संगठनों के लिए समान नागरिक संहिता पर अपने सुझाव और विचार प्रस्तुत करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल बनाया गया है। सुझाव और विचार प्रस्तुत करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल http://uccgujarat.in लॉन्च किया गया है। सुझाव और राय 24 मार्च तक डाक द्वारा भी गांधीनगर भेजे जा सकते हैं। इस समिति ने आज विभिन्न राज्य सरकार आयोगों, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर्स कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की विशेष प्रतिभा और आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था आधारित और लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है।राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इस सदी के पूर्वार्ध के संपन्न होने के पहले ही भारत को एक विकसित देश बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े सभी लोगों और विद्यार्थियों को वैश्विक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों और सहयोग को मजबूत करने से युवा विद्यार्थी 21वीं सदी की दुनिया में अपनी एक अधिक प्रभावी पहचान बना सकेंगे। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट शिक्षा की उपलब्धता से विदेश में अध्ययन करने की प्रवृत्ति में कमी आएगी। देश की युवा प्रतिभा का राष्ट्र निर्माण में

बेहतर उपयोग हो सकेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आत्मनिर्भर होना ही सही मायने में विकसित, बड़ी और मजबूत अर्थव्यवस्था की पहचान है। अनुसंधान और नवाचार पर आधारित आत्मनिर्भरता हमारे उद्यमों और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी। ऐसे अनुसंधान और नवाचार को हर संभव सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शिक्षा और उद्योग का संबंध मजबूत दिखाई देता है। उद्योग जगत और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच निरंतर आदान-प्रदान के कारण शोध एवं अनुसंधान कार्य, अर्थव्यवस्था और समाज की जरूरतों से जुड़ा रहता है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से आग्रह किया कि वे आपसी हितों में औद्योगिक संस्थानों के वरिष्ठ लोगों के साथ निरंतर विचार-विमर्श करने के लिए संस्थागत प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इससे शोध कार्य करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की प्रयोगशालाओं को स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों से जोड़ना आप सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थियों की विशेष प्रतिभा और आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था आधारित और लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है।

बारामूला में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने मंगलवार रात एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला किया। हमले में किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि चार मार्च को रात करीब 9.20 बजे बारामूला के ओल्ड टाउन पुलिस चौकी के पीछे से धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गयी। घटना के तुरंत बाद पुलिस दलों ने सहयोगी एजेंसियों के साथ समन्वय करके इलाके की घेराबंदी कर दी। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस चौकी की पिछली दीवार के बाहर से ग्रेनेड पिन बरामद किया गया, जिससे पुलिस को संदेह हुआ कि यह ग्रेनेड हमले का प्रयास था। ग्रेनेड ओल्ड टाउन पुलिस चौकी के अंदर गिरा और उसमें जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट में जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गयी है और इलाके में तथा उसके आसपास तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

बार-बार चुनावों से देश की प्रगति बाधित हो रही है, देश की जरूरत एक साथ चुनाव : शिवराज सिंह

एजेंसी

जोधपुर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि देश में कभी लोकसभा तो कभी विधानसभा चुनाव होते हैं। फिर स्थानीय निकाय तो कहीं किसी और उप चुनाव। चुनाव के दौरान काम रोक दिए जाते हैं और हमारे नेतृत्व करने वाले भी चुनाव में व्यस्त हो जाते है। ऐसे में देश का पूर्ण विकास या मुकाम नहीं मिल पाता है। इसलिए संविधान में संशोधन कर 'एक देश एक चुनाव' की प्रक्रिया को अपनाया जाना जरूरी है।

वे जोधपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शिवराज चौहान क्षेत्रीय कृषि कार्यक्रम में भाग लेने जोधपुर पहुंचे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश में लगातार पांच साल 12 महीने 365 दिन तक हर राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी करता रहता है और छह माह में विधानसभा के कोई ना कोई चुनाव हो जाते है। अलग अलग राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं, जिससे विकास का काम ठप हो जाता है। आचार संहिता लगने के कारण भी विकास ठप होता है। सारी मशीनरी चुनाव में लग जाती है, इसलिए भी विकास के कार्य नहीं हो पाते है। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए। देश की जरूरत है एक साथ चुनाव। बीजों की घटिया क्वालिटी और कानून को लेकर चौहान ने कहा कि उसके लिए समीक्षा की जा रही है। घटिया बीजों

अनावश्यक धन खर्च होता है। चुनावों के कारण सरकारें लांग टर्म की तैयारी नहीं कर पाती है। देश का नुकसान होता है। इसलिए अब समय आ गया है कि विचार कर फैसला हो कि संविधान में संशोधन कर को लेकर सजा का प्रावधान कम है, उस पर समीक्षा की जरूरत है। अच्छे बीज उत्पादन करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा तो वहीं किसान के साथ धोखा हुआ तो कड़े दण्ड का प्रावधान अपनाया जाएगा।

मप्र की पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी को मिला हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड, तीन लाइनमैन हुए सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में लाइनमैन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया गया। इसमें देश की लगभग 70 डिस्कॉम, 28 ट्रांसमिशन कंपनी और 25 जनरेशन कंपनी ने भाग लिया।

इसमें से मप्र की पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर को हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड मिला। इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के स्टॉफ को बधाई दी प्रदेश के ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि कंपनी को यह अवॉर्ड समस्त लाइनकार्मिकों को सुरक्षा किट प्रदान किये जाने, निरन्तर सुरक्षा, तनाव प्रबंधन, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम, वर्कशॉप सेमिनार आयोजित किए जाने, सुरक्षा मानकों को बेहतरीन ढंग से लागू किये जाने से दुर्घटना न्यूनतम रहने और कार्मिकों को उच्च शिक्षा के लिये बेहतर अवसर प्रदान करने पर मिला है। पूर्व क्षेत्र कंपनी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (मानव

संसाधन एवं प्रशासन) नीता राठौर ने यह अवार्ड प्राप्त किया।

समारोह में कंपनी के तीन लाइनमैनों अनिल कुशवाहा मुक्तियारगंज वितरण केन्द्र रीवा क्षेत्र, प्रहलाद वलाड़ी डिंडौरी (ग्रामीण) वितरण केन्द्र शहडोल क्षेत्र, आजाद कुमार सकवार शहर संभाग (पूर्व) शहर वृत्त जबलपुर क्षेत्र को उनके द्वारा निस्वार्थ सेवा और विद्युत उपभोक्ताओं को सतत विद्युत सप्लाई प्रदान करने के लिये किये गये निष्ठापूर्ण एवं साहसिक कार्य के लिये उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चंडीगढ़ में 18 प्रवेश बिंदुओं पर किसानों के मार्च को रोकने के लिए बैरिकेड लगाये गये

एजेंसी

चंडीगढ। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के आह्वान पर अपनी मांगों को लेकर बुधवार को अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने के लिए चंडीगढ़ की ओर कूच कर रहे कई किसान यूनियनों को चंडीगढ़ में प्रवेश करने से रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने भारी सुरक्षा तैनात करके शहर के सभी प्रवेश बिंदुओं को सील कर दिया है।

चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब के साथ लगते 18 प्रवेश मार्गों को सील कर दिया है तथा वहां 1200 जवानों को तैनात किया गया है। इसके कारण मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर धीमी गति से यातायात की आवाजाही हो रही है। एसकेएम ने साफ कर दिया है कि मोर्चा ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ हर हाल में चंडीगढ़ कूच करेगा। पुलिस जहां भी उनको रोकेगी, वे धरने पर बैठ जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने किसानों से धरना दें। उन्होंने सभी किसान यूनियनों से चंडीगढ़ में 'पक्का मोर्चा' में शामिल होकर विरोध दर्ज कराने की अपील की, जहां प्रशासन

सड़कों, राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न करने की अपील की है, क्योंकि इससे जनता को असुविधा होगी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि अगर उन्हें आगे बढ़ने से रोका जाता है तो वे सड़क किनारे ने अभी तक विरोध के लिए जगह आवंटित नहीं की है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुआई वाली पंजाब सरकार और एसकेएम के बीच वार्ता विफल होने के कुछ घंटों बाद, उगराहां सहित किसान नेताओं के घरों पर छापे मारे जा रहे हैं, जो पूरा दिन जारी रहे। इस दौरान किसान नेताओं को घरों से हिरासत में ले लिया गया, जबकि कुछ को नजरबंद भी कर दिया गया। किसानों की मांगों पर चर्चा के लिए वार्ता बीच में ही भंग होने पर किसान नेताओं ने दावा किया कि मुख्यमंत्री बिना किसी उकसावे के गुस्से में बैठक से बाहर चले गए।

बैठक के बाद, एसकेएम नेताओं ने घोषणा की थी कि वे चंडीगढ़ में बड़े पैमाने पर धरना देने के अपने आह्वान पर आगे बढ़ेंगे। अमृतसर के गोल्डन गेट पर किसानों के विरोध के चलते सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, करीब 18 जिलों में कार्यक्रम होंगे। अकेले अमृतसर में 21 जगहों पर हम भगवंत मान के पुतले जलाएंगे।

सांची के स्तूप स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना हैं : डॉ. पनगढ़िया

एजेंसी

भोपाल। सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं डॉ. मनोज पांडा ने मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास के पहले दिन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप और ऐतिहासिक उदयगिरि गुफाओं का भ्रमण किया।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया ने सांची स्तूप की भव्यता और कलात्मक उत्कृष्टता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सांची के स्तूप प्रदेश में स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। डॉ. पनगढ़िया ने कहा कि यह ऐतिहासिक स्थल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में महान सम्राट अशोक द्वारा निर्मित कराया गया था और बौद्ध धर्म के महत्त्वपूर्ण केंद्रों में से एक है। सांची के स्तूप अपनी उत्कृष्ट स्थापत्य शैली और अद्भुत शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ मौजूद तोरण द्वार और जटिल नक्काशीदार स्तंभ बौद्ध जातक कथाओं और घटनाओं को दर्शाते हैं।

सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगड़िया और सदस्यों ने सांची स्तूप के भ्रमण के दौरान प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से परिचय प्राप्त किया और भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को नजदीक से देखा। वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से सांची स्तूप के इतिहास को एक रोचक कहानी के माध्यम से जाना। बौद्ध धर्म के विकास, सम्राट अशोक की धम्म नीति और सांची के ऐतिहासिक महत्व की गहरी जानकारी प्राप्त हुई। आयोग के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों ने उदयगिरि गुफाओं का भी भ्रमण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वनतारा में वन्य जीवों को दुलारा

एजेंसी

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जामनगर के रिलायंस रिफाइनरी कैम्पस में बने वनतारा में वन्य जीवों के साथ बिताए गए पलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। प्रधानमंत्री ने शनिवार को जामनगर में रिलायंस रिफाइनरी कैम्पस में बने वनतारा का दौरा किया था। वे करीब 7 घंटे तक यहां रहे। वीडियो में प्रधानमंत्री एक जगह शावकों को बोतल से दूध पिलाते दिखाई देते हैं। कहीं वे गैंडे के साथ दिखाई देते हैं। चिंपैंजी प्रधानमंत्री के गले पर लटका दिखाई देता है। कहीं, मछलियों को दाना खिलाते हैं तो कहीं पक्षियों को निहारते नजर आते हैं। हाथी, जिराफ और डॉल्फिन के साथ प्रधानमंत्री खुशनुमा पल बिताते हैं। वनतारा में प्रधानमंत्री मोदी को रिलायंस इंडस्ट्री के अनंत अंबानी वन्य जीवों का परिचय कराते

शावकों को बोतल से पिलाया दूध, सोशल मीडिया पर साझा की यादगार तस्वीरें

दिखते हैं। वन्य जीवों से भरे वनतारा में देखभाल के साथ जरूरत पड़ने पर इनका इलाज भी किया जाता है। प्रधानमंत्री ने वाइल्ड लाइफ हॉस्पिटल का दौरा कर वन्य जीवों की चिकित्सा सुविधा की जानकारी प्राप्त की। इस संबंध में उन्होंने वनतारा के प्रयासों को सराहा।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि एक शेरनी को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई, उसकी उचित देखभाल हो रही थी। अपने परिवार द्वारा छोड़े गए एक तेंदुए के शावक को उचित पोषण देखभाल के साथ नया जीवन मिला। मोदी ने लिखा कि वे ऐसे कई जानवरों की देखभाल के लिए वनतारा की टीम को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि वनतारा में एक हथिनी देखी जो एसिड अटैक का शिकार थी, उसका पूरी सावधानी से इलाज किया जा रहा था। वहाँ अन्य हाथी भी थे, जिन्हें अंधा कर दिया गया था और वह भी विडंबना यह है कि उनके महावत ने उन्हें अंधा कर दिया था। एक अन्य हाथी को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न को रेखांकित करता है- लोग इतने लापरवाह और क्रूर कैसे हो सकते हैं? आइए हम ऐसी गैरजिम्मेदारी को खत्म करें और जानवरों के प्रति दया पर ध्यान केंद्रित करें।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि वनतारा जैसा प्रयास वास्तव में सराहनीय है, यह उन लोगों की रक्षा करने के हमारे सदियों पुराने लोकाचार का जीवंत उदाहरण है जिनके साथ हम अपने ग्रह को साझा करते हैं।

एनएचआरसी ने दो सप्ताह का ऑनलाइन लघु अवधि इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने अपनी दो सप्ताह की ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप (ओएसटीआई) शुरू की। देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न शैक्षणिक विषयों के 80 विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 932 आवेदकों में से चुना गया है। दो सप्ताह के इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवाधिकार चेतना और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना, व्यक्तियों को सभी नागरिकों के लिए अधिक न्यायसंगत, समतापूर्ण और मानवीय समाज के लिए उत्प्रेरक के रूप में सेवा करने के लिए सशक्त बनाना है। एनएचआरसी, भारत के महासचिव भरत लाल ने अपने संबोधन में छात्रों से आग्रह किया कि वे इस अवधि को केवल अपने जीवन परिचय में एक और जोड़ के

रूप में न देखकर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंटर्नशिप का वास्तविक मूल्य समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति इंटर्न की सोच, व्यवहार और संवेदनशीलता को बदलने के लिए दिए जाने वाले गहन, स्थायी ज्ञान में निहित है। ऐसे युग में जब लैपटॉप और मोबाइल उपकरणों पर जानकारी आसानी से उपलब्ध है, असली चुनौती डिजिटल पहुंच और प्रयोग के बाद उसे अपनाने के बीच की खाई को पाटना है। महासचिव ने जोर देकर कहा कि दो सप्ताह का कार्यक्रम पीड़ा और अन्याय के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ जिम्मेदारी की गहरी भावना पैदा करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सच्चा परिवर्तन केवल अन्याय को पहचानने में नहीं बल्कि निर्णायक कार्रवाई करने में निहित है।

पहले माफिया दौड़ाता था, पुलिस भागती थी : योगी

एजेंसी

लखनऊ। बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रदेश में पहले माफिया दौड़ाता था, पुलिस भागती थी। माफिया को पुलिस सैल्यूट करती थी लेकिन अब कानून-व्यवस्था के मामले में प्रदेश ने अपना परसेप्शन बदला है। आज देश और दुनिया के लोग प्रदेशवासियों को बहुत सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिस प्रदेश में कभी कोई व्यवसायी निवेश के लिए नहीं आता था, आज वह प्रदेश देश के सबसे बड़ा निवेश क्षेत्र बनकर उभरा है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के हवाले से मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डकैती के मामले में 2016 की तुलना में 2024 में 84.41 प्रतिशत की कमी आई है। 2016 में 263 डकैती के मामले सामने आए थे, जो 2022 में घटकर 50 हो गए। लूट के मामले में 77.43 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के मामले में 41.01 प्रतिशत की कमी आई है। बलवा में 66.40 प्रतिशत की कमी आई है। गृहभेदन में 5.12 प्रतिशत की कमी आई है। फिरौती के लिए अपहरण में 54.72 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों द्वारा शुरू की गई प्रवृत्ति समाप्त हो गई है। 08 वर्षों में जो सुरक्षा का वातावरण पैदा हुआ है, उसके लिए सरकार के सतत प्रयासों का ही परिणाम है। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया का कालखंड अब अतीत की बात हो चली है। विधान सभा में नेता सदन योगी ने कहा कि पुलिस को रिफार्म करने के बाद सरकार ने ये सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करके उनकी ट्रेनिंग को बेहतर बनाया। सुशासन के लिए कार्यपद्धति में सुधार, तकनीक का उपयोग, पारदर्शिता, जनसंवाद, पुलिस आधुनिकीकरण, पुलिस सुधार, सतत मॉनीटरिंग जैसे प्रयास किये गए। योगी ने कहा कि ये वही प्रदेश था जहां पहले अपराधी दौड़ता था पुलिस भागती थी।

डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र में 15 दिवसीय पांडुलिपि अध्ययन कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू अध्ययन केन्द्र में हिंदू अध्ययन केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय एवं तत्वम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ वाग्देवी, वाग्धारा, वागमाता सरस्वती के पूजन और गणेश वंदना से किया गया। कार्यशाला में डीयू के कला संकाय की डीन प्रो. अमिताव चक्रवर्ती मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक प्रो. अनिर्बान दास विशिष्ट अतिथि और डीयू के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष अंजना शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में हिन्दू अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो.ओमनाथ बिमली एवं सह निदेशक व कार्यक्रम संयोजिका डॉ प्रेरणा मल्होत्रा अथवा तत्वम फाउंडेशन के गणेश तिवारी आदि विभूतियां उपस्थित रहीं।डॉ प्रेरणा मल्होत्रा ने बताया कि भारत में विश्व की सर्वाधिक पांडुलिपियां आज भी विद्यमान हैं। एक अनुमान के अनुसार आज के समय में 10 मीलियन से अधिक पांडुलिपियां उपलब्ध हैं और लगभग एक करोड़ भारतीय पांडुलिपियां दुनिया भर में फैली पड़ी हैं, जिनको लाना और फिर उसका गूढ़वाचन करना फिर डिजिटलाइज करना है। यह भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौती है और इसको करना भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें यूरोसेंट्रिक मानसिकता का त्याग करके अपनी दृष्टि के आधार पर जगत का अनुकरण करना चाहिए। हम सबको लिपियों का अध्ययन करते रहना चाहिए जिससे संस्कृतिक एवं धर्मिक धरोहर को बचाकर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला भारतीय संस्कृति को सभी के समक्ष स्थापित करने के लिए प्रथम कदम है। प्रो. ओम नाथ बिमली ने अपने वक्तव्य में छात्रों की चिति को जागृत करते हुए भारत भूमि में जन्म पाकर इस जन्म को सार्थक करने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने पांडुलिपि के अध्ययन की उपयोगिता पर बल देते हुए बताया कि कैसे वाचस्पति मिश्र के लिखे ग्रन्थ ब्रह्म तत्व समीक्षा की प्रासंगिकता आज के समय में बहुत अधिक है। इससे मिलने वाले लाभ भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए बहुत आवश्यक है, इसलिए भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए आवश्यक है कि हम विभिन्न लिपि सीखते हुए पांडुलिपि संरक्षण करें। विरासत एवं विकास के विषय में उन्होंने बताया कि समाज में अर्जित किए हुए का परित्याग किए बिना हमें आगे बढ़ना चाहिए। प्रो. अंजना शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें कुछ नया सीखते रहना चाहिए। हमारे विषय में किसी स्थापित विषय द्वारा व्याख्या न करके अपितु हमारी वास्तविक परिभाषा के माध्यम से हमें अपना परिचय देना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञानार्जन के विषय में सभी को प्रेरित करते हुए उन्होंने बताया कि पता नहीं कौन सी चाभी किस ताले को खोल दे, इसलिए हमें ज्ञान की महत्ता को समझना चाहिए। प्रो. अनिर्बान दास ने एनएमएम के कार्य को विस्तार से बताया कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन कैसे पांडुलिपि के संरक्षण के लिए कार्यरत है और कैसे इसकी सहायता से शोधार्थी लाभान्वित हो सकते हैं।

इंसानों की बोली की नकल कैसे कर लेते हैं तोतें

हरे रंग और लाल चोंच वाले पालतू पक्षी तोते से तो हम सभी अच्छी तरह से परिचित हैं। तोता मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में पाया जाता हैं किन्तु इसे भारत सहित श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया तथा प्रशांत महासागर के द्वीपों, दक्षिण-पूर्व एशिया व उष्णकटिबंधीय अमेरिका में भी देखा जा सकता है। तोते को उसके वैज्ञानिक नाम 'सिटाक्यूला क्रेमरी' से जाना जाता है। यह एक सुंदर पक्षी है, जिसके गले पर लाल कंठी इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देता है। तोते हरी मिर्च के शौकीन तो होते ही हैं अमरूद आदि फलों को भी ये बड़े चाव से खाते हैं। अमरूदों के पेड़ों पर तो अक्सर ही तोते बैठे हुए देखे जा सकते हैं। अमरूदों के शौकीन इस पक्षी को अमरूदों के पेड़ों पर बैठकर अमरूद खाते तथा गिराते हुए अक्सर देखा जा सकता है।

तोते झुंडों में रहना पसंद करते हैं। मादा तोता पेड़ की खोह या तनों में सुराख बनाकर फरवरी से अप्रैल माह के बीच एक बार में चार से छह या कभी-कभी आठ से 10 तक भी अंडे देती है, जिनमें से अट्ठारह से तीस दिनों में बच्चे बाहर निकल जाते हैं। दुनिया भर में तोतों की तकरीबन 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, ये प्रायः 3.5 से 40 इंच तक लंबे तथा 64 ग्राम से 1.5 किलोग्राम तक वजन के होते हैं। तोते सिर्फ हरे रंग के ही नहीं होते बल्कि इनकी कई प्रजातियां रंग-बिरंगी भी होती हैं, उत्तरी कनाडा में तो सतरंगे तोते भी देखे जा सकते हैं। तोते को उसकी भाषा में टें-टें करते हुए तो हम सभी ने सुना है किन्तु यदि इंसान इसे अपनी भाषा सिखाना चाहे तो यह इंसानों की बात की नकल भी बहुत सुंदर तरीके से कर लेता है। पालतू तोते अपने मालिक की आवाज पहचानते हैं और उनकी बातों की खासी नकल भी कर लेते हैं। तोतों में इंसानों की भाषा की नकल करने का गुण खास होता है जो इसे अन्य पक्षियों से अलग करता है।

तोते झुंडों में रहना पसंद करते हैं। मादा तोता पेड़ की खोह या तनों में सुराख बनाकर फरवरी से अप्रैल माह के बीच एक बार में चार से छह या कभी-कभी आठ से 10 तक भी अंडे देती है, जिनमें से अट्ठारह से तीस दिनों में बच्चे बाहर निकल जाते हैं। दुनिया भर में तोतों की तकरीबन 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, ये प्रायः 3.5 से 40 इंच तक लंबे तथा 64 ग्राम से 1.5 किलोग्राम तक वजन के होते हैं। तोते सिर्फ हरे रंग के ही नहीं होते बल्कि इनकी कई प्रजातियां रंग-बिरंगी भी होती हैं, उत्तरी कनाडा में तो सतरंगे तोते भी देखे जा सकते हैं। तोते को उसकी भाषा में टें-टें करते हुए तो हम सभी ने सुना है किन्तु यदि इंसान इसे अपनी भाषा सिखाना चाहे तो यह इंसानों की बात की नकल भी बहुत सुंदर तरीके से कर लेता है।

तोते इंसानों की भाषा की नकल कर लेते हैं यह बात तो सभी जानते हैं किन्तु वे ऐसा कैसे कर पाते हैं इस बात को लेकर वैज्ञानिक हमेशा से उत्साहित रहे हैं और हाल ही में कई सालों की मेहनत के बाद ड्यूक यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिक यह राज पता लगाने में सफल हो गए हैं कि तोते आखिर हमारी भाषा की हूबहू नकल कैसे कर पाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने तोते के दिमाग में एक खास तरह की संरचना का पता लगाया है जिसकी वजह से वे हमारी भाषा की नकल कर पाते हैं। जर्नल प्लॉस वन में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक तोतों पर यह विशेष शोध यूएस, डेनमार्क और नीदरलैंड के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया, इस शोध में ड्यूक यूनिवर्सिटी की भारतीय मूल की न्यूरोबॉयोलॉजी में एसोसिएट प्रोफेसर मुक्ता चक्रबर्ती भी शामिल रहीं। प्रोफेसर मुक्ता चक्रबर्ती के मुताबिक तोते द्वारा मनुष्यों की बोली की नकल उतार पाने की क्षमता का पता तोते के जीन पैटर्न के अध्ययन से लगाया जा सका। वैज्ञानिकों के अनुसार तोतों का दिमाग बोलना सीखने वाले अन्य पक्षियों से अलग होता है। बोलने वाले पक्षियों में हमिंग बर्ड और सॉन्ग बर्ड भी शामिल हैं।

रिसर्च के मुताबिक बोलने की क्षमता रखने वाले पक्षियों के दिमाग में वोकल लर्निंग को कंट्रोल करने वाला एक केंद्र पाया जाता है, जिसे कोर कहा जाता है, किन्तु तोते के दिमाग में इस कोर के अलावा एक बाहरी रिंग या शेल भी पाई जाती है जो बोलना सीखने में इसकी विशेष मदद करती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि तोतों की कुछ प्रजातियों में तो यह रिंग सामान्य से ज्यादा बड़ी होती है जिसके चलते वे ज्यादा अच्छे तरीके से इंसानों की तरह बोल पाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तोतों की सबसे पुरानी प्रजाति कीया में भी यह बाहरी रिंग पाई जाती है, न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले इस तोते की रिंग संरचना से पता लगाया जा सका है कि इसके शेल में न्यूरॉन्स की संख्या 29 लाख साल पहले पैदा हुई थी।

मोनू की पहली हवाई यात्रा

बचपन से ही मोनू हवाई जहाज देखकर बहुत खुश होता था... यूं तो उसके पास खिलौनों की कमी नहीं थी किन्तु उसके खिलौनों में सबसे ज्यादा संख्या हवाई जहाजों की ही थी। जब कभी भी आसमान से हवाई जहाज के निकलने की आवाज सुनाई पड़ती वह भागकर अपने घर की बालकनी या छत पर जा पहुंचता और देर तक दूर जाते हवाई जहाज को निहारता रहता। कई बार तो वह हाथ हिलाकर हवाई जहाज में जा रहे यात्रियों को अपनी छत से ही टाटा भी करता। मोनू अब बड़ा हो चला था, वह कक्षा पांच में आ गया था किन्तु आज भी एअरप्लेन के प्रति उसका आकर्षण कम नहीं हुआ था.... आज वह बहुत खुश था उसके हवाई जहाज में बैठने के सपने को पंख मिलने वाले थे। मोनू के पिताजी उसे पूरे परिवार के साथ पहली बार हवाई यात्रा पर ले जा रहे थे। जैसे ही यात्रा के टिकिट आए मोनू जल्दी-जल्दी पिताजी के साथ मिलकर सफर की तैयारी में लग गया। अगले दिन उन्हें हवाई जहाज में सफर करना था। अगले दिन मोनू और उसका पूरा परिवार मां, पिताजी व छोटा बेबी सफर में जाने के लिए तैयार थे। सभी सामान कार में एअरपोर्ट पर जाने के लिए तैयार हो गया... घर पर ताला लगने से पहले ही मोनू को याद आया कि छोटे बेबी को कल से हल्का बुखार था जिसकी दवाइयां मां ने अपने पर्स में रख ली थीं... कुछ सोचकर मोनू मां के कमरे में गया और वहां रखे थर्मामीटर को अपनी जेब में रख लाया। मोनू सहित सभी एअरपोर्ट पर रवाना हो गए। एअरपोर्ट पर प्रवेश करते ही उनकी चेकिंग हुई। मोनू की जेब में रखे थर्मामीटर को वहीं निकाल लिया गया। मोनू आश्चर्यचकित था, वह रूआंसा मुंह बनाकर बोला लेकिन छोटे बेबी को बुखार है, थर्मामीटर की जरूरत होगी। सामान चेकर ने एक हल्की सी स्माइल दी और मोनू के पिताजी ने मोनू को हाथ पकड़कर बिना थर्मामीटर के ही आगे चलने को कहा। मोनू ने पिताजी से पूछा- ''लेकिन पिताजी हम थर्मामीटर साथ में क्यों नहीं ले जा सकते।''

पिताजी ने मोनू से कहा ''बेटे, हवाई जहाज के छूटने का समय हो रहा है, हमें अभी जल्दी चलना चाहिए, बाकी बात बाद में करेंगे।'' वे सभी समय पर अपनी सीट पर बैठ गए कुछ ही सेकिंड में प्लेन उड़ान भरने लगा। एअरप्लेन में बैठने के बाद मोनू के खुशी की सीमा न थी परन्तु अभी भी उसके मन में थर्मामीटर को लेकर प्रश्न उठ रहे थे। मोनू ने पास ही सीट पर बैठे अपने पिताजी से पूछा-''लेकिन पिताजी हमें थर्मामीटर क्यों नहीं लाने दिया गया।''

मोनू के पिताजी अब सहज हो चुके थे, बच्चे की जिज्ञासा को वे समझते थे... उन्होंने उसे बताया कि बेटा थर्मामीटर के अंदर पारा भरा होता है जिससे एअरप्लेन को खतरा रहता है। एअरप्लेन की बॉडी एल्युमीनियम से बनी होती है, एल्युमीनियम बहुत रिऐक्टिव पदार्थ है यहां तक की यह वायु के संपर्क में आकर ऑक्सीजन से भी रिएक्ट कर लेता है... किन्तु तब इसे नुकसान नहीं हो पाता क्योंकि यहां एल्युमीनियम ऑक्सीजन के संपर्क में आने से एल्यूमीनियम ऑक्साइड की एक परत बना लेता है जो वायुयान के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। किन्तु यदि गलती से भी थर्मामीटर में प्रयुक्त पारा इसके संपर्क में आ जाता है तो एल्युमीनियम का यह सुरक्षा कवच टूट जाता है और तब पारा एल्युमीनियम की परत को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है, इससे विमान की बॉडी को भारी क्षति की संभावना हो जाती है और चूंकि इस प्रक्रिया में काफी गर्मी उत्पन्न होती है इससे विमान के फ्यूल टैंक में भी आग लगने का खतरा बन जाता है। यही वजह है कि एअरप्लेन में सफर करते समय थर्मामीटर ले जाने के लिए मना किया जाता है। मोनू बहुत ध्यान से पिताजी की बात सुन रहा था, उसे समझ में आ गया कि वह कितनी बड़ी गलती करने जा रहा था। आज हवाई जहाज में यात्रा के आनंद के साथ ही उसे एक खास जानकारी भी मिली थी, वह बहुत खुश था।

कान नहीं, मुंह से सुनता है

दुनिया का सबसे छोटा मेंढक

वनों में पाया जाने वाला गार्डिनर मेंढक दुनिया का सबसे छोटा मेंढक है। सेचल प्रजाति के इस मेंढक के मध्य कान नहीं होते जिसके कारण अब तक यही अनुमान था कि यह मेंढक सुन नहीं सकता। किन्तु हाल ही में एक अध्ययन से पता चला है कि यह मेंढक अपने मध्य कानों से नहीं बल्कि मुंह से सुनता है। ध्वनि संकेतों को यह मुंह के जरिए अपने मस्तिष्क तक पहुंचाता है। प्रोसीडिंग्ज़ ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित इस अध्ययन में शोध से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक नेचर प्रोटेक्शन ट्रस्ट ऑफ सेशेल्स के सदस्य जस्टिन जेरलॉक ने कहा कि गार्डिनर मेंढकों के तेज टर्राने को लेकर वैज्ञानिक असमंजस में थे कि यदि ये मेंढक सुन नहीं पा रहे होते तो उनके तेज आवाज में टर्राने का कारण क्या है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ध्वनि को सुनने के लिए मध्य कान का होना आवश्यक है जिसके पर्दे पर होने वाली कंपन से आवाज को सुना जा सकता है। कान जैसी कोई संरचना गार्डिनर मेंढकों में नहीं

ये मेंढक ध्वनि को कैसे सुन पा रहे हैं जानने के लिए वैज्ञानिकों ने अत्याधिक संवेदनशील एक्स-रे चित्रण का सहारा लिया। अध्ययन में पाया गया कि मेंढक की तेज आवाज की फ्रीक्वेंसी के अनुरूप ही उनके मुंह की गुहिका प्रतिध्वनि करती है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि इस मेंढक के मुंह और आंतरिक कर्ण के बीच उतकों की बेहद पतली परत होती है जिसके जरिए ध्वनि तरंगें उसके मस्तिष्क तक पहुंच पाती हैं और इस तरह ये मेंढक ध्वनि को सुन पाते हैं।

मेंढकों की आवाज जंगल में विशेष है, यह बहुत तीखी आवाज में टर्राते हैं। इन ने प्रयोग किया तो वे अचंभे में थे। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि ये मेंढक मध्य कान के न होते हुए भी अपने साथी मेंढकों की टर्राहट पर प्रतिक्रिया दे पा रहे थे, मेंढकों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट था कि अवश्य ही इन मेंढकों की संरचना में कुछ विशेषता है जिससे ये ध्वनि को सुन पा रहे हैं। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि तेज टर्राहट की ध्वनि को सुनकर गार्डिनर मेंढक या तो अपनी जगह बदल लेते हैं या स्वयं भी टर्राहट उत्पन्न करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि गार्डिनर मेंढकों की इस विशेषता को भविष्य में बहरे इंसानों के इलाज के लिए इस्तेमाल कर उनका बहरापन दूर करने में मदद ली जा सकेगी।

गीतू और मीतू के स्कूल में एक खेल का मैदान है।

हम सबके स्कूलों में खेल का मैदान होता है। खेल के मैदान में सब बच्चे खेलते हैं। कभी झूला झूलते हैं कभी फिसलपट्टी पर फिसलते हैं। चोर सिपाही भी खेलते हैं। और भी बहुत से खेल खेलते हैं। खेल खेलना सबको अच्छा लगता है।

इस समय खाने की छुट्टी है। मीतू खेल के मैदान में रस्सी कूद रही है। गीतू अपनी बारी का इंतजार कर रही है। जब मीतू बीस तक रस्सी कूद लेगी तब गीतू बीस तक रस्सी कूदेगी। कुछ बच्चों को रस्सी कूदना आता है। कुछ बच्चों को रस्सी कूदना नहीं आता। रस्सी कूदना अच्छा खेल है।

जब पढाई की घंटी बजेगी तब गीतू और मीतू रस्सी कूदना बंद कर देंगी। फिर वे कक्षा में पढाई करेंगी।

हस्य कार्टून : बाल महिषासुर

हवा क्यों बहती है ?

पृथ्वी के चारों ओर रहनेवाली हवा हमेशा चलती रहती है। गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा नीचे आती है। जैसे ही गर्म हवा ऊपर उठती है, उसकी खाली की हुई जगह को भरने के लिए ठंडी हवा नीचे आती है।

सूर्य की गरमी से धरती और समुद्र के अलग अलग हिस्से अलग अलग समय पर गरम होते हैं। और इस तरह धरती पर हवा का बहना जारी रहता है।

आक्सीजन

हवा के बड़े हिस्से को एअर मास या वायु संहिति कहते हैं। यह अपने पास स्थित धरती या समुद्र के जिस हिस्से के ऊपर से गुज़रता है उसी स्थान के तापमान के अनुसार गर्म, सूखा, ठंडा या नम हो जाता है।

नाइट्रोजन

बहुत तेज़ हवाओं को तूफ़ान कहते हैं। जब ये गोलाकार घूमते हुए आगे बढती हैं तो घरों की छतें उड़ जाती हैं और समुद्र में बड़ीड्डबड़ी लहरें उठने लगती हैं। ऐसे तूफ़ान आमतौर पर गर्म और नम मौसम वाले स्थान से शुरू होते हैं। कभी कभी बहुत गर्मी पड़ती है और उमस महसूस हेती है। ऐसे में पतंग भी ठीक से नहीं उड़ती। पतंग हल्की हवा में अच्छी उड़ती है।

15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप- चौथे दिन के मुकाबलों में उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़ और केरल की जीत

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के चौथे दिन कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां हॉकी उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ हॉकी और हॉकी चंडीगढ़ ने डिवीजन 'बी' में जीत दर्ज की, जबकि केरल हॉकी ने डिवीजन 'सी' में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। डिवीजन 'बी' के मुकाबलों में हॉकी उत्तराखंड ने तेलंगाना हॉकी को 1-0 से हराया। वर्तिका रावत (45' मिनट) ने मैच का एकमात्र गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। वहीं, छत्तीसगढ़ हॉकी ने दिल्ली हॉकी को 2-1 से शिकस्त दी। दिल्ली की सोनाली (8' मिनट) ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन लीना कोसरे (22' मिनट) और लहरे ममतेश्वरी (43' मिनट) ने गोल दागकर छत्तीसगढ़ हॉकी को मुकाबला जिताया। तीसरे मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ ने हॉकी हिमाचल को 4-1 के बड़े अंतर से हराया। मैच में चंडीगढ़ की सोनू (30', 42' मिनट) ने दो गोल किए, जबकि रवीना रानी (17' मिनट) और कप्तान राखी (59' मिनट) ने एक-एक गोल दागा। हॉकी हिमाचल की ओर से भूमिका चौहान (36' मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

भारत से मिली हार के बाद बोले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ- मेरा विकेट गलत समय पर गिरा

दुबई। मैच के बाद स्मिथ ने कहा, मेरा प्लान तेज गेंदबाजों पर दबाव बनाने और स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करने का था, लेकिन मैं इसे अच्छे से लागू नहीं कर पाया। मेरा विकेट गलत समय पर गिरा। अगर मैं थोड़ी देर और टिकता, तो हम 300 के करीब पहुंच सकते थे। एलेक्स कैरी अच्छा खेल रहा था। यह निराशाजनक था, लेकिन क्रिकेट में ऐसा होता है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 265 रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन स्मिथ को लगा कि यह पिच टूर्नामेंट की सबसे बल्लेबाजी अनुकूल पिच थी और उनकी टीम को बड़ा स्कोर बनाना चाहिए था। उन्होंने कहा, हमें 300 के पार स्कोर करने के मौके मिले थे, लेकिन हम महत्वपूर्ण मौकों पर एक विकेट ज्यादा गंवा बैठे। अगर किसी एक साझेदारी को और लंबा खींच पाते, तो 290-300 तक पहुंच सकते थे और भारत पर दबाव बना सकते थे।

इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग भी खराब रही। उन्होंने रोहित शर्मा के दो कैच छोड़े और विराट कोहली का कैच भी 51 रन पर टपका दिया। हालांकि, ये सभी कैच मुश्किल थे। स्मिथ ने कहा, जब आपके पास सिर्फ 260 रन का स्कोर हो, तो हर मौके को भुनाना जरूरी होता है। लेकिन ऐसा होता है, कोई भी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता। ये खेल का हिस्सा है।

आईपीएल की जंग के लिए धौलाधार की वादियों में पसीना बहा रहे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी

धर्मशाला। आईपीएल सीजन शुरू होने से पूर्व पंजाब किंग्स के खिलाड़ी धौलाधार की वादियों में ठंडे मौसम के बीच पसीना बहा रहे हैं। एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में मंगलवार से पंजाब किंग्स की टीम प्रैक्टिस के लिए उतरी। पंजाब के खिलाड़ी आईपीएल मैचों से पूर्व अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में तैयारियों के लिए 5 दिवसीय अभ्यास सत्र के लिए यहां पंहुचे हैं। टीम के स्टार खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह और युजवेंद्र चहल सहित 11 सदस्य कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। वे अपनी रणनीतियों को और बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। इस दौरान एचपीसीए के खिलाड़ी भी पंजाब किंग्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं।

धर्मशाला स्टेडियम में स्टार क्रिकेटरों को देखने के लिए प्रशंसक भी पहुंच रहे हैं। युवा फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए लंबा इंतजार कर रहे हैं। दर्शक दीर्घा में बैठे लोग मोबाइल से फोटो और वीडियो बना रहे हैं। हालांकि इस दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत आम लोगों को खिलाड़ियों से मिलने की इजाजत नहीं दी जा रही। पंजाब किंग्स की टीम अगले 3 दिनों तक धर्मशाला में प्रैक्टिस करेगी। मौसम अनुकूल रहा तो इस दौरान अभ्यास मैच भी खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने महान स्पिनर पद्माकर शिवलकर के निधन पर शोक व्यक्त किया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महान बाएं हाथ के स्पिनर पद्माकर शिवलकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शिवलकर का निधन हो गया। वे भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गजों में गिने जाते थे और अपनी शानदार गेंदबाजी के लिए प्रसिद्ध थे।

शिवलकर ने 124 प्रथम श्रेणी मैचों में 589 विकेट लिए, उनका गेंदबाजी औसत 19.69 रहा। उन्होंने 1972-73 के रणजी ट्रॉफी फाइनल में 8/16 और 5/18 के आंकड़े के साथ मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) को तमिलनाडु के खिलाफ खिताबी जीत दिलाई। वे अपनी सटीक लाइन-लेंथ, फ्लाइट और टर्न के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी गेंदबाजी में इतनी विविधता और चतुराई थी कि दिग्गज बल्लेबाज भी उन्हें खेलने में संघर्ष करते थे। उन्होंने अपने 40वें दशक तक शानदार गेंदबाजी जारी रखी। शिवलकर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं हो सका, क्योंकि उनके समय में बिशन सिंह बेदी जैसे महान स्पिनर भारतीय टीम का हिस्सा थे।

ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर भारत चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में

एजेंसी

दुबई। मोहम्मद शमी (तीन विकेट) वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा (दो-दो) विकेट की शानदार गेंदबाजी के बाद विराट कोहली (84), केएल राहुल (नाबाद 42) और श्रेयस अय्यर (45) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में 11 गेंदें शेष रहते ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 265 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 43 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। शुभमन गिल (आठ) और कप्तान रोहित शर्मा (28) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। 27वें ओवर में एडम जम्पा ने श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर इस

साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंदों में (45) रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल (27) को नेथन एलिस ने बोल्ड किया। 43वें ओवर में एडम जम्पा ने शतक की ओर बढ़ रहे विराट कोहली को आउटकर भारत को पांचवां झटका दिया। विराट कोहली ने 98 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (84) रनों की पारी खेली। तूफानी बल्लेबाजी कर रहे हार्दिक पंड्या को 48वें ओवर में नेथन एलिस ने मैक्सवेल के हाथों कैच आउट कराकर ऑस्ट्रेलिया को छठी सफलता दिलाई। हार्दिक ने 24 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए (28) रनों की पारी खेली। के एल राहुल ने 34 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 42) रन बनाये। रवींद्र जडेजा (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 48.1 ओवर में छह विकेट पर 267 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। इसी के साथ भारत टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा और नेथन एलिस ने दो- दो विकेट लिये। बेन ड्वारशिवस और कूपर कॉनोली ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने चार रन के स्कोर पर कूपर कॉनोली (शून्य) का विकेट गवां दिया। कूपर कॉनोली को मोहम्मद शमी ने आउट किया। इसके बाद कप्तान स्टीव स्मिथ ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

व्यक्तिगत उलब्धियां मेरे लिये मायने नहीं रखती : कोहली

एजेंसी

दुबई । भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज और चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल के 'प्लेयर ऑफ द मैच' विराट कोहली ने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां मेरे लिये मायने नहीं रखती। ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में विराट कोहली ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच जैसा ही प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि मैं बस परिस्थिति के हिसाब से खेलना चाहता था क्योंकि इस पिच पर साझेदारी बेहद जरूरी थी।मैंने हड़बड़ी नहीं दिखाई। मैंने जो सिंगल्स लिए, वही मेरे लिए सबसे संतोषजनक हिस्सा था। मैं अपने खेल से खुश था।

उन्होंने कहा कि जब एक बल्लेबाज के तौर पर गैप निकालने में सक्षम होते हैं तब बात कुछ और होती है। अगर हाथ में विकेट शेष हों तो रन रेट मायने नहीं रखता क्योंकि विपक्षी टीम को भी पता होता है कि मैच जीतने के लिए विकेट ही जरूरी है। विराट ने अपनी फॉर्म को लेकर सवाल के जवाब में कहा कि मुझे नहीं पता। यह आप लोगों पर निर्भर करता है कि आप इसे किस तरह

आंकते हैं। मैंने कभी इन चीजो पर ध्यान नहीं दिया। टीम के लिए मैच जीतना सबसे जरुरी है, व्यक्तिगत उपलब्धियां मेरे लिए मायने नहीं रखतीं और मैंने अपने पूरे करियर में यही किया है।

टाटा आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत, टिकटों की बिक्री शुरू

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने टाटा आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत की है, जिसके लिए टिकटों की बिक्री पांच मार्च से शुरू होगी।

गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने यहां जारी एक बयान में कहा कि टाटा आईपीएल 2025 के एक और धमाकेदार सीजन के लिए उत्साह के साथ, गुजरात टाइटन्स (जीटी) दुनिया के सबसे बड़े नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने घरेलू मैचों के लिए प्रशंसकों और दर्शकों का स्वागत करता है। गुजरात फ्रैंचाइज़ी ने बुधवार, पांच मार्च से लाइव होने वाले ऑनलाइन टिकटों की घोषणा की है। डिस्ट्रिक्ट बाय ज़ोमैटो आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है और प्रशंसक गुजरात टाइटन्स (जीटी) ऐप और डिस्ट्रिक्ट ऐप पर ऑनलाइन टिकट खरीद सकते हैं।

गुजरात राज्य की भावना और बढ़ते वैश्विक फैन्स बेस के प्यार और समर्थन के आधार पर, गुजरात टाइटन्स अहमदाबाद में अपने घरेलू मैचों के साथ एक और रोमांचक सीज़न के लिए तैयार है। टिकटिंग का पहला चरण ऑनलाइन खरीद के लिए लाइव होगा, जहाँ प्रशंसक और खेल प्रेमी अपनी मनचाही जगह पा सकेंगे। टीम टिकट बुकिंग को सहज बनाने के लिए कदम उठा रही है और जल्द ही ऑफलाइन टिकटों की उपलब्धता की स्पष्ट घोषणा करेगी। श्री सिंह ने कहा कि प्रशंसक किसी भी टीम की रीढ़ होते हैं और यह सुनिश्चित करना कि उन्हें एक संपूर्ण अनुभव मिले, हमारी प्राथमिकता है। जब से हमने अपने घरेलू स्टेडियम 'नरेंद्र मोदी स्टेडियम' में खेलना शुरू किया है, हमने इस बात पर पूरा ध्यान दिया है कि हम प्रशंसकों और दर्शकों के लिए मैच देखने के अनुभव को कैसे बेहतर बना सकते हैं। पिछले साल, हमने 90 प्रतिशत से अधिक टिकट ऑनलाइन खरीदे थे और हमारे प्रशंसकों को घर पर डिलीवर किए थे।

चूंकि 2025 का सीजन शुरू होने वाला है, इसलिए हम एक मल्टी-मॉडल टिकटिंग सिस्टम लेकर आए हैं जो हमारे प्रशंसकों को उनके टिकट प्राप्त करने से लेकर स्टेडियम में उनके समय का आनंद लेने तक एक सहज अनुभव देगा।

उन्हें चरणबद्ध तरीके से टिकटों से लेकर अन्य रोमांचक इन-स्टेडियम गतिविधियों तक सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि उन्हें आसानी हो और वे बड़ी संख्या में आ सकें और स्टेडियम में सर्वोत्कृष्ट ''आववा दे भावना ला सकें।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने खेले गए सेमीफाइनल में 73 रनों की पारी भी खेली, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया को जीत नहीं दिला पाए और टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल स्मिथ टेस्ट और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे। अपने वनडे करियर को अलविदा कहते हुए स्मिथ ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा कि यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने हर पल का आनंद लिया। दो विश्व कप जीतना अविश्वसनीय अनुभव

था। अब 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का सही समय है, इसलिए मुझे लगता है कि यह वनडे से संन्यास लेने का उपयुक्त अवसर है। उन्होंने आगे कहा कि टेस्ट क्रिकेट अभी भी मेरी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल, वेस्टइंडीज दौरे और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस प्रारूप में देने के लिए बहुत कुछ है। स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल वनडे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर के रूप में अपना वनडे डेब्यू किया था। बाद में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज बन गए। अपने वनडे करियर में उन्होंने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किए। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 की विश्व कप विजेता टीमों का अहम हिस्सा रहे। उन्होंने 64 वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी।

उत्तराखंड, केरल, चंड़ीगढ़ और छत्तीसगढ़ ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के चौथे दिन उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, केरल और हॉकी चंडीगढ़ ने अपने-अपने खेलों में जीत हासिल की। दिन के पहले मैच में उत्तराखंड ने तेलंगाना हॉकी को डिवीजन 'बी' में 1-0 से हराया। वर्तिका रावत ने (45वें) मिनट में उत्तराखंड के लिए मैच का एकमात्र गोल करके तेलंगाना हॉकी को जीत दिलाई।

दूसरे मैच में, छत्तीसगढ़ ने डिविजन 'बी' में दिल्ली को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराया। दिल्ली हॉकी के लिए मैच का पहला गोल सोनाली ने (आठवें) मिनट में किया। इसके जवाब में छत्तीसगढ़ के लिए लीना कोसरे ने (22वें) और लहरे ममतेश्वरी ने (43वें) मिनट गोल किए यह टूर्नामेंट में

छत्तीसगढ़ की दूसरी जीत हैं।

डिविजन 'बी' के दूसरे मैच में चंडीगढ़ ने हिमाचल को 4-1 से हराया। चंड़ीगढ़ के लिए सोनू ने (30वें, 42वें) मिनट में गोल किए, जबकि रवीना रानी ने (17वें) और कैप्टन राखी ने (59वें) मिनट गोल करके अंतिम सीटी बजने तक कुल चार गोल किए। दूसरी ओर, भूमिका चौहान ने (36वें) मिनट हॉकी हिमाचल के लिए सांत्वना गोल किया।

डिविजन 'सी' के पहले मैच में, केरल हॉकी ने दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी को करीबी मुकाबले में 3-2 से हराया। हाफ टाइम ब्रेक के बाद दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी के लिए बघेल वैष्णवी ने (33वें) तथा सत्य गुप्ता ने (39वें) मिनट एक-एक गोल किया। वहीं, केरल हॉकी के लिए स्वेता एस ने (22वें) मिनट में खाता खोला। कविता ने (51वें) मिनट गोलकर स्कोर बराबर कर दिया। कप्तान अंजू शाजी ने (55वें) मिनट में गोलकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

चैंपियंस लीग : बार्सिलोना और बेनफिका के बीच रोमांचक मुकाबले की तैयारी

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना बुधवार को चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण के मुकाबले के लिए लिस्बन में पुर्तगाली क्लब बेनफिका का सामना करेगा। यह मैच ग्रुप चरण में हुई रोमांचक भिड़ंत के दो महीने बाद खेला जा रहा है, जिसमें बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए 5-4 से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में बार्सिलोना 3-1 और 4-2 से पीछे था, लेकिन अंतिम पलों में राफिन्हा के गोल ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक की टीम जनवरी के अंत से जबरदस्त फॉर्म में है और वर्तमान में स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है। टीम के पास एटलेटिको मैड्रिड पर एक अंक और रियल मैड्रिड पर तीन अंकों की बढ़त है। बार्सिलोना ने रियल सोसिएदाद को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में 17वें मिनट में विपक्षी डिफेंडर एरिट्ज़ इलुस्टोंडो के रेड कार्ड के बाद बार्सिलोना ने आसानी से जीत हासिल की।

इस दौरान फ्लिक ने पाउ कुबर्सी, पेड्री, राफिन्हा, डैनी ओल्मो और रोनाल्ड अराउजो को आराम दिया, जबकि डिफेंडर इनिगो मार्टिनेज पूरे मैच में बेंच पर रहे। के मुकाबले में पेड्री, राफिन्हा और डैनी ओल्मो की वापसी तय मानी जा रही है, जबकि फ्रेंकी डी जोंग के मिडफील्ड में मार्क कासाडो की जगह खेलने की संभावना है। बेनफिका के कोच ब्रूनो लैगे को कई खिलाड़ियों की चोटों की समस्या से जूझना पड़ रहा है। अलेक्जेंडर बाह, रेनेटो सांचेस, मनु सिल्वा और टियागो गोविया इस मुकाबले से बाहर हैं। इसके अलावा, अनुभवी विंगर एंजेल डि मारिया भी मांसपेशियों की चोट के कारण बाहर हो सकते हैं।

भारत करेगा दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 29 मार्च से शुरू होने वाली दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और योगासन भारत के सहयोग से 29 से 31 मार्च तक इंदिरा गांधी एरिना में दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप आयोजित किये जाने घोषणा की।

एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ संगठन के समर्थन प्राप्त इस चैंपियनशिप में 16 देशों के एथलीट भाग लेंगे। चैंपियनशिप का उद्देश्य अपनी समृद्ध विरासत और गहरे सांस्कृतिक महत्व को अपनाते हुये योगासन को एक खेल के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ावा देना है और योगासन को विश्व स्तर पर एक खेल के रूप में बढ़ावा देना और ओलंपिक में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल करने की दिशा में एक रोडमैप बनाना है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख

सत्यमेव जयते
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS
Government of India

मांडविया ने योग की वैश्विक यात्रा को लेकर कहा, भारत, योग की जन्मस्थली होने के नाते, दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप की मेजबानी करते हुए अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा है। यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हमारे प्राचीन योगिक ज्ञान के आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल में रूपांतरित होने का उत्सव है। हम योगासन को एक वैश्विक खेल अनुशासन के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, यह चैम्पियनशिप उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके जरिये हम न केवल योगासन के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि इसके शारीरिक और मानसिक रूप से जीवन को रूपांतरित करने की शक्ति को भी उजागर कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि यह चैम्पियनशिप अत्यंत सफल होगी और भारत के नेतृत्व में विश्वभर में समग्र कल्याण और संतुलित जीवन के सिद्धांतों को एक नयी दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर एशियाई योगासन के अध्यक्ष डॉ. संजय मालपानी ने कहा, दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप योगासन को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने के हमारे मिशन में एक निर्णायक क्षण है। हम आधुनिक एथलेटिक उत्कृष्टता के साथ परंपरा का मिश्रण देख रहे हैं। यह चैंपियनशिप इस बात का सबूत है कि योगासन सिर्फ एक अभ्यास नहीं है, बल्कि एक प्रतिस्पर्धी खेल है, जो सटीकता, सहनशक्ति और कलात्मकता की मांग करता है। प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रत्येक एथलीट के साथ, हम योगासनों को विश्व मंच पर उचित स्थान दिलाने के एक कदम और करीब पहुंचते हैं।

हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण में वाणी को स्नेहा से मिलेगी कड़ी चुनौती

एजेंसी

गुरुग्राम। हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के पांचवें चरण में अनुभवी वाणी कपूर अपनी शानदार लय बरकरार रखने उतरेंगी। वाणी ने पिछले महीने चौथे चरण में रोमांचक जीत दर्ज की थी और अब क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में होने वाले इस टूर्नामेंट में एक और खिताब अपने नाम करने की कोशिश करेंगी। इस टूर्नामेंट में कुल 38 खिलाड़ी भाग ले रही हैं, जिसमें 5 एमेच्योर गोल्फर भी शामिल हैं। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 16 लाख रुपये रखी गई है। वाणी को इस बार कड़ी चुनौती स्नेहा सिंह से मिलने की संभावना है, जो इस सीजन में दो खिताब जीतकर हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर बनी हुई हैं।

बीजिंग हाफ मैराथन में दौड़ेंगे ह्यूमनॉइड रोबोट

एजेंसी

बीजिंग। इस साल अप्रैल में होने वाले बीजिंग हॉफ मैराथन में मानवरूपी (ह्यूमनॉइड) रोबोट हिस्सा लेंगे, जबकि अगस्त में ह्यूमनॉइड रोबोट खेल प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी बीजिंग नगर सरकार के सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी गई। यह हाफ मैराथन बीजिंग के दक्षिण-पूर्व में स्थित बीजिंग आर्थिक-तकनीकी विकास क्षेत्र में 13 अप्रैल को होगी। इस प्रतियोगिता में रोबोट और मानव एथलीट एक ही मार्ग पर दौड़ेंगे, लेकिन रोबोटों के लिए अलग ट्रैक निर्धारित किया जाएगा।

इन ट्रैकों को बैरियर या ग्रीन बेल्ट से सुरक्षित किया जाएगा, जिससे मानव और रोबोट दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रतियोगिता के लिए रोबोटों के लिए अधिकतम समय सीमा 3 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। इस दौरान टीमें बैटरी बदलने या रिले फॉर्मेट में रोबोट बदलने की अनुमति प्राप्त करेंगी। अंतिम मूल्यांकन में समय और प्रतिस्थापन

की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा, जहां प्रत्येक प्रतिस्थापन पर 10 मिनट का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। प्रतिभागी रोबोटों को ह्यूमनॉइड डिजाइन का होना आवश्यक है और वे केवल द्विपाद चाल (बाइपेडल वॉकिंग या रनिंग) में सक्षम होने चाहिए। पहिएदार रोबोटों को इस प्रतियोगिता में अनुमति नहीं होगी। नियंत्रण विधियों में मैनुअल रिमोट कंट्रोल (अर्ध-स्वायत्त सहित) या पूर्ण स्वायत्त संचालन शामिल हो सकते हैं। टीमें यह सुनिश्चित करेंगी कि उनके रोबोट ट्रैक, अन्य रोबोटों या आसपास के लोगों को नुकसान न पहुँचाएं और वे निर्दिष्ट मार्ग और सभी तकनीकी नियमों का पालन करें।

प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले रोबोट को क्रमशः 5,000, 4,000 और 3,000 युआन (लगभग 697, 558 और 418 अमेरिकी डॉलर) का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, अन्य विशेष पुरस्कार जैसे 'कम्प्लीशन अवॉर्ड', 'बेस्ट एंड्योरेंस अवॉर्ड' और 'मोस्ट क्रिएटिव डिज़ाइन अवॉर्ड' भी प्रदान किए जाएंगे।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए पाकिस्तान की टीम टी-20 से बाहर हुए बाबर,रिजवान

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के साथ होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए कप्तान मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया है। चयनकर्ताओं ने चैंपियंस ट्रॉफी से पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए घोषित टीम में कई बदलाव किये है। जिसके तहत रिजवान और बाबर आजम को पाकिस्तान की टी-20 टीम से बाहर कर दिया है। सलमान आगा को टी-20 कप्तानी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा टीम में शादाब खान की वापसी हुई है उन्हें उप-कप्तान बनाया गया है। हालांकि एकदिवसीय श्रृंखला के लिए मोहम्मद रिजवान की कप्तानी बरकरार रखी गई। लेकिन शाहीन अफरीदी को बाहर कर दिया गया है। घरेलू टी20 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले 27 वर्षीय बड़े हिटर बल्लेबाज अब्दुल समद टीम में शामिल किया गया हैं। क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बल्लेबाज ओमैर यूसुफ को टीम में जगह दी है।

एकदिवसीय टीम में अफरीदी को बाहर करने के अलावा कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। वह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज में

पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। रिजवान एकदिवसीय टीम के कप्तान बने रहेंगे और बाबर को भी टीम में बरकरार रखा गया हैं। अब्दुल्ला शफीक टीम में वापसी हुई हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अकिफ जावेद को एकदिवसीय टीम में पहली बार चुना गया है जबकि सुफियान मुकीम की भी वापसी हुई है।

पाकिस्तान 16 मार्च से न्यूजीलैंड में पांच टी-20 मैच खेलेगा और उसके बाद तीन एकदिवसीय मैच की सीरीज होगी।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए घोषित पाकिस्तान टी-20 टीमः हसन नवाज, ओमैर यूसुफ, मोहम्मद हारिस, अब्दुल समद, सलमान आगा (कप्तान), इरफान नियाजी, खुशदिल शाह, शादाब खान, अब्बास अफरीदी, जहांदाद खान, मोहम्मद अली, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद और उस्मान खान।

पाकिस्तान एकदिवसीय टीमः मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान आगा, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम जूनियर, इरफान नियाजी, नसीम शाह, सुफियान मुकीम और तय्यब ताहिर।

उर्फी जावेद क्या चीज है...?

उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हाल ही में पेरिस के एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं. एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट से एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया. इस खास मौके पर उर्वशी ने एक ऐसी ड्रेस पहनी, जिसके बाद उनके फैशन सेंस को लेकर लोग उन्हें ट्रोल करने लगे.

का ये लुक देख फैंस रह गए हैरान, गार्डन ड्रेस पर नेटिजन्स ने लिए मजे

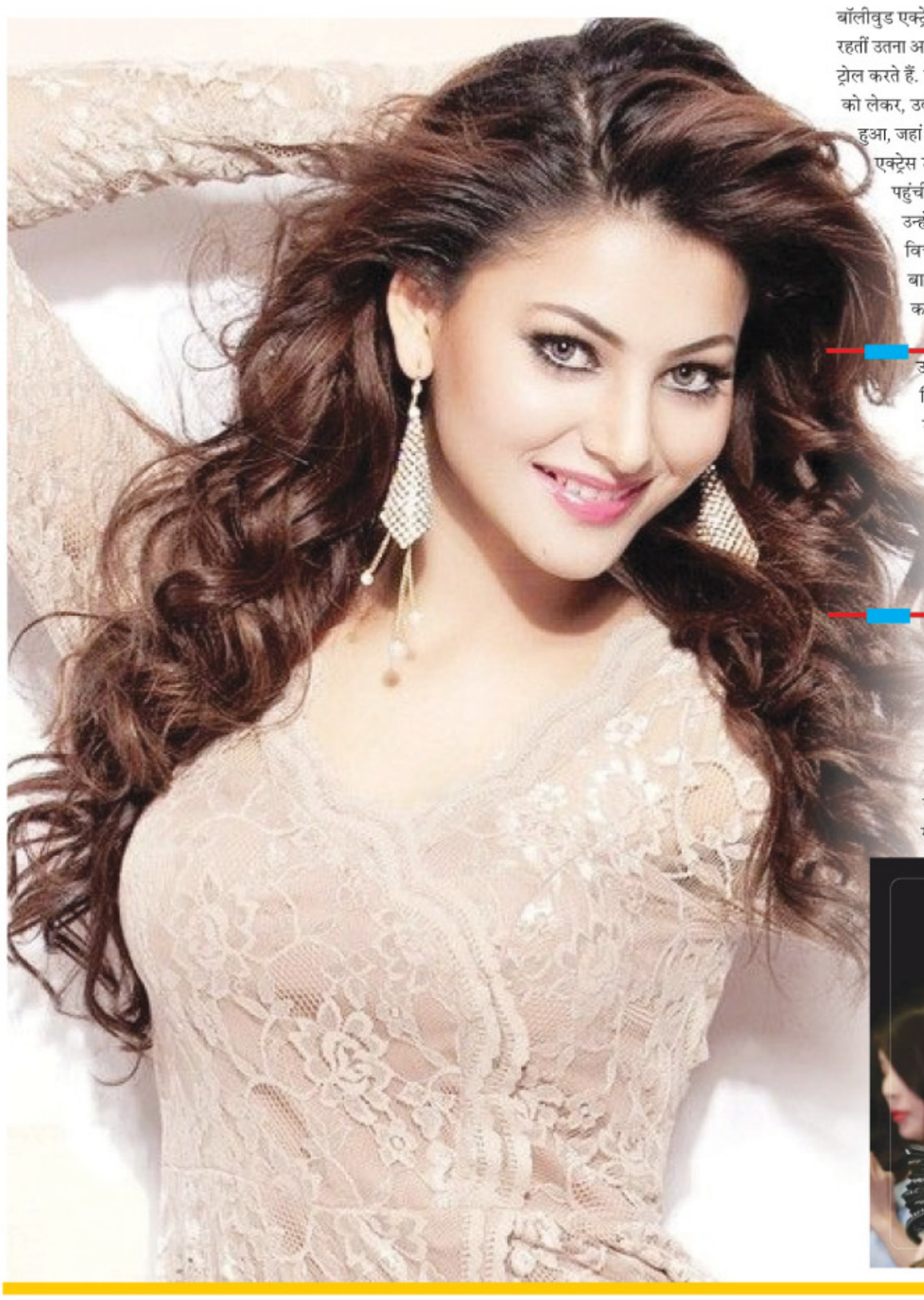

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला जितना अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में नहीं रहतीं उतना अपने बयानों या फिर कपड़ों को लेकर रहती हैं. अक्सर नेटिजन्स उन्हें ट्रोल करते हैं. कभी उनकी फिल्म के डांस सीक्वेंस के लिए तो कभी अपने बयानों को लेकर, उर्वशी अक्सर लोगों के निशाने पर रहती हैं. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जहां उर्वशी अपनी एक ड्रेस के लिए बुरी तरह से ट्रोल हो गईं.

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हाल ही में पेरिस के एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं. एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट से एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया. उन्होंने फ्रेंच में पोस्ट को कैप्शन दिया, "पेरिस, हमेशा एक अच्छा विचार". इस खास मौके पर उर्वशी ने एक ऐसी ड्रेस पहनी, जिसके बाद उनके फैशन सेंस को लेकर लोग उन्हें ट्रोल करने लगे. एक्ट्रेस ने कार्यक्रम में 3D फ्लोरल डिजाइन वाली ड्रेस पहनी थी.

कैसी थी उर्वशी की ड्रेस?

उर्वशी ने ब्लैक और गोल्डन कलर की ये ड्रेस पहनी थी जिसपर 3D प्रिंट था. उनकी ड्रेस पर दो बड़े से गोल्ड रोस बने थे. इसके साथ ही उर्वशी ने बालों में हाई पोनी टेल बनाया था. साथ ही उन्होंने गोल्डन आईशैडो और हेवी आई मेकअप किया था. बालों में उर्वशी ने एक क्राउन पहनकर अपना लुक कम्पलीट किया. अब उनके इस वीडियो पर नेटिजन्स मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं. लोगों ने लिखा कि उर्वषी पहली ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने खुद को ही गार्डन बना लिया.

शालिनी पासी से कंपैरिजन

वहीं कुछ लोगों ने उर्वशी की तुलना फैब्यूलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्ज (Fabulous Lives Of Bollywood Housewives) की शालिनी पासी से भी कर दी, तो कुछ ने उन्हें उर्फी जावेद से भी कंपेयर कर दिया. वहीं एक यूजर ने लिखा कि ये ड्रेस है या फिर टेंट? पिछले कुछ महीनों से उर्वशी रौतेला कई वजहों से सोशल मीडिया पर ट्रोल होती रही हैं. ये सिलसिला उनकी फिल्म 'डाकू महाराज' के एक गाने दाबिड़ी दाबिड़ी से शुरू हुआ था. इस गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स को खूब ट्रोल किया गया था.

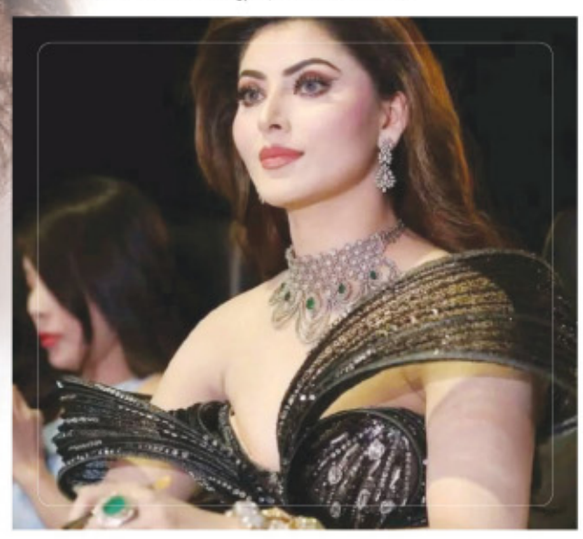

Anupama: कभी कहानी तो कभी लुक, कॉपी को लेकर मचा बवाल, 'अनुपमा' पर फूटा फैंस का गुस्सा

रुपाली गांगुली का मशहूर टीवी सीरियल 'अनुपमा' इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी कहानी और किरदारों के लुक को लेकर खूब ट्रोल हो रहा है. स्टार प्लस के नंबर वन शो में फिलहाल चल रहे प्रेम और राही की शादी के ट्रैक को लेकर दर्शक काफी नाराज हैं. दरअसल फिलहाल इस सीरियल के ट्रैक में उन्हें कोई ओरिजिनालिटी नजर नहीं आ रही है. ये पूरी कहानी 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के कार्तिक-नायरा की राह पर चल पड़ी है. दूसरी तरफ प्रेम का दूल्हे वाला लुक देखकर भी अनुज-अनुपमा के फैंस मेकर्स को जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं. दरअसल प्रेम और राही की शादी में प्रेम उसी शेरवानी में नजर आ रहा है, जो उसके ऑनस्क्रीन ससुर अनुज ने अनुपमा से शादी करते हुए पहनी थी.

सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कार्तिक और नायरा की जोड़ी ने नैतिक और अक्षरा की आइकॉनिक जोड़ी को रिप्लेस किया था. कार्तिक नायरा की कहानी में भी कार्तिक के घरवालों ने नायरा को अपनी बहू मानने से इनकार कर दिया था और अब अनुपमा में भी प्रेम और राही की कहानी 'कार्तिक-नायरा' के राह पर चल पड़ी है. सीरियल के इस ट्रैक से अनुपमा के फैंस बिलकुल भी खुश नहीं हैं. वो चाहते हैं कि राही और प्रेम की अपनी अलग कहानी हो और यही वजह से सोशल मीडिया पर वो मेकर्स को ट्रोल कर रहे हैं.

लुक भी किया कॉपी

अब 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के ट्रैक के साथ-साथ मेकर्स पुराने किरदारों का लुक भी कॉपी करने लगे हैं. अनुपमा सीरियल के सेट से वायरल हो रही तस्वीरों में प्रेम ने वही शेरवानी पहनी है, जो अनुज कपाड़िया का किरदार निभाने वाले गौरव खन्ना ने अपनी ऑनस्क्रीन शादी में पहनी थी. अनुपमा-अनुज के फैंस ने इस बात पर कड़ी आपत्ति जताई है. दरअसल इन फोटोज में सिर्फ अनुज और प्रेम की शेरवानी का रंग एक जैसा नहीं है, बल्कि शेरवानी का डिजाइन, सिर पर सजी हरे रंग की पगड़ी, हाथ में लिया हरा दुपट्टा और गले में पहना हुआ हार सब कुछ अनुज के लुक से मिलता-जुलता है.

सोशल मीडिया पर फूटा फैंस का गुस्सा

प्रेम और अनुज का एक लुक देख एक फैन ने ने पूछा है कि क्या स्टार प्लस के नंबर वन शो के पास बजट नहीं है? एक तरफ राइटर वही पुरानी स्क्रिप्ट दे रहा है और दूसरी तरफ प्रोडक्शन ससुर के पहने हुए कपड़े दामाद को भी पहना रहा है. तो दूसरी फैन लिखती हैं कि अनुज जैसा कोई नहीं है. अनुज सिर्फ एक ही है और टीआरपी के लिए उसका इस्तेमाल करना मेकर्स को बंद करना चाहिए. एक सोशल मीडिया यूजर ने सीधे प्रोडक्शन को सवाल करते हुए लिखा है कि मेकर्स ने अनुज का लुक क्यों कॉपी किया है? उनके नए दूल्हे को खुद का लुक क्यों नहीं दिया गया है? हर चीज कॉपी करना जरूरी होता है क्या? कुछ फैंस ने मेकर्स पर टीआरपी के लिए अनुज कपाड़िया की चीजों को कॉपी करने का आरोप भी लगाया है.

900 करोड़ी एनिमल का वो सीन, जिसने उड़ा दिए थे सबके होश, 10 मिनट में ही राजी हो गए थे Ranbir Kapoor

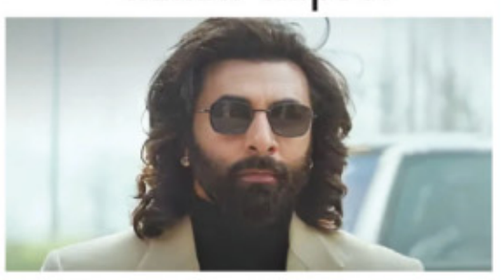

Ranbir Kapoor की एनिमल की रिलीज को भले एक साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका हो, लेकिन आज भी इस फिल्म के चर्चे होते रहते हैं. 900 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन करने वाली एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. हालांकि इस फिल्म को लेकर इंडस्ट्री में काफी हंगामा भी हुआ था. डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा अपनी फिल्म के खिलाफ बयान देने वालों लोगों को करारा जवाब भी दे चुके हैं. एनिमल में दिखाए गए कुछ सीन्स पर लोगों ने सवाल उठाए हैं. डायरेक्टर ने फिल्म रणबीर कपूर के सबसे बोल्ड सीन को लेकर खुलासा किया है, उन्होंने बताया है कि कैसे 10 मिनट की बातचीत में सब तय हो गया था.

एनिमल में रणबीर कपूर जिन्होंने रणविजय सिंह का किरदार निभाया है, हार्ट ट्रांसप्लॉन्ट के बाद वो न्यूड होकर बाहर आते हैं, इस सीन को फिल्म का सबसे बोल्ड सीन बताया गया है. कोमल नाहटा के शो गेम चेंजर्स में बातचीत के दौरान संदीप ने रणबीर के साथ अपने रिश्ते के बारे में जानकारी शेयर की और बताया कि कैसे वो इस तरह के चौंकाने वाले सीन को फिल्माने में कामयाब रहे.

रणबीर संग डायरेक्टर का रिश्ता

संदीप ने बकाया, "एनिमल की सक्सेस रणबीर और मेरे बीच की समझ के कारण है." उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी और एक्टर को कुछ सीन्स को अपनाने में मुश्किल हो सकती है. डायरेक्टर ने आगे कहा, "जो भी मुझे पसंद आया, उसे पसंद आया, और मुझे अभी भी यकीन नहीं है कि यह कैसे हुआ. यहां तक कि जब मैं सवाल कर रहा था कि क्या हम सही रास्ते पर हैं, तो उन्होंने मुझसे बस इतना कहा कि मैं जो चाहता हूं वो करो और उनसे कुछ भी न पूछो.'

प्रोस्थेटिक्स का करना था इस्तेमाल

रणबीर के न्यूड वॉक सीन को संदीप बताया था कि हमें जांघों और निचले शरीर के लिए एक प्रोस्थेटिक्स लगाना था, जिसने टेस्ट शूट के दौरान बेहतरीन काम किया. हालांकि असल में शूटिंग वाले दिन, यह सही नहीं लग रहा था.

नॉनवेज खाने से बिगड़ गई जिंदगी...

रुबीना दिलैक

ने फराह खान को दी चिकन छोड़ने की सलाह

बिग बॉस 14 की विनर और टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' की जज फराह खान से की खास बातचीत के दौरान उन्हें चिकन छोड़ने की सलाह दी. उन्होंने बताया कि किस तरह नॉनवेज छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी सेहत में पॉजिटिव चेंजेस महसूस किए हैं.

निर्देशक और रियलिटी शो जज फराह खान ने अब सोशल मीडिया पर कंटेंट क्रिएटिंग की दुनिया में भी एंट्री की है. अपने यूट्यूब चैनल पर फराह खान बॉलीवुड और टीवी के मशहूर सेलिब्रिटी के साथ कुकिंग वीडियो शेयर करती हैं. हाल ही में 'बिग बॉस 14' की विनर रुबीना दिलैक भी फराह खान के नए कुकिंग व्लॉग में शामिल हुई थी. इस व्लॉग की शूटिंग फराह के घर पर की गई थीं. इस शूटिंग के दौरान दोनों के बीच हो रही बातचीत में रुबीना दिलैक ने फराह खान को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें चिकन खाना छोड़ देना चाहिए और चिकन छोड़ने से उनके स्वास्थ्य में उन्हें कई पॉजिटिव बदलाव नजर आएंगे.

नॉनवेज खाने की आदत के बारे में बात करते हुए रुबीना ने फराह खान से कहा, "मैं और अभिनव सात साल पहले ही नॉनवेज खासकर चिकन खाना छोड़ चुके हैं. दरअसल शुरुआत में जब हम दोनों एक्सरसाइज करते थे, तब हमारे पैर हाथ सूज जाते थे, हमारे तलवे बाउट ज्यादा दर्द करने लगे थे. उस समय हम बहुत ज्यादा बेचैनी महसूस करते थे. फिर अभिनव और मैंने चिकन छोड़ने का फैसला ले लिया और चिकन छोड़ने के बाद हम खुद में अच्छा बदलाव महसूस करने लगे.

फिश खा सकते हैं चिकन नहीं

रुबीना ने फराह खान को आगे बताया कि अगर वो नॉन वेज खाना छोड़ देती हैं, तो उन्हें अपने शरीर में कई पॉजिटिव बदलाव देखने मिलेंगे. लेकिन हमेशा से नॉन-वेज की फैन रहीं फराह खान ने जब रुबीना से पूछा कि क्या उन्हें चिकन के साथ फिश भी नहीं खानी चाहिए, तब रुबीना ने उनसे कहा कि नहीं, फिश ठीक है, वो फिश खा सकती हैं.

चिकन छोड़ देंगी फराह खान

रुबीना दिलैक ने दी हुई सलाह पर विचार करते हुए फराह खान ने कहा कि मैं चिकन छोड़ने की जरूर कोशिश करूंगी और साथ ही उन्होंने अपने कुक दिलीप को भी समझाया कि वो अब से खाने में चिकन कम पकाए. दरअसल बॉलीवुड सेलिब्रिटी के बीच फराह खान का यखनी पुलाव और रोस्ट चिकन बेहद फेमस है, उनके इस फैसले के बाद क्या वो ये दोनों डिशेस पकाना बंद कर देंगी? ये देखना दिलचस्प होगा.